NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd

Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 07 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-219

आरक्षण विरोधी आंदोलन तो महज एक बहाना था

लक्ष्य भारत समर्थक शेख हसीना को हटाना था

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश के हालात पर नजर रखने के लिए दुनियाभर की अलग-अलग खुफिया एजेंसियों के जो इनपुट सामने आ रहे हैं, वह बेहद चौंकाने आने वाले हैं। बांग्लादेश के तख्तापलट को वहां हुए आरक्षण विरोधी आंदोलन से जोड़ कर पेश किया जा रहा है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। बांग्लादेश को इस हाल में लाने के लिए बड़ी साजिश की गई है। आरक्षण को लेकर तैयार किया गया आंदोलन महज एक जरिया था। उसके पीछे इरादा कुछ और था। आंदोलन के जरिए बांग्लादेश को अस्थिर करने की बड़ी साजिश रची गई। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट भी यही बता रही है। बांग्लादेश में माहौल खराब

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान, चीन और यूके से रची गई साजिश

करने के लिए बाकायदा पाकिस्तान, चीन और यूके समेत अमेरिका के कुछ हिस्से से पूर्व संयोजित साजिश को आगे फैलाने का षड्यंत्र रचा गया। ताकि बांग्लादेश में अस्थिरता का माहौल पैदा किया जा सके।

बांग्लादेश के हालात पर नजर रखने के लिए दुनियाभर की अलग-अलग खुफिया एजेंसियों के इनपुट सामने आ रहे हैं। बांग्लादेश में शुरू हुए आरक्षण आंदोलन को भड़काने के लिए दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने का पूरा ताना-बाना बुना गया। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है, वहां से तकरीबन 41 अलग-अलग नामों से सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर बांग्लादेश के माहौल को लेकर भड़काऊ संदेश तैयार किए गए थे। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 12 अकाउंट तो ऐसे थे, जो कि बांग्लादेश की राजधानी ढाका से थे। जबकि आधा दर्जन से ज्यादा लोग पाकिस्तान से बांग्लादेश में एक अलग ही कहानी बढ़ाने और लोगों को उकसाने की पूरी साजिश रच रहे थे।

▶10पर

सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमेरिका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रहती

मैं जल्द ही लौटूंगी इंशाअल्लाह, बच्चों की लाशें गिराने वालों को सज़ा मिलेगी

नई दिल्ली/ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बंगलादेश के मीडिया के एक वर्ग में कल देर रात से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एक बयान प्रचारित हो रहा है जिसमें श्रीमती हसीना ने देश में हुई घटनाओं के लिए विदेशी साजिश की ओर इशारा किया है तथा कहा है कि वह फिर से लौटेंगी और जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उन्हें सज़ा मिलेगी। हालांकि इस बयान के अधिकृत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही इसका कोई खंडन आया है। सोशल मीडिया पर बंगला भाषा में आए इस बयान में कहा गया मैंने इस्तीफा दे दिया। अब आपको तो सिर्फ लाशों का जुलूस देखना है। वे आपकी (छात्रों की) लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे, मैंने इसकी इजाज़त नहीं दी। मैं सत्ता में जीत कर आयी थी। यदि मैंने सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमेरिका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी। ▶10पर

सरकार ने संसद को बांग्लादेश के हालात की जानकारी दी

सभी दलों ने भारत सरकार को दिया समर्थन

अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर भारत चिंतित

नई दिल्ली, 06, अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश की स्थितियों के बारे में भारत सरकार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के जरिए संसद के दोनों सदनों को विस्तृत जानकारी दी। भारत सरकार ने कहा कि वह बांग्लादेश में फंसे भारतीयों से लगातार संवाद में हैं। वहां से खासी तादाद में छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर चिंता जताई और कहा कि कूटनीतिक माध्यमों से वहां स्थितियों को ठीक करने की कोशिश की जा रही है। देश के सभी विपक्षी दलों ने इस स्थिति में भारत सरकार के प्रति अपना पूरा समर्थन जताया है। बांग्लादेश में जारी हिंसा अब बेकाबू हो चुकी है। शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद भी पिछले 24 घंटे में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, कई घायल बताए जा रहे हैं। इसके ऊपर हिंदू मंदिरों पर भी हमले शुरू हो गए हैं, लगातार आगजनी की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश की हिंसा और वहां के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में विस्तृत जानकारी दी है।

▶10पर

अभी भारत में ही रहेंगी शेख हसीना लंदन जाना टला

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री फिलहाल भारत में ही रहेंगी। शेख हसीना की आगे की यात्रा कुछ अनिश्चितताओं की वजह से बाधित हो गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना दिल्ली के पास मौजूद हिंडन एयरबेस पहुंचीं थीं। उन्हें कड़ी सुरक्षा में एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया। ▶10पर

बांग्लादेशी वायुसेना के पूर्व अफसर ने किया सनसनीखेज खुलासा

मणिपुर को भी तोड़ने का था 'बाल्केनाइजेशन' प्लान

नई दिल्ली/ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
साजिश थी बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के मणिपुर और म्यांमार को तोड़ कर एक अलग ईसाई राष्ट्र बनाने की और वहां अमेरिकी सैनिक अड्डा स्थापित करने की। बांग्लादेश अवामी लीग के नेता और पूर्व वायुसेना अधिकारी सदरुल खान ने यह सनसनीखेज खुलासा किया है।

मणिपुर-बांग्लादेश-म्यांमार को तोड़ कर अलग ईसाई देश बनाने का कुचक्र

रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर सदरुल खान ने बताया कि भारत के लिए यह सचेत होने का समय है। जो शक्तियां बांग्लादेश की सत्ता पर हावी होने की तैयारियां कर रह रही हैं, वह पहले भी भारत के खिलाफ बड़ी साजिश को अंजाम दे चुकी हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेआई) की गतिविधियां शुरू से ही संदेहास्पद रही हैं। यहां तक कि जब वे 2001 से 2006 के बीच देश में सत्ता में थे, तो बीएनपी सरकार ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में विद्रोही गुटों को भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के नजदीक स्थित छत्रग्राम बंदरगाह से हथियारों की सप्लाई पहुंचाने की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि हाल ही में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी बीएनपी और जेआई कैडर ने भारत के साथ कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने को लेकर शेख हसीना पर निशाना साधा था। यहां तक कि बीएनपी और उसके सहयोगी दल भारतीय सामान का बहिष्कार करने के लिए काफी वक्त से इंडिया ▶10पर

बीएसएफ और प. बंगाल के अधिकारियों के साथ साझा बैठक

नदिया, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
पड़ोसी देश बांग्लादेश में चल रहे तनाव के बीच मंगलवार को नदिया जिले में बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत की 8वीं बटालियन और 107वीं बटालियन के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों और सीमावर्ती गांवों के लोगों के साथ एक समन्वय बैठक की। इसका उद्देश्य सीमावर्ती समुदायों और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करना था। इसी सिलसिले में पहली बैठक सीमा चौकी बोर्नबेरिया, 8वीं बटालियन बीएसएफ के जवानों ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के साथ आयोजित की, जिनमें राणाघाट के एसडीओ और एसडीएम, हंसखली के बीडीओ, डीएसपी (सीमा) पश्चिम बंगाल, ▶10पर

शेख हसीना को हो गया था खतरे का आभास

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी 76 वर्षीय शेख हसीना ने जनवरी में चुनावों के बाद लगातार चौथी बार सत्ता संभाली थी। लगभग 15 सालों से देश की सत्ता पर काबिज रहीं शेख हसीना को आने वाले खतरे को आभास पहले ही हो चुका था। उन्होंने इस साल मई में एक चौंकाने वाली आशंका जाहिर की थी, जिसका परिणाम उन्हें 5 अगस्त को सत्ता से बेदखल होने के तौर पर भुगतना पड़ा है। शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के एक सदस्य ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि कुछ देश एक खास ऑपरेशन के तहत बांग्लादेश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि भारत को भी इस बात की पूरी जानकारी है। बांग्लादेश अवामी लीग से जुड़े सदरुल खान ने एक खास बातचीत में बताया था कि 31 जुलाई को ढाका स्थित भारतीय दूतावास के शीर्ष अधिकारी ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की थी। ▶10पर

आडवाणी की फिर बिगड़ी तबीयत अपोलो में भर्ती

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
पूर्व उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी को रात 9 बजे डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। वे निगरानी में हैं। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अपोलो अस्पताल की ओर से यह जानकारी दी गई है। बीते सप्ताह भी पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी एम्स नई दिल्ली में भर्ती हुए थे। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी थी।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मियों और पेंशनरों को स्पष्ट बताया

कोरोना काल में रुका 18% डीए का एरियर नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एक करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि कोरोनाकाल के दौरान सरकारी कर्मियों का जो 18 फीसदी डीए/डीआर रोका गया था, अब उसका एरियर नहीं मिलेगा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) स्टाफ साइड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने डीओपीटी के सचिव (पी) से आग्रह किया था कि 18 माह के डीए का एरियर, कर्मियों का हक है। केंद्र सरकार के कर्मियों व पेंशनरों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गए डीए/डीआर का एरियर जारी किया जाए।

राज्यसभा सदस्य, जावेद अली खान और रामजी लाल शर्मा ने सदन में यह सवाल पूछा था कि क्या सरकार, कर्मचारियों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गए डीए/डीआर के एरियर का भुगतान जारी करने के लिए

सक्रिय है या नहीं। दोनों सांसदों ने पूछा, अगर सरकार यह भुगतान जारी नहीं कर रही है, तो उसका क्या कारण है। भारतीय अर्थव्यवस्था, विश्व में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस साल डीए/डीआर जारी करने को लेकर कर्मचारी संगठनों के कितने प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं। सरकार ने उन पर क्या कार्रवाई की है। इन सवालों के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, कोरोनाकाल में अर्थव्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण डीए/डीआर रोका गया था। तब सरकार पर वित्तीय दबाव था। एनसीजेसीएम सहित सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों की तरफ से इस बाबत प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं। मौजूदा समय में उक्त भत्तों का एरियर देना संभव नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोनाकाल में केंद्र सरकार ने कर्मचारियों का उक्त भुगतान रोक कर 34,402.32 करोड़ रुपए बचा लिए थे। भारत पेंशनर समाज के महासचिव एससी महेश्वरी ने भी कोरोनाकाल के दौरान रोके गए ▶10पर

भीमसेना ने दी मुख्य न्यायाधीश को जान से मारने की धमकी

मौका मिला तो चंद्रचूड़ को मार डालेंगे : भीमसेना

बैतूल, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को जान से मार डालने की धमकी देने वाले भीमसेना के नेता पंकज अतुलकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पंकज अतुलकर भीमसेना का प्रदेश संयोजक है। पुलिस ने भीमसेना के प्रदेश संयोजक अतुलकर के खिलाफ आईटी एक्ट और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। भीमसेना के नेता ने एससी/एसटी वर्ग के आरक्षण से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी असहमति जताई थी और कहा था कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ को मार गिराऊंगा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

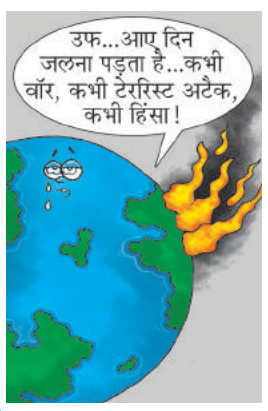

बांग्लादेश में हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना

हिंदू पार्षद और हिंदू पत्रकार को मार डाला

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बीच इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा जारी है। पूरे बांग्लादेश में अलग-अलग शहरों में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस्लामी कट्टरपंथी हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों को नष्ट कर रहे हैं। कई जगह से हिंदू घरों में लूटपाट और हिंसा की खबरें हैं। इस बीच भारत में बैठा इस्लामी गैंग मुस्लिम कट्टरपंथियों के इन कारनामों को मिटाने में जुट गया है। ट्विटर पर फोटो डाले जा रहे हैं, जिसमें झूठ कहा जा रहा है कि बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों को मुस्लिम बचाने में लगे हैं। इन झूठे दावों की पोल बांग्लादेशी मीडिया ही खोल

हिंदुओं के दुकान, मंदिर और घर तोड़े गए, जला दिए गए

इस्लामिक कट्टरपंथ के खिलाफ एकजुट होना होगा: रामदेव

रहा है। बांग्लादेशी मीडिया हिंदुओं पर हमले की खबरें बता रहा है। बांग्लादेश की प्रमुख समाचार वेबसाइट द डेली स्टार के अनुसार, देश में 5 अगस्त 2024 को कम से कम 27 जगहों पर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उनके दुकान, मंदिर और घर तोड़े गए। एक हिंदू पार्षद की हत्या कर दी गई। एक हिंदू पत्रकार भी मार डाला गया। बांग्लादेश के कालीगंज में 4 हिंदुओं के घर लूटे गए। उनके घर में तोड़फोड़ हुई। लालमोनिरहाट में भी कई हिंदुओं की दुकानों और मकानों पर हमला हुआ। ▶10पर

सीमा पर पहुंच रहे हिंदुओं को पीट रहे बांग्लादेशी बॉर्डर गार्ड्स

कोलकाता, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से वहां के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। कट्टरपंथी इस्लामिक समूह ने हिंदुओं के घरों में अत्याचार शुरू कर दिया है। भारत की ओर भागने का प्रयास कर रहे हिंदुओं को सीमा पर तैनात बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) लाठीचार्ज कर वापस खदेड़ रहा है। भारतीय सीमा पर खड़े सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान उनकी मदद करने में असमर्थ हैं। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के लोग, जो अपनी जान बचाने के लिए विभिन्न सीमाओं पर पहुंच रहे हैं, उन्हें बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) द्वारा भारत में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इधर, वापस लौटने पर उन पर कट्टरपंथी समूहों की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं।बांग्लादेश के सराइल उपजिले से कुछेक हजार हिंदू, त्रिपुरा में शरण लेने के लिए सीमा पर पहुंचे लेकिन उन्हें बीजीबी ने लाठीचार्ज कर वापस भेज दिया। यह स्थिति सिर्फ सराइल की नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के सभी सीमाओं पर यही हो रहा है। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया गया है, ▶10पर

बांग्लादेश में 300 से अधिक भारतीय ट्रक फंसे, मंदिरों पर हमला

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में तख्तापलट और हिंसा भड़कने के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर 250-300 भारतीय ट्रक फंसे हुए हैं। वहीं हिंसक भीड़ ने ढाका स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र और चार हिंदू मंदिरों पर हमला किया है। इन हमलों में मंदिरों को मामूली नुकसान हुआ है। कुछ हिंदुओं को भी निशाना बनाए जाने की सूचना है।

ट्रकों की आवाजाही रूकने पर पेट्रापोल के क्लीयरिंग एजेंट्स स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कार्तिक चक्रवर्ती ने बताया कि पेट्रापोल लैंड पोर्ट से माल की आवाजाही सोमवार को रुकने से ट्रकों की आवाजाही बंद हो गई है।

बांग्लादेश के हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद के नेता काजोल देबनाथ ने बताया है कि देश के चार मंदिरों पर हमले हुए हैं। इन हमलों में मंदिरों को मामूली नुकसान हुआ है।

प्रधानमंत्री हसीना के सत्ता से हटने के बाद हिंदू समुदाय के लोगों में स्थिति को लेकर डर है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई है। भीड़ द्वारा निशाना बनाए गए भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन मार्च 2010 में हुआ था। इस केंद्र में योग, हिंदी, भारतीय शास्त्रीय संगीत और भारतीय नृत्य कलाओं के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाता है। इस केंद्र के पुस्तकालय में भारत से संबंधित 21 हजार पुस्तकों का भी संग्रह है।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रापोल लैंड पोर्ट से माल की आवाजाही सोमवार को रुक गई। पेट्रापोल के क्लीयरिंग एजेंट्स स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कार्तिक चक्रवर्ती ने बताया कि बांग्लादेश की ओर 250-300 भारतीय ट्रक फंसे हुए हैं।

पेट्रापोल भारत-बांग्लादेश की सीमा पर स्थित लैंड पोर्ट है। चक्रवर्ती ने कहा कि हम बांग्लादेश के नए प्रशासन से ट्रकों, माल और ड्राइवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे। बता दें कि हर दिन औसतन 450-500 ट्रक भारत से दक्षिण एशिया के सबसे बड़े लैंड पोर्ट पेट्रापोल के माध्यम से बांग्लादेश जाते हैं। लगभग 150-200 ट्रक दूसरी तरफ से आते हैं।

सालाना, लगभग 22 लाख लोग पेट्रापोल चेक प्वाइंट के माध्यम से सीमा पार करते हैं। पेट्रापोल बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में स्थित है, जो भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर है। यह कोलकाता से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं, एलआईसी ने सोमवार को कहा कि एलआईसी ऑफ बांग्लादेश लिमिटेड का कार्यालय सात अगस्त तक बंद रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

सिएटल में गोलीबारी की घटना में चार लोग घायल

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। अब राज्य वॉशिंगटन के सिएटल में गोलीबारी में कम से कम चार लोग घायल हो गए। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को घटनास्थल पर 20 साल की एक लड़की मिली, जिसके सिर पर गोली लगने का घाव था और 20 साल का एक लड़का मिला, जिसकी उंगली में गोली मारी गई थी। जब पुलिस इस घटना की जांच कर रही थी, तब उन्हें शख्स के सिर और उसके पीठ के निचले हिस्से पर गोली के घाव दिखे और उनके एंकल से एक गाड़ी स्वीडिश फर्स्ट हिल अस्पताल के एंट्री गेट से टकरा गई। पुलिस ने जांच में पाया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर कई बार गोलियां चलाई गई थीं। पुलिस के अनुसार इसके अतिरिक्त 20 साल का एक तीसरा व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी। गोली लगने के घाव के साथ पास के कैसर परमानेंट मेडिकल केंद्र में चला गया। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार संदिग्ध आरोपी भाग गया और इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, मामले की जांच की जा रही है। हाल ही में इससे पहले न्यूयॉर्क के रोचेस्टर शहर के एक पार्क में गोलीबारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। साथ ही घटना में छह लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद लोगों से इस घटना का वीडियो भी मांगा।

चीन से गदगद पाक बोला-जो उसने किया है वो अमेरिका भी नहीं कर सकता

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। लाहौर के मॉडल टाउन स्थित आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। एक पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने कहा कि चीन ने देश के लिए जो किया है, वह अमेरिका कभी नहीं कर सकता। चीन और पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का दूसरा चरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में चीन के विशेषज्ञ पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। चीनी विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने चीन से फिर से कर्ज का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, अगर चीन द्वारा पाकिस्तान सरकार को कर्ज चुकाने के लिए पांच से सात वर्ष का समय दिया गया तो देश में बिजली के दामों के साथ-साथ महंगाई को कम किया जा सकेगा। इस दौरान, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने देश में चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी प्रतिबद्धता जताई। कुछ समय पहले पाकिस्तान के विदेश विभाग ने भी कहा था कि बेहतर संबंधों के लिए चीन के साथ रिश्तों की कुर्बानी नहीं दे सकते। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा ने कहा, हमारे लिए अमेरिका के साथ रिश्ते और चीन के साथ रिश्ते, दोनों ही जरूरी हैं। उन्होंने कहा, हम इस बात में यकीन नहीं रखते कि एक देश के साथ संबंधों के लिए दूसरे देश के साथ रिश्तों की कुर्बानी दे दी जाए।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

लंदन। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था, जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है। लैमी ने कहा बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंसा और जान-माल की हानि हुई है। सेना प्रमुख द्वारा एक संक्रमणकालीन अवधि की घोषणा की गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिजी की संसद को किया संबोधित, बोलीं

भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र सहित काफी कुछ एक समान है

सुवा, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को वहां की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है। भारत एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनने के साथ-साथ प्राथमिकताओं के अनुसार फिजी के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है। उन्होंने इस मौके पर दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपनी साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक साथ आने को कहा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आकार में बहुत अंतर होने के बावजूद भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र सहित काफी कुछ एक समान है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले इसी हॉल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ मूल्यों का जिक्र किया था जो भारत और फिजी को जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र, हमारे समाज की विविधता तथा प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बताता है। ये साझा मूल्य शाश्वत हैं, आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी कहा कि बाकी दुनिया को फिजी से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। फिजी की सौम्य जीवनशैली, परंपराओं तथा रीति-रिवाजों के प्रति गहरा सम्मान, खुला और बहुसांस्कृतिक वातावरण, फिजी को तेजी से संघर्षों में घिर रही इस दुनिया में इतना खास बनाता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि फिजी वह जगह है जहां बाकी दुनिया अपनी खुशियां ढूंढने आती है।

राष्ट्रपति फिजी में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत

सुवा। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में फिजी की राजधानी सुवा में हैं। फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे मैवलीली कटोनिवेरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया। यह फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच मित्रता के गहरे संबंधों का परिचायक है। यह सचित्र विवरण भारत की राष्ट्रपति के एक्स हैंडल पर साझा किया गया है। द्रौपदी मुर्मू का सुवा पहुंचने पर फिजी के प्रधानमंत्री सीटिवेनी राबुका ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रपति फिजी के बाद न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते जाएंगी। किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की फिजी और तिमोर-लेस्ते की पहली यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूती मिलेगी। विदेश मंत्रालय के सचिव जयदीप मजूमदार ने पिछले दिनों नई दिल्ली में राष्ट्रपति की यात्रा का ब्यौरा साझा किया था। इसमें कहा गया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पांच से 10 अगस्त तक तीन देशों फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा पर रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति के अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र पर भारत ने विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया है। यह तीनों देश भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत आते है। भारत और फिजी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में फिजी की राजधानी सुवा में हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने फिजी में अपने संबोधन में कहा कि भारत एक सक्षम और संवेदनशील देश के रूप में उभर रहा है। हमने वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका निभाई है। पिछले वर्ष हमारी जी-20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक सफलता ने दर्शाया कि भारत का समावेशी, निर्णायक, महत्वाकांक्षी और कार्योन्मुखी नेतृत्व विश्व के लिए क्या कर सकता है। जैसा कि हमने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान किया था। हम ग्लोबल साउथ के हितों को जोर से आवाज देने के लिए हर वैश्विक मंच का उपयोग करना जारी रखेंगे और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और सुरक्षित दुनिया बनाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने तथा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड या ओसीआई कार्ड सहित अनेक पहलें शुरू की हैं। प्रवासी परिवारों की युवा पीढ़ी के लिए हमारे पास उन्हें अपनी भारतीय जड़ों से जोड़ने के लिए एक भारत को जानो कार्यक्रम है। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि बड़ी संख्या में फिजी के युवा इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सुवा में स्थापित होने वाले 'सुपर स्पेशलिटी कार्डियोलॉजी हॉस्पिटल' सहित नयी परियोजनाएं फिजी और व्यापक प्रशांत क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकता वाली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू का 'स्टेट हाउस' में राष्ट्रपति कटोनिवेरे ने स्वागत किया जहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

उन्होंने सुवा में महात्मा गांधी मेमोरियल हाई स्कूल में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां उपस्थित छात्रों के साथ बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने सुवा में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित की और शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

चीन को समर्पित हो सकती है बांग्लादेश की नई सरकार

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

पड़ोसी देशों के साथ हमारी सीमाएं लगती हैं, वहां राजनीतिक अस्थिरता होना अच्छा नहीं है। इससे राजनयिक ही नहीं बल्कि व्यापारिक रिश्ते और नागरिक संबंध भी प्रभावित होते हैं। बांग्लादेश के साथ भारत सबसे लंबी 4096 किलोमीटर की भूमि सीमा साझा करता है। इसी प्रकार यदि राजनयिक संबंधों की बात करें तो भारत पहला देश था, जिसने उसके अस्तित्व में आने के बाद 1971 में राजयनिक संबंध स्थापित किए। बांग्लादेश में बगावत भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऐसा दो कारणों से है। एक इससे भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध कुछ हद तक प्रभावित होंगे। दूसरे वहां बनने वाली नई सरकार का झुकाव चीन की तरफ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। सेना की अंतरिम सरकार से भी वैसे संबंधों की उम्मीद नहीं की जा सकती है जैसे शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार से थी।

भविष्य में अगर वहां शेख हसीना की बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी सरकार नहीं बनाती है और कोई दूसरी पार्टी सरकार बनाती है तो यह आशंका है कि उसका झुकाव चीन की तरफ हो सकता है। तीसरी, आशंका यह है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्वों की सक्रियता बढ़ सकती है, जिन्हें शेख हसीना के शासन में काफी हद तक नियंत्रण में रखा गया था। उन्हें नियंत्रित करना बांग्लादेश सरकार का जिम्मा होगा, लेकिन परोक्ष रूप से वह भारतीय जनमानस को थोड़ा-बहुत प्रभावित कर सकते हैं।जहां तक शेख हसीना के भारत के रास्ते लंदन रवाना होने की बात है, इस बात से बांग्लादेश के साथ संबंधों पर असर नहीं पड़ेगा। भारत ने उन्हें यहां रहने की अनुमति नहीं देकर सिर्फ उतना ही किया जितना एक राजयनिक प्रोटोकॉल के तहत किया जा सकता था। इसलिए बांग्लादेश की नई सरकार के रुख पर इसका कोई असर नहीं होगा।

हालांकि पिछले पांच दशकों में बांग्लादेश की राजनीति में उतार-चढ़ाव आए और फौजी राष्ट्रपति के हाथ में भी कमान रही, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंधों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा। इसलिए इस घटना को भी विशेषज्ञ अच्छा तो नहीं मानते हैं, लेकिन बहुत निराश नहीं हैं।रक्षा विशेषज्ञों की का कहना है कि कहा कि शेख हसीना भारत समर्थक और लंबे समय से सत्ता में थी। इससे पूर्व भी जब 2001 तक वह सत्ता में थी तो भारत के साथ रिश्ते प्रगाढ़ हुए थे। फिलहाल वहां सेना सत्ता संभालने जा रही है, जिसका रुख भारत को लेकर तटस्थ रहने की संभावना है।

कमला हैरिस को सोशल मीडिया पर 4 हजार बार धमकी देने वाले पर चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से एक युवक इतना गुस्सा हो गया कि उसने एक दो बार नहीं बल्कि हजारों पर उन्हे जान से मारने की धमकी दे डाली। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक फ्रैंक लुसियो कैरिलो ने कमला हैरिस, राष्ट्रपति जो बाइडन, एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे सहित एरिजोना राज्य के कई अधिकारियों और अन्य लोगों को दक्षिणपंथी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गेटर पर कई धमकियां दी थीं। एफबीआई ने कैरिलो की 4,359 पोस्ट पाईं, जिनमें कमला हैरिस सहित दूसरे कई सराकरी अधिकारियों को निशाना बनाया गया था।

अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक अपनी कई पोस्ट में कैरिलो ने कथित तौर पर हैरिस की आंखें निकालने की धमकी दी और उपराष्ट्रपति को मारने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से सामने रखा। कैरिलो ने कथित तौर पर एक अपशब्द भरे भाषण में लिखा कि 'मैं तुम्हारी आंखें निकाल दूंगा। उसने उम्मीद जताई कि कमला हैरिस धीमी पीड़ादायक मौत मरेगी। अदालत के रिकॉर्ड में कई ऐसे ही पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ-साथ अन्य लोगों के खिलाफ बड़ी और साफ धमकियां दी गई हैं। जिसमें 2023 में एक इस्लामोफोबिक पोस्ट भी शामिल है। जिसमें उसने लिखा था कि लोगों को अपनी बंदूकें लेकर बाहर जाना चाहिए और सभी मुसलमानों को मार देना चाहिए। जब एफबीआई एजेंट पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में कैरिलो के घर पहुंचे, तो कैरिलो ने कहा कि 'मैंने इसे पोस्ट किया है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार कैरिलो ने यह भी कहा कि 'मुझे लगता है कि मुझे एक वकील की जरूरत पड़ेगी। संघीय एजेंटों ने उनके घर से दो हथियार बरामद किए, जिसमें 2023 में खरीदी गई एक पिस्तौल और इस साल खरीदी गई एक राइफल शामिल है।

पाकिस्तान में इस साल आतंकवादियों से लड़ाई के दौरान 139 सैनिक मारे गए

पाकिस्तानी सेना ने पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबादू, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सेना ने कहा कि 2024 के पहले सात महीनों के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ जारी लड़ाई में अधिकारियों सहित 139 सैनिकों की जान चली गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों को सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। जिसमें सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के व्यापक आतंकवाद विरोधी प्रयासों और पेशेवर गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और एलईए ने देश भर में 23,622 खुफिया-आधारित ऑपरेशन किए। कुल मिलाकर 2,045 ऑपरेशन अकेले पिछले 15 दिनों में किए गए।

शरीफ ने पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसियों, पुलिस और अन्य एलईए के अथक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल-खवारिज (बाहरी विद्रोह) और सभी संबंधित आतंकवादियों को खारिजी (बहिष्कृत) करार दिया है। महानिदेशक ने कहा कि यह शरारत करने वाला समूह है। यह न तो कोई विचारधारा है और न ही इसका धर्म या पाकिस्तान से कोई लेना-देना है। अधिकारी ने कहा कि पूरा देश बहादुर शहीदों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि देता है। यह प्रतिबद्धता देश की आंतरिक और सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों, एलईए और खुफिया एजेंसियों के अटूट फोकस को रेखांकित करती है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ तब तक लड़ाई जारी रखने के देश के संकल्प की पुष्टि की जब तक कि अंतिम आतंकवादी का सफाया नहीं हो जाता, जिससे पाकिस्तान में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जारी किया आदेश

बांग्लादेश की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को तत्काल रिहा किया जाए

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच नाटकीय घटनाक्रम में प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट होने और देश छोड़ने के बाद जहां सेना ने सत्ता संभाल ली है। वहीं देशभर में अराजकता और हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को तत्काल रिहा करने के आदेश दिए हैं।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, बैठक में सर्वसम्मति से बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को रिहा करने का फैसला किया गया। इसके अलावा, छात्र भेदभाव विरोधी आंदोलन और हाल की घटनाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किए गए सभी बंदियों को रिहा करने का फैसला किया गया। सांप्रदायिक सौहार्द को किसी भी तरह से बाधित न होने देने के लिए भी मजबूत सहमति बनी।

राष्ट्रपति की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अंतरिम सरकार के गठन के उद्देश्य से राष्ट्रपति मोहम्मद सहाबुद्दीन, थल सेनाध्यक्ष, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और नागरिक की अध्यक्षता में बंगभवन में एक बैठक आयोजित की गई। देश के समाज प्रतिनिधि बैठक में आरक्षण विरोधी आंदोलन में मारे गए लोगों की याद में शोक प्रस्ताव लिया गया और उनकी दिवंगत आत्माओं की शांति और क्षमा के लिए प्रार्थना की गई। बैठक में तुरंत अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया गया। बैठक में सभी से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए धैर्य और

सहनशीलता बरतने का आग्रह किया गया और सेना को लूटपाट और हिंसक गतिविधियों से रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को तुरंत रिहा करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, भेदभाव विरोधी आंदोलन और हाल ही में विभिन्न मामलों में हिरासत में लिए गए सभी कैदियों को रिहा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि समुदाय को किसी भी तरह से नष्ट नहीं किया जाना चाहिए।

इससे पहले बांग्लादेश में सोमवार को बवाल बढ़ने के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और वो देश छोड़कर भारत पहुंच गई हैं। ज्ञात रहे कि गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन के सेफ हाउस में रखा गया है। इस समय बांग्लादेश के हालत अस्थिर बने हुए हैं। कई शहरों में छात्रों का प्रदर्शन देखा जा रहा है।

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे पर शुरू हुआ बवाल शुरू हुआ। और ऐसा नहीं है कि ये अचानक से आज-कल में ही शुरू हुआ। पहले भी इसको लेकर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। प्रदर्शनकारी इस कथित विवादास्पद रिजर्वेशन सिस्टम को खत्म करने की मांग कर थे, जिसके तहत बांग्लादेश मुक्ति संग्राम (1971) में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है।

अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने को नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस राजी

बांग्लादेश में लंबे समय तक सत्तारूढ़ रहीं शेख हसीना के छात्र आरक्षण आंदोलन की हिंसक लपटों के बीच देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। बांग्लादेश के प्रमुख बांग्लाभाषी अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार, नोबेल पुरस्कार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने को राजी हो गए हैं। प्रोथोम अलो और द डेली स्टार के अनुसार, आंदोलन के समन्वयकों में से एक नाहिद इस्लाम ने मंगलवार तड़के एक वीडियो संदेश में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उनकी प्रो. यूनुस से बात हो गई है। छात्रों के आह्वान पर वह बांग्लादेश की रक्षा के लिए यह अहम जिम्मेदारी लेने को तैयार हो गए हैं।

पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर बिग बैंग नंबर जारी किए, बताया विकास का पूरा खाका

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नमो ऐप पर 15-31 जुलाई के पखवाड़े के लिए अपने द्वि-साप्ताहिक भारत न्यूजलेटर के हिस्से के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था पर बिग बैंग नंबर जारी किए। इसमें प्रधानमंत्री ने दर्शाया कि भारत का मार्केट कैप रिकॉर्ड 5.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के बीच राज्य की सीमा पर शिनकुन ला में दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का निर्माण शुरू किया गया। वहीं, भारतीय एमएसएमई ने 4 वर्षों में 20.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा की, जबकि देश में 39% एमएसएमई का स्वामित्व अब महिलाओं के पास है, इसमें यह भी दर्शाया गया है।

इसके साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में 1.4 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 15.5 लाख नौकरियां पैदा कर रहे हैं। इसके साथ ही पिछले छह वित्तीय वर्षों में भारत में रोजगार 35 प्रतिशत बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही इसमें जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र (औपचारिक और अनौपचारिक संस्थाएं) में 2017-18 से 2022-23 तक 85 लाख रोजगार के अवसरों की वृद्धि देखी गई। वहीं, भारत का निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़कर 21.2 बिलियन डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप 300 मिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस हुआ है। इस वित्तीय वर्ष में निर्यात अब 800 अरब डॉलर से अधिक होने की तैयारी में है। जून में भारत में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक

सामानों का निर्यात 16.9 प्रतिशत बढ़कर 2.82 बिलियन डॉलर हो गया। वहीं, पीएम मोदी ने जो आंकड़ा नमो ऐप पर जारी किया है, उसके अनुसार 2024-25 की पहली तिमाही में, भारत में निर्मित ऐप्पल आईफोन का निर्यात 3.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो भारत के एफओबी मूल्य का 79% है। इसके साथ ही भारत का व्यापार घाटा जून में कम होकर 20.98 अरब डॉलर हो गया, जो मई में 23.78 अरब डॉलर था। भारत की बाहरी (एफडीआई) प्रतिबद्धताएं जून 2024 में बढ़कर 2.14 बिलियन डॉलर हो गईं, जबकि जून 2023 में यह 1.14 बिलियन डॉलर थी। वहीं, इंडिया इंक ने 2024 में विदेशी बॉन्ड से 32,619 करोड़ रुपये जुटाए। साथ ही एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 30,772 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही भारत का कार्ड भुगतान बाजार 2024 में 11.3 प्रतिशत बढ़कर 28.4 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच जाने का भरोसा है। जीसीसी ने 6,667 लीजिंग सौदे पूरे किए, जिससे भारत में 16% की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2024 के लिए लगभग 6 करोड़ नए आईटीआर भरे गए, इसमें से नई कर व्यवस्था के तहत 70 प्रतिशत कर दाता शामिल थे। घरेलू हवाई यातायात के तहत जून में यात्रियों की संख्या 5.76 प्रतिशत बढ़कर 13.2 मिलियन हो गई, जो पिछले साल 12.4 मिलियन थी। वहीं, ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 9 प्रतिशत बढ़कर 6.2 मिलियन यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 5.7 मिलियन यूनिट थी। इसके साथ ही जनवरी-जून अवधि में पोर्शे इंडिया की बिक्री 40 प्रतिशत बढ़ी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने 2024 की पहली छमाही में 7,098 कारों, 3,614 बाइक और 2,000 ईवी की बिक्री के साथ रिकॉर्ड बनाया।

स्टील प्लांट हादसे में चार झुलसे

जगदलपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के नगरनार स्टील प्लांट में आज एक बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें 4 लोग झुलसे और 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। टनल फर्नेस में शॉर्ट सर्किट हुई, जिससे भीषण आग लग गई। यह हादसा तब हुआ जब प्लांट में काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक से शॉर्ट सर्किट के बाद टनल फर्नेस में भयानक आग भड़क गई। इस आग की6 चपेट में 4 लोग झुलस गए, जिनमें से 2 गंभीर बताए जा रहे हैं। आधिकारियों ने बताया कि ब्रेकर मेंटेनेंस का काम किया जा रहा था। तभी जोरदार विस्फोट हो गया। 2 गंभीर कर्मचारियों को रायपुर रेफर किया गया है।

मुर्मु को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर मोदी, बिरला की बधाई

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित किए जाने पर उन्हें बधाई दी है और इसे देश के हर नागरिक के लिए गर्व का अवसर बताया है।

फिजी की यात्रा पर गईं श्रीमती मुर्मु को राजधानी सुवा के स्टेट हाउस में सोमवार को आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने श्रीमती मुर्मु को बधाई देते हुए सोसल मीडिया मंच एक्स पर कहा, द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति जी को बधाई। यह प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह राष्ट्रपति जी के नेतृत्व के साथ-साथ भारत और फिजी के बीच ऐतिहासिक लोगों से लोगों के जुड़ाव की भी मान्यता है।

श्री बिरला ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल आपके असाधारण नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और प्रतिष्ठा को भी दर्शाता है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

भारत के धर्मगुरुओं ने बांग्लादेश में हिंदू समाज की रक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बांग्लादेश में सोमवार को शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद वहां हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमले को लेकर भारत के धर्मगुरुओं ने चिंता व्यक्त की है और पड़ोसी देश के हिंदू समाज की रक्षा सुनिश्चित किए जाने का आग्रह किया है। हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश की बागडोर सेना के हाथ में है। धर्मगुरुओं ने हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने विश्व समुदाय से बंगलादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तथा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। श्री कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारा पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश इस समय अनिश्चितता, हिंसा और अराजकता में फंसा हुआ है। हसीना सरकार के त्यागपत्र और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीन के देश छोड़ने के बाद अन्तरिम सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है। संकट की इस घड़ी मे भारत बांग्लादेश के समस्त समाज के साथ एक मित्र के नाते मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने कहा कि बंगलादेश में पिछले कुछ समय में हिन्दू, सिख तथा अन्य अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और घरों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि कल रात तक अकेले पंचगढ़ जिले में 22 घर, झीनैदाह में 20 घर तथा जैसोर में 22 दुकानों को कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया। कट्टरपंथियों ने कई जिलों

में तो श्मशान तक तोड़ दिए गए। मंदिर और गुरुद्वारों को भी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो, जो इनकी हिंसा तथा आतंक से बचा हो। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी कभी 32 प्रतिशत थी, लेकिन अब 08 फीसदी से भी कम हैं वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं।

योग गुरु स्वामी बाबा रामदेव ने हिन्दुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले को लेकर चिंता जताते हुए कहा,बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों पर किसी भी प्रकार की कोई क्रूरता, अत्याचार, जुल्म, ज़्यादती न हो। पड़ासी देश में हमारे हिंदू भाई जो वहां व्यापार कर रहे हैं या जो हमारे वहां पर हिंदू मंदिर हैं या हमारे भारतीय नागरिक वहां रह रहे हैं उनके साथ किसी प्रकार की कोई नाइंसाफी न हो इसके लिए पूरे देश को एकजुट रहना होगा और पहली बार मुझे यह देख करके प्रसन्नता हुई कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है और यही भारत की नीति होनी चाहिए नहीं तो जिस तरह से पुरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरवाद बढ़ रहा है और वह भारत के पड़ोस में जिस तरह से उसने दस्तक दे दी है वह देश के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। हमारी इसी तरह की एकजुटता आगे भी लेनी चाहिए।

ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बांग्लादेश में कल तख्तापलट के बाद हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। शंकराचार्य ने कहा, हमें बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में सूचित किया गया है। देश सेना शासन के अधीन है। हम उम्मीद करते हैं कि सेना नागरिकों की सुरक्षा का अपना कर्तव्य अवश्य निभायेगी। बांग्लादेश में लगभग 10 प्रतिशत हिन्दू रहते हैं। उनकी सुरक्षा की जरूरत है, इसलिये हम सेना से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करना चाहेंगे। गौरतलब है कि बंगलादेश में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी तनाव और प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को देश छोड़कर भारत में शरण ली। सुश्री हसीना के अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ देश छोड़ने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास गणभवन पर धावा बोल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मालेगांव विस्फोट के आरोपी कुलकर्णी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार समीर कुलकर्णी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और अरविंद कुमार की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कुलकर्णी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा कि वह बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। उच्च न्यायालय ने आरोपी कुलकर्णी की याचिका खारिज कर दी थी।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में एक मोटरसाइकिल से बंधे बम फटने से छह लोग मारे गए थे और लगभग 100 लोग घायल हो गए थे। शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष ने गैरकानूनी गतिविधि

(रोकथाम) यूएपीए की धारा 45(2) के तहत मंजूरी नहीं ली है। उन्होंने दलील दी कि इस पृष्ठभूमि में यूएपीए के तहत आरोप कायम नहीं रह सकते। उन्होंने दावा किया कि यूएपीए के तहत केंद्र सरकार से एनआईए द्वारा अभियोजन के लिए मंजूरी नहीं मिली थी। श्री दीवान ने तर्क दिया कि जब मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईएनए) को सौंपा गया, तो केंद्र द्वारा अनुमति ली जानी चाहिए थी। इस पर पीठ ने कहा, हमें निर्णय (उच्च न्यायालय के) में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला।

न्यायालय ने अप्रैल में विशेष अदालत के समक्ष कुलकर्णी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। कुलकर्णी ने दलील दी कि उनका मुख्य मामला यह है कि राज्य सरकार या केंद्र सरकार से अभियोजन के लिए कोई वैध पूर्व अनुमति नहीं होने के कारण मुकदमा आगे नहीं बढ़ सकता। उन्हें साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित सहित नौ अन्य लोगों के साथ उसी वर्ष विस्फोट की साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी कुलकर्णी ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के 28 जून 2023 के आदेश की सत्यता को चुनौती दी, जिसमें मुंबई की विशेष अदालत के 20 अप्रैल 2023 के आदेश को बरकरार रखा गया था। एनआईए ने दावा किया कि वर्तमान याचिका याचिकाकर्ता द्वारा कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है, क्योंकि मुकदमा का निपटारा होने वाला है।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में दो अभियुक्तों को मिली जमानत

पटना, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न पत्र लीक मामले में जेल में बंद दो अभियुक्तों को मंगलवार को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी रिंकू की अदालत में याचिका दाखिल कर इस मामले के जेल में बंद अभियुक्त बिट्टू कुमार और रीना कुमारी की ओर से उन्हें मुक्त किए जाने की प्रार्थना की गई थी। दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों अभियुक्तों को दस-दस हजार रुपये के दो जमानतदारों के साथ इसी राशि का बंध पत्र दाखिल करने पर जमानत पर मुक्त किए जाने का आदेश दिया। सीबीआई ने 01 अगस्त 2024 को दाखिल किए गए अपने आरोप पत्र में इन दोनों अभियुक्तों को आरोपित नहीं किया है। सीबीआई द्वारा 13 अभियुक्तों के खिलाफ

दाखिल किए गए आरोप पत्र संज्ञान के बिंदु पर सुनवाई 09 अगस्त 2024 को होगी।

गौरतलब है कि 05 मई 2024 को पूरे देश में नीट 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के दौरान गड़बड़ी करने के आरोप में पटना के शास्त्री नगर थाना प्रभारी अमर कुमार ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया और शास्त्री नगर थाना कांड संख्या 358/2024 के रूप में एक प्राथमिकी दर्ज की। बाद में मामला आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। उसके बाद प्रश्न पत्र लीक होने का मामला उजागर हुआ और केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई 23 जून 2024 को अपनी प्राथमिकी आरसी 224/2024 के रूप में भारतीय दंड विधान की धारा 120बी, 406, 407, 408 और 409 के तहत दर्ज करने के बाद अनुसंधान कर रही है। अदालत में यह मामला आरसी 6ई/2024 के रूप में दर्ज है। इस मामले में अभी तक 42 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से 41 अभियुक्त न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं और एक अभियुक्त सुशांत कुमार मोहंती पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ के लिए सीबीआई की अभिरक्षा में है। सीबीआई इस मामले में 01 जुलाई 2024 को 13 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। अनुसंधान अभी जारी है। आज जिन दो अभियुक्तों को जमानत दी गई है उन्हें बंध पत्र दाखिल करने के बाद जेल से मुक्त कर दिया जायगा।

हिजाब पर बैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जल्द ही करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि मुंबई के एक निजी कॉलेज में विद्यार्थियों के हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी आदि पहनने पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखने के बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कॉलेज के छात्रों के एक समूह द्वारा दायर इस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताते हुए याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता से कहा कि मामले को जल्द ही सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने मामले को अत्यावश्यक बताते हुए शीघ्र सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। अधिवक्ता ने कहा, यूनिट टेस्ट जल्द ही होंगे, कृपया इसे सूचीबद्ध करें। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा, मैंने मामले

की सुनवाई के लिए पहले ही एक पीठ को नियुक्त कर दिया है और इसे आने वाले दिनों में जल्द ही सूचीबद्ध किया जाएगा। विद्यार्थियों ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि ड्रेस कोड मनमाना और भेदभावपूर्ण है। कॉलेज ने ड्रेस कोड लागू करने का आदेश देकर गलत किया है।

उन्होंने कहा, यह कोड उनके परिधान चुनने के अधिकार यानी संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत उनकी निजता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत उनके धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ड्रेस कोड और परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का आदि पर प्रतिबंध उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कोड के अनुसार, विद्यार्थियों की पोशाक औपचारिक और शालीन होनी चाहिए और किसी भी विद्यार्थी के धर्म का खुलासा नहीं करना चाहिए। मुंबई में एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज के अधिकारियों ने अपने विद्यार्थियों को परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी आदि पहनने से रोकने के लिए एक ड्रेस कोड निर्धारित किया है। नौ छात्राओं ने इस ड्रेस कोड को बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जहां न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर राजेश एस पाटिल की पीठ ने 26 जून को याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि ड्रेस कोड का पालन करने का आग्रह कॉलेज परिसर के भीतर है और याचिकाकर्ताओं की पसंद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अन्यथा प्रभावित नहीं होती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है ।
आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़.से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ जरूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 07 अगस्त 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 10:08 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 08:31 तक
योग : परिघ प्रातः 11:40 तक
करण : तैतिल प्रातः 08:58 तक
चन्द्र राशि : सिंह रात्रि 03:15 तक
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मधुश्रवा हरीयाली तीज

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी और हंगामा

कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर छह महीने के लिए निलंबित

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के बजट एवं द्वितीय सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को पूरे दिन सदन की कार्यवाही हंगामेदार रही और सदन की पालना नहीं करने पर कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चतिकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही दिन भर हंगामें के बीच चलने के बाद जब राज्य में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर चर्चा हो रही थी और इसके आखिरी में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सोमवार को अभद्रता के कारण श्री भाकर को इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबत किया गया था लेकिन इसके बावजूद भी वह सदन से बाहर नहीं गए। उन्होंने नियम 292 (3) का ध्यान दिलाते हुए कहा कि निलंबित सदस्य सदन की सीमा का उल्लंघन किया और प्रतिपक्ष ने उसे संरक्षण दिया जो अलोकतांत्रिक एवं अशोभनीय है।

इसके बाद श्री गर्ग ने प्रस्ताव किया कि श्री भाकर का छह महीने के लिए निलंबित किया जाना चाहिए। इस पर अध्यक्ष ने श्री भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया और एक बजकर 52 मिनट पर सदन की कार्यवाही अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी। बुधवार को श्री भाकर को बजट सत्र के शेष अवधि के लिए निलंबित करने के विरोध में कांग्रेस के सदस्यों ने वेल में धरना दिया और रात भी सदन में ही गुजारी और मंगलवार पूर्वाह्न ग्यारह बजे सदन की कार्यवाही शुरु होते ही विपक्ष के सदस्यों ने श्री भाकर को अपने घेरे में रखते हुए हंगामा शुरु कर दिया। इस पर अध्यक्ष देवनानी ने उन्हें अपनी सीट पर जाने और निलंबित सदस्य श्री भाकर को सदन के बाहर जाने के लिए कहा लेकिन श्री भाकर सदन में ही डटे रहे और विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे।

पूरे प्रश्नकाल हंगामे में गुजरा और कांग्रेस के सदस्यों के प्रश्न नहीं उठाने के कारण प्रश्नकाल समय से पहले ही पूरा हो जाने एवं हंगामें के चलते अध्यक्ष ने 11 बजकर 46 मिनट पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही 12 बज 16 मिनट पर फिर शुरु होने पर विपक्ष के सदस्यों ने फिर नारेबाजी कर हंगामा शुरु कर दिया और हंगामें के बीच ही सदन की कार्यवाही चलती रही। श्री देवनानी ने बीच बीच में विपक्ष के सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने और निलंबित सदस्य को बाहर भेजने के लिए कहते रहे लेकिन इसका विपक्ष के सदस्यों पर कोई असर नहीं पड़ा।

विपक्ष के सदस्य पहले तो वेल के पास एकत्रित होकर नारेबाजी एवं हंगामा कर रहे थे लेकिन बाद में एक बजकर 14 मिनट पर वे वेल में आ गए और नारेबाजी कर हंगामा करने लगे। इस पर सभापति अर्जुनलाल जीनगर ने उन्हें वेल में नहीं आने के लिए कहा लेकिन विपक्ष के सदस्यों पर कोई असर नहीं हुआ और हंगामा करते रहे और बाद में वेल में बैठ गए रघुपति राजाराम गाने लगे। इसके थोड़ी देर बाद श्री भाकर भी वेल में आ गए। आज सदन में पूरे दिन श्री भाकर को महिला सदस्यों को आगे रखते हुए विपक्ष के सदस्यों ने घेरकर रखा। इस पर श्री गर्ग ने कहा कि आसन का इकबाल इतना बुलंद हैं कि अध्यक्ष के आसन पर होते हुए विपक्ष के सदस्यों की वेल में आने की हिम्मत नहीं हुई और उनके जाते ही वे वेल में आ गए। इस पर विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए और जोर से हंगामा करने लगे। आपदा की स्थिति पर चर्चा हो रही थी विधायक गोपाल शर्मा बोल रहे थे कि तब उन्होंने कांग्रेस के एक बड़े नेता का नाम लेने पर कांग्रेस सदस्यों ने इस पर जोरदार हंगामा किया और भाजपा के सबसे बड़े नेता का नाम लेते मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इस पर सत्ता पक्ष के लोग भी खड़े हो गए और सदन में शोरगुल बढ़ गया जिससे जोरदार हंगामा हुआ। बाद में श्री गर्ग ने श्री भाकर को निलंबित करने का प्रस्ताव किया और श्री भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर देने के बाद राष्ट्रगान हुआ और श्री देवनानी ने एक बजकर 52 मिनट पर सदन की कार्यवाही अनिश्चितिकाल के लिए स्थगित कर दी।

11 अगस्त को रेवाड़ी में होगी हाफ मैराथन

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला रेवाड़ी में 11 अगस्त को रेवाड़ी हाफ मैराथन का आयोजन किया जायेगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्र नायब सिंह सैनी रिवाड़ी हाफ मैराथन को बतौर मुख्य अतिथि हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उन्होंने बताया कि रेवाड़ी हाफ मैराथन इवेंट को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन, दूसरी श्रेणी में 10 किलोमीटर रन व तीसरी श्रेणी पांच किलोमीटर की रन फॉर फन होगी। इस मैराथन में भाग लेने के लिये ई-मेल रिवाडी हाफ मैराथन डाट कॉम पर पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम विजेताओं को क्रमशः 1.21 लाख, एक लाख, 75 हजार, 51 हजार व 11 हजार रुपये तथा 10 किलोमीटर रन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम विजेताओं को क्रमशः एक लाख, 75 हजार, 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये से पुरस्कृत किया जायेगा।

आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी अन्य राज्यों में करवा सकेंगे उपचार : खींवसर

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों की अन्य राज्यों में उपचार की व्यवस्था आगामी कुछ महीनों में सुनिश्चित कर ली जाएगी और इसके लिए राज्य सरकार द्वारा कदम उठाये जा रहे हैं।

श्री खींवसर शून्यकाल में निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचन्द कृपलानी द्वारा इस सम्बन्ध में लाये गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पांच लाख रुपये एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 25 लाख रुपये तक का कवरेज है। राज्य में 66.37 लाख परिवार प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं लगभग 73 लाख परिवार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में सम्मिलित हैं।

उन्होंने बताया कि उपचार के लिए नेशनल हैल्थ ऑथोरिटी के अंतर्गत 2500 पैकेज व राज्य सरकार के अंतर्गत 1800 से अधिक पैकेज हैं। यह जो अंतर है उसमें कम्पेटिबिलिटी लाने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत आगामी सितम्बर माह से अन्य राज्य का कोई भी व्यक्ति राजस्थान में आकर उपचार करवा सकेगा। जबकि दूसरे चरण में आगामी 3-4 माह के बाद राजस्थान के लोग भी पूरे भारत में योजना के अंतर्गत उपचार करवा पाएंगे। श्री खींवसर ने विश्वास जताया कि वित्त विभाग की अनुमति लेकर शीघ्र ही सॉफ्टवेयर्स की कम्पेटिबिलिटी सुनिश्चित कर ली जाएगी।

300 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को मिली पदोन्नति

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने मंगलवार को अम्बाला पुलिस रेंज के लगभग 300 से ज्यादा भर्ती हुए पुलिस कर्मचारियों को सब-इंस्पेक्टर बनाया है। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री निल विज के प्रयासों से पदोन्त हुए पुलिस प्रतिनिधिमंडल ने उनका लड्डू खिलाते हुए उनका मुंह मीठा करवाया और खुशी का इजहार किया।

श्री विज ने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पदोन्नति नहीं मिलने की वजह से पहले स्टाफ के साथ ज्यादती हो रहीं थी, लेकिन अब सब ठीक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले एक ही तारीख में दो कर्मचारी भर्ती हुए तो अम्बाला रेंज में भर्ती हुआ कर्मचारी हवलदार रह गया जबकि दूसरा गुरुग्राम रेंज वाला सब इंस्पेक्टर बन गया। उन्होंने कहा कि यह जो भिन्नता थी इसको सही करने के लिए उन्होंने अपने कार्यकाल में काफी मेहनत की थी और इसके लिए कई बार फाइलों को ऊपर-नीचे भेजा गया। मगर, आज पुलिस कर्मियों को पदोन्नति मिलने से सभी पुलिस कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

भाजपा सरकार कर कर रही हवाई ऐलान : हुड्डा

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में स्पष्ट हार सामने देख भाजपा इस कदर बौखला गयी है कि उसे कुछ समझ नहीं आ रहा और सरकार की तरफ से लगातार ऐसे हवा-हवाई ऐलान किये जा रहे हैं, जो वो जमीन पर लागू ही नहीं किए जा सकते।

श्री हुड्डा ने ने यहां जारी प्रेस बयान में कहा कि सभी फसलों पर एमएसपी देने का एलान करते हुये हरियाणा की भाजपा सरकार ये तक भूल गयी कि एमएसपी का ऐलान केंद्र सरकार करती है। यह राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने ऐसी 15 फसलों का भी ऐलान कर दिया, जो हरियाणा में होती ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सच्चाई ये है कि केंद्र सरकार ने इस बार के बजट में कहीं एमएसपी गारंटी की बात ही नहीं कहीं, न ही उसके लिये बजट में कोई प्रावधान किया है तो फिर प्रदेश सरकार किस आधार पर ऐसा ऐलान कर रही है?

श्री हुड्डा ने कहा कि अगर भाजपा एमएसपी को लेकर रत्तीभर भी गंभीर है तो केंद्र सरकार को कांग्रेस द्वारा किए गए ऐलान के मुताबिक तुरंत संसद में बिल लाना चाहिये, जिसमें एमएसपी की गारंटी का प्रावधान हो। उन्होंने कहा कि केवल जुबानी जमा खर्च के जरिये किसानों को बरगलाने की कोशिश कामयाब नहीं होने वाली। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किसानों को एमएसपी के लिए तरसाया है। हर बार किसानों को गेहूं, धान, सूरजमुखी, बाजरा, मक्का, सरसों समेत हर फसलों का मूल्य लेने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा। ऐसा कोई सीजन नहीं गया, जिसमें किसानों को धरना प्रदर्शन ना करना पड़ा हो। इसी भाजपा सरकार के दौरान आजाद भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आंदोलन भी किसानों ने किया, जिसमें 750 किसानों को अपनी जान गंवानी पड़ी पर फिर भी भाजपा ने एमएसपी गारंटी की बात नहीं मानी। श्री हुड्डा ने कहा कि अब हरियाणा में दो महीने बाद चुनाव होने हैं। एक महीने बाद आचार संहिता लग जायेगी। अगले एक महीने के भीतर कोई फसल मंडी में नहीं आने वाली है। ऐसे में इस समय भाजपा की तरफ से एमएसपी देने की बात करने का कोई औचित्य ही नहीं बनता।

छबड़ा में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण तत्काल प्रभाव से होंगे सीज : खर्रा

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि छबड़ा में सरकारी जमीन पर मुस्लिम मुसाफिर खाने के अवैध निर्माण के संबंध में नगर पालिका छबड़ा को कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए हैं और यहां निर्मित दुकानों को तत्काल प्रभाव से सीज कर सरकार अपने कब्जे में लेगी।

श्री खर्रा शून्यकाल में छबड़ा विधायक प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा लाये गए ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां एक हॉल एवं बरामदे के साथ 10 दुकानों का निर्माण किया गया है। दुकानों को किराए पर भी दे दिया है। उन्होंने कहा कि इन दुकानों को तत्काल प्रभाव से सीज कर सरकार अपने कब्जे में लेगी तथा अन्य आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवैध निर्माण के सम्बंध में संबंधित जिला कलेक्टर अनियमितता के सभी तथ्यों की जांच कर 10 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर निर्मित हॉल के संबंध में निर्णय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगरपालिका छबड़ा में लगभग नौ हजार वर्ग फीट जमीन पर बिना आवंटन के अतिक्रमण करके निर्माण किया गया। नगर पालिका द्वारा बिना आवंटन तथा बिना स्वीकृति के विधायक कोष से 10 लाख रुपये भी खर्च कर दिए गए।

रेवाड़ी में विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

12 गांवों में 30 करोड़ की लागत से होगी पेयजल आपूर्ति

रेवाड़ी, 06 अगस्त (एजेंसियां)। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल ने मंगलवार को बावल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में आयोजित विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। संबोधित करते हुए मंत्री बनवारी लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर नवाचार और नई-नई पहलों के माध्यम से प्रदेशवासियों की प्रगति सुनिश्चित कर रही है। जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल ने गांव मामडिया आसमपुर एवं प्राणपुरा में करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पीने के पानी के लिए नहरी आधारित जल घर का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत नहर के पास एक पंपिंग स्टेशन का निर्माण, गांव मामडिया आसमपुर व प्राणपुरा में एक-एक जल घर एवं 13380 मीटर विभिन्न आकार की पाइप लाइन का कार्य होगा। इस विकास परियोजना से गांव मामडिया आसमपुर, प्राणपुरा, बवाना गुर्जर, टिंट, हरजीपुर, पाली व चीता डूंगरा आदि गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। इस परियोजना के तहत सभी गांवों में 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से पीने का स्वच्छ जल वितरित किया जाएगा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के एसडीओ कार्यालय भवन का भी उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम थीम के साथ जनस्वास्थ्य मंत्री डा.बनवारी लाल द्वारा पौधरोपण भी किया गया। बनवारी लाल ने कहा कि सरकार की ओर से खेत-खलिहान सड़क योजना के तहत गांवों में यातायात व्यवस्था व कनेक्टिविटी सुचारू की गई है कि ताकि किसानों को अपनी उपज को मंडियों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह किसानों के संघर्ष और उनकी समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं इसलिए वे निरंतर किसानों के कल्याण हेतु सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि किसान कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

पुलिस को चकमा देकर कैदी फरार वार्ड प्रभारी समेत पूरी गार्द निलंबित

कुरुक्षेत्र, 06 अगस्त (एजेंसियां)। एलएनजेपी अस्पताल के कैदी वार्ड से पॉक्सो एक्ट के मामले में 20 साल की सजा काट रहा एक कैदी पुलिस गार्द को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी हैप्पी निवासी गीता कॉलोनी रात करीब एक बजे पेशाब करने का बहाना बनाकर वार्ड से बाहर आया था। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने कैदी वार्ड के प्रभारी समेत पूरी गार्द को निलंबित कर दिया है। वहीं, मामले की जांच डीएसपी अशोक कुमार को सौंप दी है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कैदी हैप्पी को गत माह 10 जुलाई को जिला जेल से डायरिया का इलाज कराने के लिए एलएनजेपी के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया था। रविवार-सोमवार रात करीब एक बजे हैप्पी ने वार्ड में तैनात पुलिस गार्द को पेशाब करने के लिए कहा था। गार्द उसे अस्पताल में वार्ड के साथ ही बने शौचालय में ले गए। इसी दौरान गार्द थोड़ा इधर-उधर हुए आरोपी मौका देखकर अस्पताल से फरार हो गया। कुछ देर बाद हैप्पी शौचालय से बाहर नहीं आया तो गार्द ने शौचालय में जाकर उसे देखा, मगर हैप्पी शौचालय में नहीं था। यह देख पुलिस गार्द में हड़कंप मच गया। उन्होंने पूरे अस्पताल में उसकी तलाश की, मगर आरोपी को कोई अता-पता नहीं चल पाया। उधर, पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

आज मनाई जाएगी हरियाली तीज

पति की दीर्घायु प्राप्ति का पर्व है हरियाली तीज

हरियाली तीज आज, बुधवार दि. 7 अगस्त को मनाई जाएगी। इसे श्रावणी तीज भी कहा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए व्रत करती हैं और भगवान शंकर व माता पार्वती की पूजा करती हैं। कुछ स्थानों पर कुंवारी कन्याएं भी सुयोग्य वर पाने के लिए भी तीज का व्रत करती हैं। हरियाली तीज पर महिलाएं अपनी सखियों के साथ मिलकर पेड़ पर झूला डालती है और सावन के लोकगीत गाकर इस त्योहार की खुशियां मनाती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हरियाली तीज 7 अगस्त को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 06 अगस्त को रात 07:52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अगस्त को रात 10: 05 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 07 अगस्त को हरियाली तीज मनाई जाएगी। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व होता है इसलिए इस दिन हरी साड़ी के साथ हरी चूड़ियां भी पहनने का प्रचलन है। हरियाली तीज का व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस पर्व को नाग पंचमी से दो तिथि पूर्व मनाया जाता है। हरियाली तीज के दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और माता पार्वती के साथ गणेश जी और भगवान शिव की पूजा करती हैं।

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि सनातन धर्म में हर त्योहार का अपना एक विशेष महत्व हैं। इन्हीं त्योहारों में से एक है हरियाली तीज है, जो देशभर में मनाई जाती हैं। हरियाली तीज को श्रावणी तीज के नाम से भी जाना जाता हैं। हरियाली तीज सावन मास का सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। महिलाएं इस दिन का पूरे वर्ष इंतजार करती हैं। हरियाली तीज सौंदर्य और प्रेम का पर्व हैं। यह उत्सव भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता हैं। यह पर्व प्रकृति से जुड़ने का पर्व हैं। हरियाली तीज का जब पर्व आता है तो हर तरफ हरियाली छा जाती हैं। पेड़ पौधे उजले उजले नजर आने लगते हैं। हरियाली तीज का पर्व श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता हैं। हरियाली तीज या श्रावणी तीज, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को कहते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 06 अगस्त को रात 07:52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अगस्त को रात 10: 05 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 07 अगस्त को हरियाली तीज मनाई जाएगी। हरियाली तीज का व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, यह वह दिन है जब देवी ने शिव की तपस्या में 107 जन्म बिताने के बाद पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इस व्रत को रखने से स्त्री के पति को लंबी उम्र का वरदान मिलता है। ये व्रत महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद करता है। यह व्रत श्रद्धालु को मानसिक विकारों से निजात दिलाता है।

हिन्दू धर्म के सभी व्रतों में हरियाली तीज के व्रत को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इस व्रत को मुख्य रूप से पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। ऐसी मान्यता यह है कि तीज का दिन भगवान शिव और माँ पार्वती की उपासना करने के लिए श्रेष्ठ होता है। इस दिन शिव जी और माँ पार्वती के पूजन से सुहागिन महिलाओं को अपने पति की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हरियाली तीज पर सुहागिन स्त्रियाँ सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन महिलाओं को मायके से आने वाले वस्त्र ही धारण करने चाहिए, साथ ही मायके से आई हुई शृंगार की वस्तुओं का ही प्रयोग करना चाहिए। यह सब हरियाली तीज की परंपरा है। तीज के त्यौहार को साल में तीन बार मनाया जाता है जो इस प्रकार है: हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज।

हरियाली तीज परम्पराएं

सावन के माह में आने वाले त्यौहारों को नवविवाहित स्त्रियों के लिए अत्यंत विशेष माना गया है। हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को ससुराल से मायके बुलाया जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पूर्व सिंजारा मनाने की परम्परा है। इस दिन ससुराल पक्ष से नवविवाहित स्त्रियों को वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई आदि भेजी जाती है। इस तीज के अवसर पर मेहंदी लगाना अत्यधिक शुभ माना जाता है। महिलाएं और युवतियां अपने हाथों पर मेहंदी लगाती हैं, साथ ही हरियाली तीज पर पैरों में आलता भी लगाया जाता है। यह सुहागिन महिलाओं की सुहाग की निशानी मानी गई है। हरियाली तीज के दिन सुहागिन स्त्रियां अपनी सास के पैर छूकर उन्हें सुहागी देती हैं। अगर सास नहीं हो तो सुहागा जेठानी या किसी अन्य वृद्धा को दिया जा सकता है। इस अवसर पर महिलाएं श्रृंगार और नए वस्त्र पहनकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां पार्वती की पूजा करती हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं खेत या बाग में झूले झूलती हैं और लोक गीत पर नृत्य करती हैं।

पूजा विधि

शिव पुराण में हरियाली तीज का वर्णन करते हुए कहा गया है कि इस दिन भगवान शिव और माँ पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था इसलिए इस व्रत की विवाहित स्त्रियों के लिए बड़ी महिमा है। इस दिन महिलाएं महादेव और माता पार्वती के लिए व्रत एवं उनका पूजा-अर्चना करती हैं। हरियाली तीज के दिन साफ-सफाई करके घर को तोरण और मंडप से सजाएं। एक चौकी पर मिट्टी में गंगाजल मिलाकर शिवलिंग, श्री गणेश, माँ पार्वती और उनकी सखियों की प्रतिमा का निर्माण करें। सभी देवी-देवताओं की मिट्टी की प्रतिमा बनाने के उपरांत सुहाग की समस्त सामग्री को एक थाली में एकत्रित करें और माता पार्वती को अर्पित करें। माँ पार्वती के बाद भगवान शंकर को वस्त्र अर्पण करें। इसके बाद देवताओं का ध्यान करते हुए षोडशोपचार पूजन करें। अंत में हरियाली तीज की कथा सुननी या पढ़नी चाहिए। हरियाली तीज व्रत की पूजा पूरी रात चलती है। इस दौरान महिलाओं द्वारा जागरण और कीर्तन भी किये जाते हैं।

महत्व

हरियाली तीज को भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माँ पार्वती ने भगवान शंकर को अपने पति के रूप में प्राप्त करने के लिए 108 जन्मों तक कठोर तप किया था। इस कठोर तप के बाद भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। ऐसा भी कहा जाता है कि ये हरियाली तीज के दिन अर्थात श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हुआ था। उस समय से ही श्रावण माह की तृतीया के दिन भगवान शिव और माता पार्वती सुहागिन स्त्रियों को अपना आशीष प्रदान करते हैं। यही वजह है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती के पूजन से सुहागिन स्त्रियों को सौभाग्यपूर्ण जीवन और उनके पतियों को लंबी आयु की प्राप्ति होती है। हरियाली तीज के दिन कुंवारी कन्याएं मनोवांछित वर की प्राप्ति के लिए व्रत करती है, वहीं सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत किया जाता है।

ऐसे मिला था देवी पार्वती को तप का फल

भोलेनाथ कहते हैं कि हे पार्वती! इस शुक्ल पक्ष की तृतीया को तुमने मेरी आर-ाधना करके जो व्रत किया था। उसी के परिणाम स्वरूप हम दोनों का विवाह संभव हो सका। इस व्रत का महत्व यह है कि इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने वाली प्रत्येक स्त्री को मैं मन वांछित फल देता हूं। भोलेनाथ ने पार्वती जी से कहा कि जो भी स्त्री इस व्रत को पूरी श्रद्धा और निष्ठा से करेगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगी। मान्यता है कि इस कथा को जो भी स्त्री पढ़ती या सुनती है वह अखंड सौभाग्यवती होती है।

हरियाली तीज व्रत कथा

हरियाली तीज उत्सव को भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस कड़ी तपस्या से माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया। कथा के अनुसार माता गौरी ने पार्वती के रूप में हिमालय के घर पुनर्जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। एक दिन नारद जी पहुंचे और हिमालय से कहा कि पार्वती के तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उनसे विवाह करना चाहते हैं। यह सुन हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। दूसरी ओर नारद मुनि विष्णुजी के पास पहुंच गये और कहा कि हिमालय ने अपनी पुत्री पार्वती का विवाह आपसे कराने का निश्चय किया है। इस पर विष्णुजी ने भी सहमति दे दी।

नारद इसके बाद माता पार्वती के पास पहुंच गए और बताया कि पिता हिमालय ने उनका विवाह विष्णु से तय कर दिया है। यह सुन पार्वती बहुत निराश हुईं और पिता से नजरें बचाकर सखियों के साथ एक एकांत स्थान पर चली गईं। घने और सुनसान जंगल में पहुंचकर माता पार्वती ने एक बार फिर तप शुरू किया। उन्होंने रेत से शिवलिंग का निर्माण किया और उपवास करते हुए पूजन शुरू किया। भगवान शिव इस तप से प्रसन्न हुए और मनोकामना पूरी करने का वचन दिया। इस बीच माता पार्वती के पिता पर्वतराज हिमालय भी वहां पहुंच गये। वह सत्य बात जानकर माता पार्वती की शादी भगवान शिव से कराने के लिए राजी हो गये। शिव इस कथा में बताते हैं कि बाद में विधि-विधान के साथ उनका पार्वती के साथ विवाह हुआ। शिव कहते हैं, 'हे पार्वती! तुमने जो कठोर व्रत किया था उसी के फलस्वरूप हमारा विवाह हो सका। इस व्रत को निष्ठा से करने वाली स्त्री को मैं मनवांछित फल देता हूं।

हिंडोला उत्सव में भक्ति करती है अनूठा नृत्य

बांकेबिहारी मन्दिर एवं सप्त देवालयों समेत वृन्दावन के मन्दिरों में युगल सरकार का झूलनोत्सव सात अगस्त से शुरू हो रहा है। इसे हिंडोला उत्सव भी कहा जाता है।

बांकेबिहारी मन्दिर में यह झूलनोत्सव केवल एक दिन का होता है, वहीं अधिकांश मन्दिरों में यह उत्सव एक पखवारे तक चलेगा। वैसे द्वारकाधीश मन्दिर समेत ब्रज के कई मन्दिरों में झूलनोत्सव की शुरूवात श्रावण मास के प्रारंभ होते ही हो गई थी जो रक्षाबंधन तक चलेगा। हिंडोला एक प्रकार का झूला है जिसमें युगल सरकार झूलते हैं। झूला कहीं पर भी डाला जाता है लेकिन हिंडोला केवल मन्दिरों में ही डाला जाता है। बांकेबिहारी मन्दिर का हिंडोला यद्यपि सात दशक से अधिक समय पहले बनाया गया था लेकिन सोने चांदी से निर्मित यह भव्य हिंडोला देखने से ऐसा लगता है जैसे इसे आज ही बनाया गया हो। यह हिंडोला अपने पीछे एक इतिहास समेटे हुए है।

बांकेबिहारी मन्दिर के सेवायत आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि यह हिंडोला विशाल होने के कारण कई टुकड़ों में बनाया गया है तथा इन टुकड़ों को मिलाकर हिंडोला तैयार होता है।

उन्होंने बताया कि लगभग 125 किलो सोना और एक हजार किलो चांदी से बनाये गए इस हिंडोले में लगभग सवा सौ से अधिक टुकड़े हैं जिन्हे जोड़कर हिंडोला तैयार होता है। इसके लिए आवश्यक शीशम, सागौन की लकड़ी नेपाल के टनकपुर से आई थी। इस हिंडोले का निर्माण सन 1942 में शुरू हुआ था तथा 1947 में यह बनकर तैयार हुआ था।

सेवायत आचार्य ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को हरियाली अमावस्या के दिन पहली बार बिहारी जी महराज ने इस हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए थे। हिंडोले में चार सखियां ललिता, विशाखा, चित्रा एवं रंगदेवी भी बिहारी जी महराज की सेवा में रहती है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बनारस (वर्तमान में वाराणासी) के 20 कारीगरों ने इसको बनाने का काम शुरू किया था। इस हिंडोले को बनाने का निर्देशन कारीगर छोटेलाल एवं ललनभाई ने किया था तथा हिंडोला पांच साल में बनकर तैयार हुआ था। उस समय इसकी लागत करीब 25 लाख रूपए आई थी तथा इसमें प्रमुख योगदान हरगूलाल सेठ का था किंतु अन्य गोस्वामियों ने भी इसमें सहयोग किया था। पहले इस हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन केवल शाम को ही होते थें मगर 2015-16 के उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद अब हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन सुबह से शाम तक होते है।

हिंडोले के पीछे ठाकुर के लिए स्वर्णरजत निर्मित शयन शैया सजाकर रखी जाती है और पास में ही श्रंगार की सामग्री (श्रंगार पिटारी में) रखी जाती है तथां रजत आइना रखा जाता है। बिहारी जी जब थक जाते हैं तो शैया में विश्राम करते हैं और जब फिर भक्तों को दर्शन देते हैं तो श्रंगार सामग्री का उपयोग करते हैं।इस दिन बिहारी जी महराज हरे रंग की बेशकीमती जड़ाऊ पोशाक तथा रत्न जड़ित आभूषण धारण करते हैं तथा घेवर फैनी का विशेष भोग लगता है।

इसी दिन से वृन्दावन के प्राचीन सप्त देवालयों समेत अन्य मन्दिरों में भी हिंडोला उत्सव शुरू होता है। राधारमण मन्दिर का हिंडोला उत्सव एक प्रकार से वृन्दावन की सांस्कृतिक धरोहर हैं। मन्दिर के सेवायत आचार्य दिनेश चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि इस दिन न केवल ठाकुर को हरे रंग की पोशाक और आभूषण धारण कराए जाते हैं बल्कि मन्दिर का पूरा परिसर हरीतिमामय हो जाता है।उन्होंने बताया कि मन्दिर में होनेवाली सात आरतियों में उत्सव आरती दर्शनीय होती है।इस दिन सिंधाड़ा का भोग लगता है जिसमें घेवर, फैनी, पकवान आदि होते हैं।मन्दिर इस दिन शुचिता का नमूना बन जाता है।

मदनमोहन मन्दिर के सेवायत आचार्य विजय किशोर गोस्वामी ने बताया कि चांदी के हिंडोले में मदनमोहन जी हरियाली तीज से 15 दिन तक विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते हैं।युगल सरकार के चरण दर्शन रक्षाबंधन के दिन होंगे।उन्होंने बताया कि हिंडोले में मदनमोहन जी, राधारानी, सखियां ललिता और बिशाखा साथ साथ विराजमान होकर झूलते हैं। रंग जी मन्दिर यद्यपि दक्षिण भारत शैली पर बना है तथा यहां के त्योहार ही दक्षिण में मनाए जानेवाले त्योहार की तरह होते हैं किंतु झूलनोंत्सव में इस मन्दिर में चांदी का हिंडोला डाला जाता है जो हरियाली तीज से 13 दिन तक पड़ता है।

हरियाली तीज से ही हिंडोला उत्सव राधा दामोदर मन्दिर, राधा श्यामसुन्दर मन्दिर, गोपीनाथ मन्दिर, गोविन्ददेव मन्दिर तथा राधा बल्लभ मन्दिर में विशेष प्रकार से मनाया जाता है। हर मन्दिर की अपनी निराली परंपरा है। इसी दिन से व्रज के अन्य भागों कें अधिकांश मन्दिरों में हिंडोला उत्सव शुरू हो जाता है।कुल मिलाकर हरियाली तीज पर व्रज के मन्दिरों की सजावट व कार्यक्रम नई नवेली दुल्हन की तरह दर्शनीय होती हैं।

शिव जी ने कैसे पार्वती के लिए सावन में बनाया झूला

जानें पौराणिक कथा

सावन का महीना आते ही माता पार्वती ने भगवान शिव से झूला बनाने की इच्छा जताई । शिव जी ने तपस्या में लीन होने के कारण माता की बातों पर ध्यान नहीं दिया, जिससे माता पार्वती नाराज हो गईं। इसके बाद कैसे भगवान शिव ने माता पार्वती को प्रसन्न किया, उनके लिए अपने हाथों से कैसे झूला बनाया और उन्हें झुलाया ये पौराणिक कथा बेहद रोचक है। अगर आप हर साल सावन के महीने में झूला झूलते हैं और ये नहीं जानते की इसकी शुरुआत कैसे हुई तो आपको ये कहानी आपको बेहद रोचक लगेगी।

सावन का महीना आ चुका था। माता पार्वती भगवान शिव से पिछले कुछ दिनों से झूला झूलने के लिए कह रही थी। पर शिव जी अपनी तपस्या मिली थी इसलिए उस समय उन्होंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। इससे माता पार्वती नाराज हो गई और उन्होंने शिव जी से बात करनी बंद कर दी, तभी नंदी भगवान शिव के पास आए। प्रभु माता आपकी कितने चिंता करती हैं हमेशा आपका ख्याल रखती हैं, आपकी हर इच्छा को पूरा करने की पूरी चेष्टा करती हैं, पर मैं कुछ दिनों से देख रहा हूं शायद माता की नाराजगी इसी कारण हैं कि आपने उनके लिए सावन का झूला नहीं बनाया। शिवजी को अपनी भूल जैसे ही समझ आयी उन्होंने अपने सभी गणों को बुलाया और उन्हें झूला बनाने के लिए सामग्री लाने के लिए निर्देश दिया।

कुछ ही समय में कैलाश पर्वत के उपवन में एक बहुत ही सुंदर फूलों से सजा झूला बनकर तैयार हो गया। वो झूला जिसे भगवान शिव ने स्वयं अपने हाथों से बनाया। जैसे ही माता पार्वती उठकर आयी तो उपवन की ओर देखा और सोचा कि आज ये सारे शिवगढ़ वहां उपवन में क्या कर रहे हैं।

महादेव तो इस समय तपस्या में लीन होने चले जाते हैं पर आज तो ये अपने शिवगणों के साथ मस्ती कर रहे हैं। उन्होंने जैसे ही उपवन में प्रवेश किया तो अपने सामने एक बहुत सुंदर फूलों और वृक्ष की लताओं से सजा हुआ झूला देखा। माँ पार्वती की खुशी का ठिकाना नहीं था। माता पार्वती झूले पर बैठी और भगवान शिव ने उन्हें झूला झुलाया।

द राजा साब में प्रभास के साथ काम करेंगी मालविका मोहनन

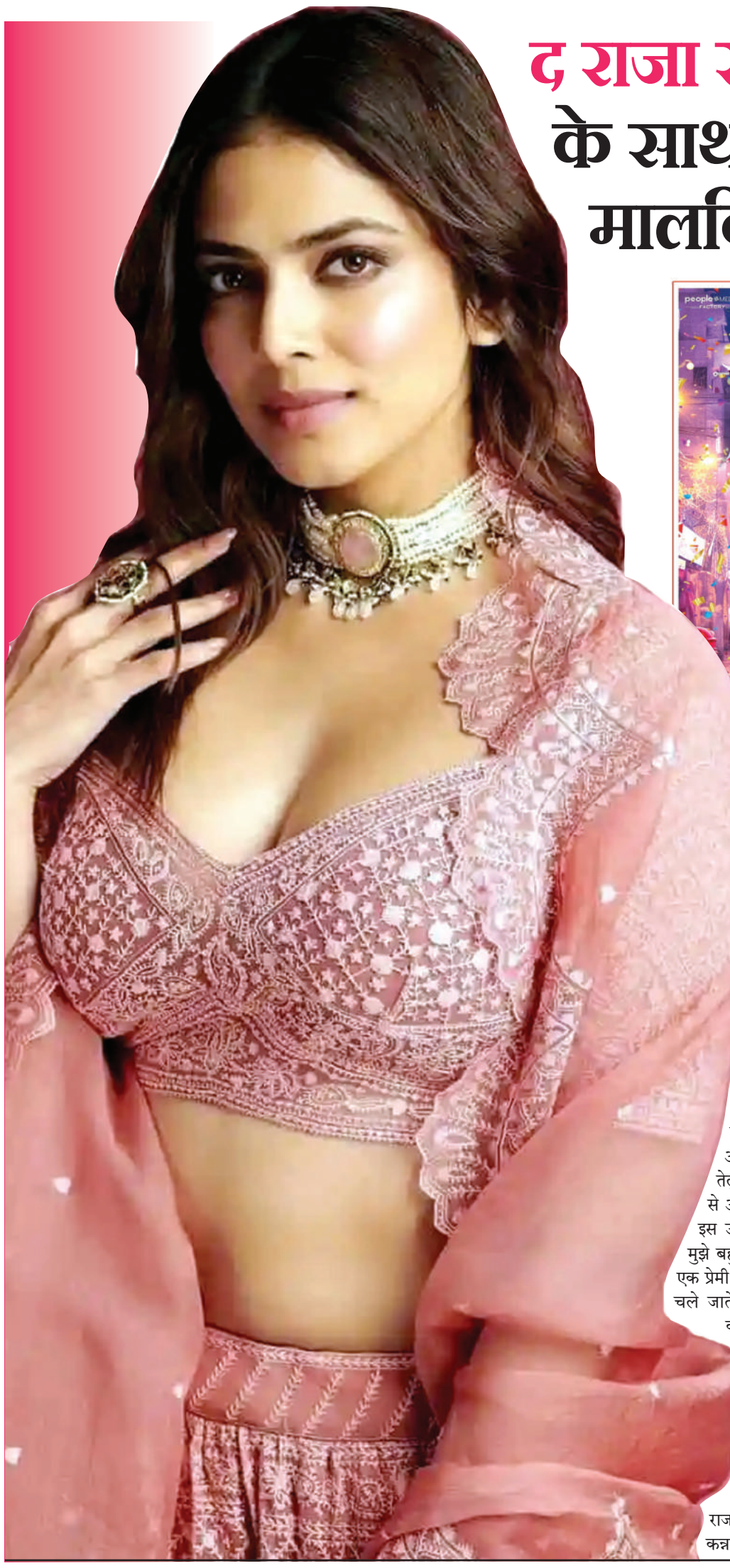

अभिनेत्री मालविका मोहनन फिल्म द राजा साब में सुपरस्टार प्रभास के साथ काम करती नजर आयेंगी। अपनी आगामी फिल्म थंगालन के प्रचार के दौरान, मालविका ने उल्लेख किया कि द राजा साब ने उन्हें अपनी कलात्मक क्षमता का पता लगाने और अपने कौशल को पूरी तरह से प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने प्रभास के साथ काम करने के अवसर के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

फिल्म द राजा साब को मारुति द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। मालविका ने कहा,प्रभास सर के साथ एक फिल्म में ऐसा किरदार मिलना... मैं एक शानदार किरदार के लिए बहुत आभारी हूं। यह 'थंगालान' से बहुत अलग है, बिल्कुल विपरीत। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आप मेरा वह रूप देखें। मारुति सर बहुत अच्छी महिला किरदार लिखते हैं।हम सभी जानते हैं कि तेलुगु फिल्म उद्योग अभी सबसे बड़ा है, और यह बॉलीवुड से आगे निकल गया है। यह एक अलग स्तर पर है, और मैं इस उद्योग में धमाकेदार तरीके से प्रवेश करना चाहती थी। मुझे बहुत सी बड़ी हीरो वाली फ़िल्में मिल रही थीं, जहां आप एक प्रेमी की भूमिका निभाते हैं, कुछ दृश्यों में दिखाई देते हैं और चले जाते हैं। लेकिन मैं ऐसी फ़िल्में चाहती थी जो मुझे एक कलाकार के रूप में खुद को साबित करने का मौका दे। और मुझे वह मौका तभी मिलेगा जब मैं किसी ऐसे निर्देशक के साथ काम करूं जो मुझसे यह सब करवा सके। पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, द राजा साब में निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, वरलक्ष्मी सरथकुमार, जीशु सेनगुप्ता, ब्रह्मानंदम, योगी बाबू और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत प्रशंसित एसएस थमन द्वारा तैयार किया जा रहा है। द राजा साब 10 अप्रैल, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

फिल्म देवरा: पार्ट 1 का दूसरा सिंगल 'धीरे धीरे' रिलीज

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म देवरा: पार्ट 1 का दूसरा सिंगल 'धीरे धीरे' रिलीज हो गया है।

'धीरे-धीरे' गाना में जान्हवी कपूर के किरदार थंगम को दिखाया गया है, जो एनटीआर जूनियर द्वारा निभाए गए प्रतिपक्षी के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करती है। इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीतबद्ध किया है तथा प्रतिभाशाली कौसर मुनीर ने इसके बोल लिखे हैं, जो प्रेम के सार को खूबसूरती से व्यक्त करते हैं। बोस्को मार्टिस ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है।'धीरे-धीरे' को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में शिल्पा राव ने गाया है, जबकि तमिल वर्जन दीप्ति सुरेश ने गाया है।

देवरा: पार्ट 1, 27 सितंबर, 2024 को रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित और युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित, नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत है। एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर के साथ इस फिल्म में सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिका में हैं।

शरवरी ने फिल्म 'वेदा' के लिए लिए बॉक्सिंग सीखी

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी ने अपनी आने वाली फिल्म वेदा के लिये बॉक्सिंग सीखी है। शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म वेदा को लेकर चर्चा में हैं,जिसमें वह एक्शन सुपरस्टार जॉन अब्राहम के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।शरवरी ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि उन्होंने फिल्म वेदा में अपनी भूमिका को प्रामाणिक रूप से निभाने के लिए बॉक्सिंग सीखी। उन्होंने लिखा, वेदा के लिए बीस्ट मोड ऑन! वेदा बनने के लिए बॉक्सिंग सीखी... अब मैं एक मजबूत मुक्का मारने के लिए तैयार हूँ या फिर किसी भी कठोर पिटाई को सहन करने के लिए।

शरवरी का अपने एक्शन कौशल को परिपूर्ण करने का समर्पण उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि वह अपनी आगामी परियोजना 'अल्फा' के लिए भी तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जो अपने हाई-ऑक्टेन एक्शन और रोचक कहानी के लिए जाना जाता है। शरवरी का उनका करियर तेजी से उभर रहा है और वह भारत की अगली बड़ी एक्शन स्टार बनने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

स्त्री 2 का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार फिल्म स्त्री 2 का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज हो गया है। फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।इस फिल्म का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज कर दिया गया है। यह एक रोमांटिक नंबर है, जिसमें राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के बीच दमदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

गाने के लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।शिल्पा राव, बर वरुण जैन,और सचिन जिगर ने इसे अपनी मधुर आवाज से सजाया है। गाने में सचिन-जिगर का म्यूजिक है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, 15 अगस्त को रिलीज होगी।

किंग ने मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर के साथ बेंगलुरु में मचाई धूम

जानेमाने रैपर-सिंगर किंग ने बेंगलुरु में अपने 'मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर' के साथ धूम मचा दी।

बेंगलुरु में किंग के प्रदर्शन को हमेशा से ही जबरदस्त प्यार मिला है।यह कॉन्सर्ट किंग के लिए एक असाधारण अनुभव था, क्योंकि प्रशंसकों ने उनके नवीनतम एल्बम 'मोनोपॉली मूव्स' के हिट गानों की धूम मचा दी। 'मिसफिट', 'प्यार हमारा', 'फक व्हाट दे से' और 'साजा' जैसे गाने तुरंत ही लोगों के दिलों में बस गए।

इस टूर की शुरुआत पिछले सप्ताह दिल्ली में एक स्टार-स्टडेड शो के साथ हुई जिसमें भारत के रैप के दिग्गज बादशाह, इक्का, कर्मा, रागा, अभिजय शर्मा, ग्रेविटी, एमसी हेम, सिकंदर कहलों और यशराज के साथ-साथ निर्माता भार्ग और उकाटो ने किंग के साथ मिलकर अविस्मरणीय प्रदर्शन और सहयोग की एक रात का आनंद लिया। 'मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर' देहरादून, अहमदाबाद, इंदौर, कोलकाता और हैदराबाद से होते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा, जिसका समापन 31 अगस्त को मुंबई में एक भव्य समापन समारोह में होगा।

नीरज व्यास ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स को कहा अलविदा

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने घोषणा की है कि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, सोनी सब, पल, और सोनी मैक्स मूवी क्लस्टर के बिजनेस हेड, नीरज व्यास, 31 अगस्त 2024 से कंपनी छोड़ रहे हैं।

लगभग तीन दशकों के शानदार करियर के बाद, नीरज व्यास ने एक नया उद्यमशीलता का सफर शुरू करने का निर्णय लिया है।नीरज व्यास ने एसपीएनआई में कई महत्वपूर्ण व्यवसायों को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है, जिनमें प्रमुख जनरल एंटरटेनमेंट चैनल (जीईसी) सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, सोनी सब, सोनी पाल, और हिंदी मूवी क्लस्टर शामिल हैं। उनकी यात्रा एसपीएनआई के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन (सेट) के लिए बिक्री में शुरू हुई, और वे 2005 में चैनल के नेशनल सेल्स हेड के पद पर तेजी से पदोन्नत हुए। पांच वर्षों के भीतर, उन्हें सोनी मिक्स, नेटवर्क के हिंदी म्यूजिक चैनल, के लिए एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसीडेंट नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने उत्कृष्ट नेतृत्व और रणनीतिक दृष्टि का प्रदर्शन किया। वर्ष 2011 में, नीरज ने सोनी मैक्स की जिम्मेदारी संभाली, उसके बाद 2017 में सोनी सब और सोनी पाल, और 2023 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की भी जिम्मेदारी संभाली। उनके मार्गदर्शन में, सोनी सब को एक प्रीमियम एंटरटेनमेंट ब्रांड के रूप में पुनर्स्थापित किया गया, जिसमें एक नई प्रोग्रामिंग लाइन-अप और सामग्री रणनीति के माध्यम से महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की गई। उनके नेतृत्व ने उद्योग में कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना दिया है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के एमडी एन.पी. सिंह ने कहा,नीरज व्यास की सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ यात्रा अद्वितीय रही है। उनका दृष्टिकोण और नेतृत्व हमारे एंटरटेनमेंट चैनलों को बाजार के नेताओं में बदलने में महत्वपूर्ण रहा है। नीरज में दर्शकों की नब्ज को समझने और ऐसे कंटेंट को बनाने की अद्भुत क्षमता है जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ता है। व्यक्तिगत स्तर पर, नीरज का उत्कृष्टता के प्रति जुनून और उनकी नवाचारी सोच ने हमेशा उनके आसपास के लोगों को प्रेरित किया है।

उनका जाना हमारे लिए एक युग के अंत का प्रतीक है, लेकिन हम उनके नए उपक्रमों के बारे में उत्साहित हैं। नीरज एक सफलता की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं, और हम उनके उद्यमशीलता की यात्रा के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

योगी सरकार का एक और बड़ा फैसला

बिना विवाद हो सकेगा विरासती सम्पत्ति का बंटवारा

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

मात्र 5,000 रुपए के स्टाम्प शुल्क के साथ अपनी अचल सम्पत्ति को रक्तसंबंधियों के नाम करने की बड़ी सहूलियत देने के बाद उत्तर प्रदेश में अब पारिवारिक विभाजन और व्यवस्थापन में भी बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल सम्पत्ति के बंटवारे तथा जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी सम्पत्ति को अपने परिवारी जनों के नाम किए जाने पर देय स्टाम्प शुल्क भी 5,000 रुपए तय किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्रायः परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती है और कोर्ट केस भी होते हैं। न्यूनतम स्टाम्प शुल्क होने से परिवार के बीच सेटलमेंट आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा आम आदमी के ईज़ ऑफ़ लिविंग के लिए अनेक प्रयास

किए गए हैं। सम्पत्ति विभाजन और व्यवस्थापना प्रक्रिया में सरलीकरण से लोगों को और सुविधा होगी।

विभाजन विलेख में सभी पक्षकार विभाजित सम्पत्ति में संयुक्त हिस्सेदार होते हैं एवं विभाजन उनके मध्य होता है। विभाजन विलेख में प्रस्तावित छूट एक ही मृतक व्यक्ति के समस्त लीनियल डीसेंडेंट्स, जो सहस्वामी हों, को आच्छादित करेगी अर्थात यदि दादा की मूल सम्पत्ति में वर्तमान जीवित हिस्सेदार चाचा/भतीजा / भतीजी हैं, तो वह इसका उपयोग कर सकते हैं। व्यवस्थापन विलेख में व्यवस्थापन कर्ता पक्षकार (जीवित) अपनी व्यापक सम्पत्ति को कई पक्षकारों के मध्य निस्तारित करता है। व्यवस्थापन विलेख में प्रस्तावित छूट के अधीन व्यवस्थापन कर्ता पक्षकार अपने समस्त लीनियल डीसेंडेंट्स/डीसेंडेंट्स, जो किसी भी पीढ़ी के हों, के पक्ष में व्यवस्थापन कर सकता है। अर्थात सम्पत्ति यदि परदादा परदादी जीवित हों, तो उनके पक्ष में, एवं यदि प्रपौत्र/प्रपौत्री जीवित हों, तो उनके पक्ष में भी किया जा सकता है।

योगी सरकार के इस फैसले के बाद अब बिना विवाद पीढ़ियों की सम्पत्ति का आसानी से बंटवारा हो सकेगा। खुद के जीवित रहते अपनी अचल सम्पत्ति को परिवारीजनों को देने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाजन और व्यवस्थापन के लिए नई व्यवस्था शीघ्र लागू होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल सम्पत्ति के बंटवारे और जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी सम्पत्ति को अपने परिजनों के नाम किए जाने पर देय स्टाम्प शुल्क भी 5,000 रुपए तय किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्रायः परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती है और कोर्ट केस भी होते हैं।

न्यूनतम स्टाम्प शुल्क होने से परिवार के बीच सेटलमेंट आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा आम आदमी के ईज ऑफ लिविंग के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। सम्पत्ति विभाजन और व्यवस्थापना प्रक्रिया में सरलीकरण से लोगों को और सुविधा होगी।

अयोध्या बलात्कार कांड

बलात्कारी सपा नेता का गुर्गा सीतापुर का

अयोध्या/सीतापुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म के तार सीतापुर से जुड़ते ही लहरपुर का मूड़ीखेड़ा गांव पूरे प्रदेश में चर्चा में आ गया है। जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर लहरपुर-सीतापुर मुख्य मार्ग से गनेशपुर मोड़ आता है, जहां से पक्के रास्ते पर तीन किलोमीटर आगे बढ़ने पर मूड़ीखेडा गांव की सीमा शुरू होती है। गांव के अंदर तंग खड़ंजा मार्ग पर तीसरा घर राजू खान का है। यह वही राजू है जिस पर अयोध्या में नाबालिग संग दुष्कर्म का आरोप है। घटना से राजू के जुड़ाव की जानकारी होने पर ग्रामीण शर्मिंदा हैं। वह कहते हैं कि यह बुरा हुआ।

राजू ने अपनी करतूत से पूरे गांव को कलंकित कर दिया। मूड़ीखेड़ा गांव में सोमवार को सन्नाटा था। ग्रामीणों से जब अयोध्या दुष्कर्म कांड पर चर्चा की तो उन्होंने सिर झुका लिया। राजू खान के संबंध में पहले तो कोई बात करने के लिए तैयार नहीं हुआ। बड़ी मुश्किल से रियाज खान ने बताया कि अखबार पढ़कर मामले की जानकारी हुई। घटना के कुछ दिन बाद ही राजू गांव आया था। कुछ देर रुकने के बाद चला गया। इसके बाद बोले, ऐसे घिनौने इंसान के बारे में बात नहीं करना चाहता। रेहान ने बताया कि घटना के बाद राजू लहरपुर कस्बे में रह रहा था। बाद में पता चला कि पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। ग्रामीणों के अनुसार राजू लहरपुर कस्बा क्षेत्र के ठठेरी टोला में छिपा था। ग्रामीण मतीन खान ने बताया कि राजू कभी कभार ही गांव आता था। उसे देख कभी नहीं लगा कि कुछ ऐसा कर सकता है।

राजू खान के परिजन मूड़ीखेड़ा गांव में ही रह रहे हैं। सभी मजदूरी करते हैं। राजू के पांच भाई और चार बहनें हैं। परिवार के पास बस एक बीघा जमीन है, जिसकी देखभाल बड़ा भाई शादाब करता है। पिता अयाज खान 58 वर्ष के हैं। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी वह घर से बाहर नहीं आए। ग्रामीणों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद से वह किसी से बातचीत नहीं कर रहे हैं। वहीं, घर की महिलाओं ने अंदर से ही उनके कहीं बाहर जाने की बात बताई।

मूड़ीखेड़ा निवासी अल्ताफ खान ने बताया कि राजू के परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय है। कच्चे बरामदे पर छप्पर पड़ा है। मकान पक्का बना है, लेकिन प्लास्टर नहीं है। परिवार के लोग मजदूरी कर खर्च चलाते हैं। करीब चार वर्ष पूर्व राजू साथियों के साथ अयोध्या चला गया था। वहीं, सपा नेता की बेकरी में काम करने लगा। कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर भदरसा कांड की पीड़िता से मिलकर उसका हाल जाना। पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा जांच के बाद दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ने कहा हम लोगों की संवेदना पीड़िता के साथ है। सरकार को पीड़िता के लिए उपयुक्त चिकित्सीय प्रबंध करना चाहिए। इस मुद्दे को राजनीतिक रंग न देकर न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेकर बालिका के समुचित सुरक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए।

एक मंडल एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना साकार

अब एक जिला एक विश्वविद्यालय का लक्ष्य: योगी

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 07 वर्षों में सतत प्रयासों से प्रदेश में एक मंडल-एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी हो चुकी है। सभी 18 मंडलों में विश्वविद्यालयों की स्थापना हो चुकी है। कई मंडलों में निर्माण कार्य जारी है। मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला-एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए। वर्तमान में 35 जनपदों में विश्वविद्यालय की उपलब्धता है, शेष असेवित जिलों में विश्वविद्यालयों के लिए निजी क्षेत्र बड़ा सहयोगी बन सकता है। उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह हमारे उद्देश्यों की पूर्ति में पूरक भूमिका निभा सकते हैं।

प्रदेश में उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए, निजी निवेश उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के सरकारी प्रयासों में सहायक हो सकता है। इससे छात्रों के लिए उपलब्ध संस्थानों, पाठ्यक्रमों और सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, साथ ही यह शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों में भी सहायता मिलेगी। भारत के सबसे युवा राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा में एक विशेष स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश, जिसकी औसत आयु 21 वर्ष है, जो 2030 तक बढ़कर 26 वर्ष हो जाएगी और भारत की युवा आबादी में इसका योगदान 16.5% होगा। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की ग्रास एनरोलमेंट रेट (जीईआर) 25.6% है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 2035 तक 50% तक बढ़ाना आवशयक है। निजी निवेश प्रोत्साहन नीति इस अंतर की पूरा सकती है।

योगी ने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी निवेश वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। अन्य राज्यों की सम्बंधित नीति का अध्ययन करें। स्टेकहोल्डर्स से संवाद करें और यथाशीघ्र उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति तैयार कर प्रस्तुत करें। नई नीति में निवेशकों को स्टाम्प ड्यूटी में छूट, कैपिटल सब्सिडी आदि प्रोत्साहन को यथोचित स्थान दें। नई नीति में आकांक्षात्मक जनपदों में विश्वविद्यालयों की स्थापना पर अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान होना चाहिए। इसे प्राथमिकता दें। इसी प्रकार, विश्व की टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों के कैम्पस के प्रस्ताव पर भी विशेष प्रोत्साहन प्रावधान रखें।

भारत ग्रामीण संवाद का चौथे संस्करण

महिला किसानों को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण: ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारत ग्रामीण संवाद के चौथे संस्करण ने कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में समावेश को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया, ताकि किसानों की बाहरी तत्वों पर निर्भरता कम हो सके और उत्तर प्रदेश में आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिल सके। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यबल की विविधता को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिससे प्रभावी और स्थायी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस संवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर एक सत्र था, जिसकी शुरुआत ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा की गई प्रमुख भाषण से हुई। उन्होंने जोर दिया, हम सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने और ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निकट भविष्य में, उत्तर प्रदेश से प्रशिक्षित नर्सें पूरे देश में सेवाएं प्रदान करेंगी। नए विचार महत्वपूर्ण हैं और हमारी सरकार भारत ग्रामीण संवाद में प्राप्त नवोन्मेषी सुझावों पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पैनल ने स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सामुदायिक आधारित मॉडलों को एक रणनीति के रूप में उजागर किया और इस बात पर जोर दिया कि विकास के लाभ को ग्रामीण उत्तर प्रदेश के सभी कोनों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है, जिससे एक अधिक समावेशी और समृद्ध राज्य अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त हो सके।

फ्लरिशिंग ग्रामीण उत्तर प्रदेश: एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियां शीर्षक वाले सत्र की अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने की। इस सत्र ने कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को सृजनशील बनाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा, सरकार सड़कें, बिजलीकरण, सिंचाई, उर्वरक आदि जैसे कृषि-संबंधित सुविधाओं में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है, लेकिन चुनौती यह है कि कृषि में अधिक निजी क्षेत्र के

निवेश को आकर्षित किया जाए, ताकि ठंडी श्रृंखला सुविधाएं और बायबैक व्यवस्थाएं बनाई जा सकें, कृषि हानियों को कम किया जा सके और किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके।

पैनल ने कृषि में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की आवश्यकता, सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने, और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने पर भी चर्चा की। आवश्यक नीतिगत सुधार महिलाओं किसान की भलाई को और समर्थन प्रदान करेंगे और विकास को बढ़ावा देंगे। सत्र में फ्लिपकार्ट ग्रुप के सस्टेनेबिलिटी हेड निशांत गुप्ता और वॉलमार्ट के सोशल और एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट सलाहकार ने भी अपने विचार साझा किए, जिन्होंने उल्लेख किया कि महिलाओं को एफपीओ में संगठित करना मशीनीकरण और मूल्य वर्धन की व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है, जिससे अंततः कृषि आय बढ़ती है। संसाधनों तक पहुंच और उन पर नियंत्रण मजबूत मूल्य श्रृंखलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। सत्र का समापन कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक उपायों की अपील के साथ हुआ, उनके राज्य की आर्थिक वृद्धि और व्यापक विकासात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हुए।

वर्कफोर्स डाइवर्सिफिकेशन: फ्लरिशिंग यूपी के लिए अनिवार्य शीर्षक वाले एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यबल की विविधता को बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। पैनल ने कार्यबल भागीदारी को बढ़ाने के लिए नवाचारी रणनीतियों को उजागर किया, विशेष रूप से उन समूहों के बीच जो कम प्रतिनिधित्व वाले हैं, जो राज्य में व्यापक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। चर्चा को समृद्ध करते हुए, एसआईडीबीआई के जनरल मैनेजर मनीष सिन्हा ने कार्यबल में समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उद्यमियों को आदर्श स्थिति का इंतजार नहीं करना चाहिए उन्हें अब काम शुरू करना चाहिए। परिस्थितियां समानांतर रूप से सुधरेंगी।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव के कार्यालय के साथ साझेदारी में, एक पब्लिक पॉलिसी इन एक्शन फेलोशिप 11 पहचाने गए जिलों के लिए भी शुरू की गई, जिसमें टीआरआई के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की डायरेक्टर पिंकी जोएल का समर्थन प्राप्त है। फेलोशिप के पहले चरण में, 11 पहचाने गए जिलों में तैनात पेशेवरों को, संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की देखरेख में, आयोजन में नियुक्ति पत्र दिए गए। वे स्थानीय विभागों के साथ मिलकर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यक्रमों के तहत प्रगति में सुधार के लिए आवश्यक रणनीतिक समर्थन प्रदान करेंगे, विशेष रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में।

गौरव मिश्रा, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स, ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के अनुसार, 2021 में इसकी शुरुआत के बाद से, भारत ग्रामीण संवाद एक प्रमुख मंच बन गया है जो ग्रामीण विकास के आसपास बातचीत और सहयोगी चर्चाओं के लिए है। यह एक ऐसा मंच है जहां वास्तविक, क्रियात्मक विचार सामने आते हैं, जो समृद्ध ग्रामीण समुदायों के निर्माण में बहुत दूर तक जाता है। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) द्वारा आयोजित भारत ग्रामीण संवाद 2024 का चौथा संस्करण, 1-8 अगस्त तक दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण पुनर्जागरण को प्रेरित करना है। भारत ग्रामीण संवाद नागरिक समाज, सरकार और व्यापार के विविध स्वरूपों को एकत्र करता है ताकि ग्रामीण विकास के लिए विचारों और क्रियात्मक समाधानों को प्रेरित किया जा सके। अगस्त क्रांति सप्ताह के दौरान आयोजित, यह संवाद भारत की सबसे बड़ी जन संचालित आंदोलन की परिवर्तन और क्रिया की भावना को प्रतिध्वनित करता है। पैनल चर्चाओं, बहसों, फायरसाइड चैट्स और गोलमेज बैठकों के माध्यम से, भारत ग्रामीण संवाद का चौथा संस्करण जलवायु स्थिरता, स्वास्थ्य और पोषण, युवाओं की रोजगार, माइक्रो एंटरप्राइजेज, कृषि समृद्धि, लिंग समावेशिता, और स्थानीय शासन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका उद्देश्य एक समृद्ध ग्रामीण भारत का निर्माण करना है।

राष्ट्रपति को फिजी के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया जाना गौरव का क्षण: योगी

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को फिजी के सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किए जाने पर खुशी का इजहार करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें यह सम्मान फिजी के राष्ट्रपति ने प्रदान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को फिजी के सर्वोच्च सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से विभूषित किया जाना भारत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होने लिखा यह सम्मान दोनों देशों के बीच अटूट ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है, जो विश्व में शांति, सहयोग व सद्भावना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। माननीय राष्ट्रपति का हार्दिक अभिनंदन और देश वासियों को बधाई।

मथुरा में कृष्ण जन्मोत्सव भव्यता से मनाने के निर्देश

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मथुरा जिला प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव समारोह पूरी आस्था एवं अलौकिक ढंग से मनाया जाए।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी के दिन देश दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त जन्मोत्सव को देखने के लिए आते हैं। इसलिए कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, आवागमन मार्ग, विद्युत, साफ-सफाई, पेयजल, लाइटिंग एवं शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस फोर्स के साथ ही आवागमन एवं निकासी के लिए सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मंत्री ने कहा कि जन्मोत्सव का आयोजन दिव्य, भव्य एवं अलौकिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतो का सुझाव है कि रक्षाबंधन से लेकर नन्दोत्सव तक 09 दिवसीय पर्व मनाया जाए। इसके साथ ही सभी घरों, मंदिरों एवं आश्रमों में आयोजन किया जाए।

अयोध्या पहुंचे योगी ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री मंगलवार शाम रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। उन्होने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि में चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। योगी ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन

हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। दर्शन-पूजन के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

पेरिस ओलंपिक : अमेरिकी महिला तैराक कैटी ने लारिसा के रिकार्ड की बराबरी की

अब तक ओलंपिक में जीत चुकी हैं 9 स्वर्ण पदक

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की महिला तैराक स्वीमर कैटी लेडेकी ने पेरिस ओलंपिक खेलों में दो स्वर्ण जीतकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कैटी के अब ओलंपिक में 9 स्वर्ण हो गये हैं। इसके साथ ही उन्होंने ओलंपिक के महिला वर्ग में सबसे अधिक 9 स्वर्ण जीतने के लारिसा लातयनीना के रिकॉर्ड की बराबरी की है। लारिसा ने साल 1956 और 1960 के ओलंपिक में तब के सोवियत संघ की ओर से जिमनास्टिक में 9 स्वर्ण जीते थे। वहीं कैटी ने साल 2012 से अब तक के अपने ओलंपिक केरियर में 9 स्वर्ण सहित कुल 14 पदक जीते हैं। इसी के साथ ही कैटी अपने ही हमवतन माइकल फेल्प्स व मार्क स्पिट्ज जैसे तैराकों के क्लब में शामिल हो गयी है।

फ़ेल्प्स के बाद चार ओलंपिक में एक ही इवेंट में स्वर्ण जीतने वाली कैटी दूसरी तैराक है। उसने 2012 के लंदन ओलंपिक में 800 मीटर महिला फ्रीस्टाइल इवेंट में भी स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2016 के रियो, 2020 के टोक्यो और 2024 के पेरिस ओलंपिक में भी उसे स्वर्ण मिला था। पेरिस ओलंपिक में कैटी ने 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में स्वर्ण, 4 गुणा 200 फ्रीस्टाइल में रजत और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक तैराकी में अब तक कैटी से ज्यादा पदक अमेरिका के ही फेल्प्स के नाम हैं। फेल्प्स ने 23 स्वर्ण सहित 28 पदक जीते हैं। ने ही जीते हैं। अमेरिका के मेल स्वीमर मार्क स्पिट्ज और सी ड्रेसल ने भी ओलंपिक तैराकी इवेंट में 9 स्वर्ण जीते हैं। स्पिट्ज ने 11 और ड्रेसल ने 10 मेडल जीते हैं.

कैटी अब 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक में भी उतरेंगी। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के पहले कहा था, 'अपने देश में होने वाले ओलंपिक में उतरने का मौका खास होता है. इस समय मैं निश्चित रूप से 2028 के ओलंपिक में भाग लेने के बारे में सोच रही हूं। भले ही मैं रिले इवेंट में भाग लूं, लेकिन ऐसा करना चाहती हूं।'

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता में बंगाल के श्रीजीत ने जीते तीन पदक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के श्रीजीत पाल ने 4-5 अगस्त 2024 को थिम्फू, भूटान में आयोजित *द्वितीय दक्षिण एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता* में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। श्रीजीत पाल ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में कई दक्षिण एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने-अपने देशों के लिए पदक जीते। श्रीजीत पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे भारत को गर्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने लाठी खेल के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। यह प्रतियोगिता भूटान की राजधानी थिम्फू में आयोजित की गई थी, जहां विभिन्न आयु और वजन वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्रीजीत पाल ने अपने अद्वितीय कौशल और धैर्य से स्वर्ण और रजत पदक जीते, जिससे उनकी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण मिला है। श्रीजीत पाल की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। इस सफलता के बाद लोगों को उम्मीद है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करते रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के नए बल्लेबाजी कोच बने इमरान खान

केप टाउन। पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है,ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफ्रीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन,केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल है। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे।
इमरान ने कहा कि मैं केजेडएन क्रिकेट यूनियन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। इस यूनियन के लिए कोचिंग करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही है।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली बीमार, चलने में भी हो रही परेशानी

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रहे विनोद कांबली का एक ऐसा वीडियो आया है जिसमें वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कांबली एक बाइक के पास खड़े हैं। वे कुछ सेकंड वहां खड़े रहते हैं। फिर अचानक लड़खड़ाने से लगते हैं। इस पर वहां खड़ा व्यक्ति उन्हें सहारा देता है। कुछ और लोग सहारे के लिए आगे बढ़ते हैं। इसके बाद दो व्यक्ति कांबली को सहारा देकर वहां तक पहुंचाते हैं, जहां उन्हें जाना होता है। अब इस पर लोगों की अलग-अलग तरीके की प्रतिक्रिया आयी है। कई लोगों का मानना है कि कांबली काफी बीमार हैं जबकि कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने काफी शराब पी हुई है, इसी कारण वह नशे के कारण चल नहीं चल पा रहे। एक व्यक्ति ने लिखा कि कांबली को देखकर यह नहीं लग रहा कि वे नशे हैं। हां, वे बीमार हो सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक भाला फेंक प्रतियोगिता

नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे।

पहले ग्रुप में भारत के हाथ नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले

ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

विनेश फोगाट फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली 06 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने (50 किग्रा श्रेणी) सेमीफाइनल मुकाबले में क्यूबा की युसनेलिस गुज़मैन को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है । अगर वह फाइनल मुकाबले को जीत जाती है तो भारत के खाते में एक गोल्ड मेडल पक्का आ जाएगा. विनेश ने सेमीफाइनल में युसनेलिस गुजमैन को 5-0 से हराया। फाइनल में वह यूएस की सारा हिल्डेब्रांट से भिड़ेगी।पहले डेढ़ मिनट में दोनों खिलाड़ी ने अपना भरपूर जोर लगाया लेकिन एक दूसरे के खिलाफ एक भी प्वाइंट दर्ज नहीं कर सके । इसके बाद भारत की विनेश फोगाट ने 1 अंक दर्ज किया और पहले राउंड में 1 प्वाइंट से बढ़त बनाई।दूसरे राउंड में विनेश फोगाट ने शानदार परफॉर्म करते हुए 2 प्वाइंट दर्ज किए. इस तरह उन्होंने फिर से 2 अंक दर्ज किए. जिसके बाद उन्होंने 5-0 से बढ़त बनाई. आखिरी के जब 37 सेकेंड बचे तो विनेश 5-0 से आगे थी। आखिरी के 30 सेकेंड में क्यूबा की रेसलर ने भरपूर जोर लगाया। लेकिन वह एक भी प्वाइंट दर्ज नहीं कर सकी। इस तरह विनेश ने मैच जीत लिया. पहलवानी में वह साक्षी मलिक के बाद ओलंपिक मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला पहलवान बन जाएंगी।

निशा दहिया को जानबूझकर कोरियाई खिलाड़ी ने घायल किया : राष्ट्रीय कोच

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के राष्ट्रीय कोच वीरेंद्र दहिया ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान निशा दहिया को साजिश कर घायल किया गया है। इसी कारण निशा क्वार्टर फाइनल मैच हार गईं। कोच के अनुसार निशा एक समय क्वार्टर फाइनल में विरोधी उत्तर कोरियाई खिलाड़ी से 8-2 से आगे चल रही थी। इसके बाद जब उसे चोट लगी तो मांगने पर भी चिकित्सा सहायता नहीं दी गयी। इसी कारण वह अंतिम क्षणों में मुकाबला हार गई। कोच दहिया ने कहा, ''उसे जानबूझकर चोटिल किया गया। हमने देखा था कि कलाई के जोड़ के पास उस पर हमला बोला गया। इसी कारण उसके हाथ से पदक निकल गया। '' कोच ने कहा, ''जिस तरह से निशा ने शुरुआत की थी, पदक उसको मिलना था पर उसे धोखेबाजी कर छीन लिया गया। निशा रक्षण और जवाबी हमले दोनों में बेहतर थी उसने एशियाई क्वालीफायर में पहले भी इस पहलवान को हराया था।''

पहले दौर में ही निशा ने उत्तर कोरिया की सोल गम पर बढ़त बना ली थी। वहीं दूसरे दौर में जब वह उतरी तो अंक लेकर बढ़त को और बड़ा कर लिया। इसी दौरान वह चोटिल हो गई उस समय वह 8-2 से आगे चल रही थी। तब उन्होंने चिकित्सा सहायता की अपील की पर नहीं मिली। ऐसे में भयंकर दर्द के बाद भी वह मैदान पर जमी रही।

सीए के सीईओ निक हॉकले ने की अपना पद छोड़ने की घोषणा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने घोषणा की है कि वह आगामी सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। पिछले 13 वर्षों से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जुड़े हॉकले ने जून 2020 में सीए के अंतरिम सीईओ के रूप में पद संभाला था। इसके 11 महीने बाद स्थायी सीईओ बनाए गए थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में हॉकले ने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। हालांकि एक ब्लॉकबस्टर ग्रीष्मकाल के वादे के बाद और हमारी पांच साल की रणनीतिक योजना अच्छी तरह से आगे बढ़ी है, यह सही समय है कि मैं आगे बढ़ूं और नई चुनौती लूं। बोर्ड के पास अपने अगले सीईओ को खोजने के लिए पर्याप्त समय है ताकि वर्तमान में मौजूद मजबूत नींव पर काम किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि निक ने बोर्ड को सलाह दी थी कि सीईओ के रूप में उनकी अगली ग्रीष्म ऋतु अंतिम होगी। बेयर्ड ने कहा कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान अभूतपूर्व चुनौती के दौर में खेल को संभाला और महत्वपूर्ण विकास और स्थिरता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि निक कहते हैं, उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाने का समय होगा। बेयर्ड ने कहा कि निक के निर्णय का समय बोर्ड को एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने की अनुमति देता है और हम शीघ्र ही उनके उत्तराधिकारी को खोजने और नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हॉकले के मार्च 2025 के अंत तक पद छोड़ने की उम्मीद है या संभवत: उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया के आधार पर बाद में भी पद छोड़ सकते हैं।

उपलब्धियों से भरा कार्यकाल- हॉकले को जून 2020 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था और फिर ग्यारह महीने बाद स्थायी सीईओ बनाया गया। उनके कार्यकाल के दौरान महिला और पुरुष दोनों टीमों ने टी20 और वनडे वर्ल्ड कप जीता और पुरुष टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की भी विजेता बनी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 1988 के बाद 2022 (24 वर्षों बाद) में पहली बार पाकिस्तान का दौरा किया। हॉकले 2012 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़े थे।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में खेलेंगे दिनेश कार्तिक, पार्ल रॉयल्स के साथ किया करार

दिनेश कार्तिक साउथ अफ्रीका की टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे

केपटाउन, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर व बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अगले साल साउथ अफ्रीकी टी20 लीग (एसए20) में खेलेंगे। रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स ने मंगलवार को सीजन-3 के लिए अपने सबसे नए विदेशी खिलाड़ी के रूप में दिग्गज भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को शामिल करने की घोषणा की है। कार्तिक साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे।

हाल ही में 39 वर्षीय बल्लेबाज कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन 2024 के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब उन्होंने साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलने का फैसला किया है। कार्तिक का फ्रेंचाइजी में स्वागत

करते हुए रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा कि दिनेश ने सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए अच्छा खेलें हैं। उनका समृद्ध अनुभव सीज़न 3 के लिए हमारी टीम को मजबूत बनाने में योगदान देगा। वह जिस तरह से खेल के प्रति अपना दृष्टिकोण रखते हैं, उसके कारण वह हमेशा लीगों में प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित हुए हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक अनुबंध है और हम उनके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कार्तिक ने क्रिकेट में वापसी और एसए20 में खेलने पर कहा कि मेरे पास दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर मेरे सामने आया, तो मैं मना नहीं कर सका, क्योंकि क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा। उन्होंने कहा कि भले ही मुझे आईपीएल में रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका न मिला, लेकिन मैं पार्ल रॉयल्स टीम में शामिल होकर बहुत खुश हूं, जिसमें बहुत अनुभव, गुणवत्ता और क्षमता है। मैं निश्चित रूप से समूह में शामिल होने और एक रोमांचक सीजन में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

कार्तिक का आईपीएल करियर कई टीमों के साथ लंबा और शानदार रहा है, लेकिन उन्होंने कभी राजस्थान रॉयल्स के लिए नहीं खेला। कार्तिक सफेद गेंद के क्रिकेट में एक फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। उनका भारतीय टीम के लिए एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 26 टेस्ट मैच, 94 वनडे और 60 टी20 मैच खेले हैं। बल्लेबाज ने टेस्ट मैचों में 1025 रन, वनडे फॉर्मेट में 73.24 की स्ट्राइक रेट और 30.21 की औसत से 1752 रन और टी20 मैचों में 142.62 की स्ट्राइक रेट और 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने 257 आईपीएल मैचों में 135.36 के स्ट्राइक और 26.32 की औसत से 4842 रन बनाए हैं। ओवरऑल कार्तिक ने टी20 प्रारूप में विभिन्न टीमों से खेलते हुए 401 मैचों में 136.96 की स्ट्राइक रेट से 7407 रन बनाए हैं।

आज तीसरा वन-डे जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी।

सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था।

उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 प्लेयर

भारत - शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका - पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे

संपादकीय

आपदा में खड़ा हिमाचल

यहां बादल का फटना एडवाइजरी बन जाता है, क्योंकि हम आपात की स्थिति में ही तैनात हैं। गुरुवार के दिन बादल, बरसात और बाढ़ बता रही थी कि इस विपदा की घड़ी में कौन मौजूद है। कल का दिन मुआयना कर गया कि हम किस दौर के राहत काल में हैं। हमने राहत के पहरुआ बने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सरोकार देखे, सरकार का व्यवहार और प्रशासन का कदमताल देखा। दिल्ली से आती हुई घंटियां मुख्यमंत्री कार्यालय के फोन ने सुनीं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाकायदा जायजा लिया स्थिति का, तो राहुल गांधी ने सरकार को तुजुर्बा दिया। चिंताओं से ग्रस्त जगत प्रकाश नड्डा की पावती आई, तो कहीं बीच में चंबा का दौरा छोड़ मंत्री विक्रमादित्य सिंह बाढग़्रस्त दुरुह क्षेत्रों की ओर निकल गए। गुजरती बाढ़ से ही संवेदना का आगमन कष्ट देख रहा है, सिसकियां सुन रहा है और कहीं व्यक्तिगत योगदान के नए मुहावरे गढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच जिनके फोन आते हैं-खत नहीं आते, क्या कहें। आश्चर्य है कि आपदा में खड़ा हिमाचल अपनी ही एक सांसद से गुजारिश कर रहा है कि इस वक्त राज्य उनके लायक नहीं है। उनके पांव में छाले न पड़ जाएं, कहीं रुह कांप न जाए और कहीं उन्हें मालूम न हो जाए कि पहाड़ किस तरह ऐसे हादसों से रू-ब-रू होता है। मोहतरमा कंगना रनौत की निजी जिंदगी के आराम बतौर सांसद, जनप्रतिनिधित्व के दायित्व को हराम कर सकते हैं, यह वह खुद सोशल मीडिया को बता रही हैं। इस तरह वह हिमाचल की पीड़ा को निम्र स्तर पर पहुंचाती हुई कहती हैं कि उन्हें सलाह मिली है कि आपदाग्रस्त संसदीय क्षेत्र में फिलवक्त न आएं। कोई बात नहीं, हम खुद ही खुद को दुरुस्त करते हैं, ताकि एक सांसद के सामने लाल कालीन बिछा कर स्वागत कर सकें। मंडी की सांसद का बयान उनकी साफगोई की वजह से उन्हें निर्दोष करार दे सकता है, लेकिन लापता हुए लोगों-तैरती हुई लाशों व गुम होते रिश्तों का भी कोई दोष नहीं। दोष तो हिमाचल सरकार का न पिछले साल था और न ही इस साल है। दोष पिछले साल बरसात से हुई दस हजार करोड़ के नुकसान या इतनी राहत राशि मांग कर हिमाचल का नहीं था। हम नहीं चाहते कि कंगना को बतौर सांसद हिमाचल आने में कोई दिक्कत हो, लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि वह प्रदेश के हक में जुबान खोलें। हम पिछले साल और इस साल हुए नुकसान का अनुमान बना कर उन्हें भेज दें, वह कृपया राहत दिलाकर आजादी का एहसास और एहसान कराएं। बहरहाल अब सवाल हर सांसद से भी है कि पिछली राहत की टांगें क्यों टूटीं और इस बार बात फोन से आगे राहत की जुबां में होनी चाहिए। ऊंचे संबोधनों की कोई लागत नहीं होती, लेकिन जमीं पर चलने के लिए खून खर्चीला हो गया। गुमसुम है माहौल क्योंकि, साहब को यकीं नहीं है। इन बादलों का पता हो सकता है किसी को मालूम नहीं, लेकिन जमीन को मालूम है कि उसने खुद को खोया कितना है। हम आपदा को महोत्सव बना कर नहीं खेल सकते और दर्द को केवल उछाल नहीं सकते। मरहम लगाने के लिए हाथ खोलने और राहत का स्पर्श देने के लिए कदम उठाने पड़ेंगे। हिमाचल से लोकसभा व राज्यसभा के समस्त भाजपा सांसदों का फर्ज यह नहीं कि राज्य का हालचाल पूछने के लिए मुख्यमंत्री को केवल फोन कर दें, बल्कि आपदा की सूचना प्रधानमंत्री तक पहुंचानी है। आखिर संसदीय क्षेत्र में भी प्रदेश का दर्द जब बहता है, तो दायित्व की राष्ट्रीय संवेदना को ही एहसास होना चाहिए। अब राहत का पैकेज जिस दिल, क्षमता और संवेदना से चाहिए, वह दिल्ली को बताना पड़ेगा जहां हिमाचल के प्रतिनिधि ये सांसद हैं।

हमने राहत के पहरुआ बने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सरोकार देखे, सरकार का व्यवहार और प्रशासन का कदमताल देखा। दिल्ली से आती हुई घंटियां मुख्यमंत्री कार्यालय के फोन ने सुनीं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाकायदा जायजा लिया स्थिति का, तो राहुल गांधी ने सरकार को तुजुर्बा दिया। चिंताओं से ग्रस्त जगत प्रकाश नड्डा की पावती आई, तो कहीं बीच में चंबा का दौरा छोड़ मंत्री विक्रमादित्य सिंह बाढग़्रस्त दुरुह क्षेत्रों की ओर निकल गए। गुजरती बाढ़ से ही संवेदना का आगमन कष्ट देख रहा है, सिसकियां सुन रहा है और कहीं व्यक्तिगत योगदान के नए मुहावरे गढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच जिनके फोन आते हैं-खत नहीं आते, क्या कहें। आश्चर्य है कि आपदा में खड़ा हिमाचल अपनी ही एक सांसद से गुजारिश कर रहा है कि इस वक्त राज्य उनके लायक नहीं है। उनके पांव में छाले न पड़ जाएं, कहीं रुह कांप न जाए और कहीं उन्हें मालूम न हो जाए कि पहाड़ किस तरह ऐसे हादसों से रू-ब-रू होता है। मोहतरमा कंगना रनौत की निजी जिंदगी के आराम बतौर सांसद, जनप्रतिनिधित्व के दायित्व को हराम कर सकते हैं, यह वह खुद सोशल मीडिया को बता रही हैं।

चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

ललित गर्ग

न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-

व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पडेग़ी। आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है।

दृष्टि कोण

सारे पहाड़ी भारत में भूस्खलन का खतरा

इसरो द्वारा गत वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और दक्षिण में केरल को दूसरे नम्बर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। मानचित्र में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिये संवेदनशील बताये गये थे। उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और वायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था।

वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देख चुके थे। अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाई की प्रातः सामने आ गयी। अगर वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी करते रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों का इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। नवीनतम वर्ष 2021 की रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति सघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाये गये हैं। नवीनतम रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाये तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गये।

वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गये और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है, इसीलिये हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिये अधिक संवेदनशील माना गया है। केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16,959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति सघन, 7,212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7,212 वर्ग किमी खुले वन हैं। वनों का ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है।

वायनाड का नवीनतम भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिये प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिये मानवीय कारण भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल के नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त, 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।

केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय राडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है।

कुछ अलग

आरक्षण के उप-वर्गीकरण

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में ही आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। आरक्षण में उप-वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। यह अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। बहरहाल वह अधिकार यथावत रहेगा, लेकिन एससी और एसटी अपने आरक्षण के कोटे में, दबी-कुचली, पिछड़ी, विपन्न जातियों का, उप-वर्गीकरण कर सकेंगे। फिलहाल दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशः 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे? संविधान-निर्माता बाबा अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा। बहरहाल संविधान पीठ ने कहा है कि सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति जरूर तैयार करनी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए। ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपए सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग विपन्न कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे भारतीय भी हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। बहरहाल फैसले के जोखिम भी सामने आने लगे हैं। पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी। केंद्र सरकार में ही एनडीए की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव न हो और वे कमजोर न पड़ें। चूंकि इसे राज्य लागू कर सकेंगे, लिहाजा यह सवाल मौजू है कि कब तक यह निर्णय लागू किया जा सकेगा। एससी-एसटी की गणना उपलब्ध है, लिहाजा जातीय जनगणना अनिवार्य नहीं है। राज्य सरकारें विशेषज्ञ-पैनल बना सकती हैं। वे शोध और डाटा के जरिए बताएंगे कि कौनसी जाति सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ी है और उन्हें आरक्षण के दायरे में लाना बहुत जरूरी है। पीठ ने 2004 में 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र' वाले मामले में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार पर कानून बनाने में लापरवाही

देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडऩे वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था।

विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून बनाने में नाकाम रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को लेकर याचिका को स्वीकार कर लिया है। देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडऩे वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गुट को भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा बताया था। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि विपक्षी नेता नोटों के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। झारखंड और बंगाल में ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं। वे दिल्ली की जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि राजनीति में बदलाव के लिए आए लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। पीएम ने कहा था कि शराब घोटाला हो या नेशनल हेराल्ड घोटाला, भ्रष्टाचारियों से एक-एक पैसा वसूला जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। जिसने भी लूट की है, उसे जनता का पैसा वापस करना होगा।

हम इस पर कानूनी राय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी भ्रष्ट लोगों के धन का एक्सरे करेंगे। जिन्होंने लूट की है, उन्हें जेल जाना होगा। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना एनडीए सरकार का एक मिशन है, न कि चुनावी लाभ का मामला। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडऩे के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप शराब घोटाला करती है, आप भ्रष्टाचार करती है, आप बच्चों के लिए कक्षाएं बनाने में घोटाला करती है, आप पानी घोटाला भी करती है, कांग्रेस आप के खिलाफ शिकायत करती है।

कांग्रेस आप को अदालत में घसीटती है और अगर कार्रवाई होती है तो वे मोदी को गाली देते हैं। इन आरोपों के जवाब में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों का कहना था कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, बाद में उन्हें ही अपनी पार्टी में शामिल करवा कर केस वापस ले लेती है। भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग होकर निकलता है। कांग्रेस ने विपक्ष के ऐसे 51 मामलों को गिनवाया जिन पर कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें भाजपा और उसकी सहयोगी दल के नेताओं पर केस दर्ज हैं।

आप का नजरिया

प्रदर्शन हो आर्थिक पुरस्कार का मानक

इसमें दो राय नहीं कि खेलों के विकास के लिये वर्ष 2016-17 में केंद्र सरकार द्वारा लायी गई योजना 'खेलो इंडिया' खेलों के विकास की दृष्टि से एक अभिनव योजना थी। जिसका मकसद था कि देश भर में खेलों में सामूहिक भागीदारी बढ़ाने के साथ खेलों की उत्कृष्टता को भी संबल मिले। जिसके मूल में मकसद यह भी था कि देश में खेलों के बुनियादी ढांचे के निर्माण व उन्नयन में मदद मिले। जिसको लेकर केंद्र सरकार का दावा था कि यह योजना खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिये प्रेरित करेगी। निश्चित रूप से देश के कई राज्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर भी रहे हैं। लेकिन इस योजना की सफलता तभी तार्किक हो पाएगी जब आर्थिक सहायता खिलाड़ियों के प्रदर्शन और सफलता के आधार पर तय होगी। जैसे कि देश में विभिन्न उद्योगों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने के लिये उद्योगों की सफलता का मानक उत्पादन का स्तर तथा गुणवत्ता होती है। कमोबेश खेलों में भी स्वस्थ स्पर्धा को बढ़ाने के लिये इस तर्ज पर आर्थिक सहायता दिये जाने की उम्मीद की जाती रही है। कहने का अभिप्राय यह है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत किया ही जाना चाहिए। फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी वर्षों के अभ्यास व कड़ी मेहनत के बाद पेरिस ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसी बीच केंद्र की खेलो इंडिया योजना के तहत खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये राज्यों को आवंटित धन को लेकर एक अप्रिय विवाद खड़ा हो गया है। निश्चित रूप से यह अप्रिय विवाद उठने का समय असंगत है। निश्चित रूप से पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिये संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के मनोबल पर इसका धनात्मक प्रभाव तो नजर नहीं ही आएगा। दरअसल, कांग्रेसी नेतृत्व वाले मुखर विपक्ष और कुछ खेल पंडितों का आरोप है कि राज्यों को आर्थिक राशि वितरण में भेदभाव किया गया है। आरोप है कि केंद्र ने हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों के साथ भेदभाव किया है। दलील है कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने गये भारतीय खिलाड़ियों के दल में संख्या के हिसाब से पांचवां हिस्सा हरियाणा से है। लेकिन राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं मे धूम मचाने वाले हरियाणा के हिस्से में खेलो इंडिया योजना के तहत महज 66.6 करोड़ रुपये ही आए हैं। वहीं दूसरी ओर गुजरात, जिसके चुनिंदा खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में खेलने गए हैं, उसे खेलो इंडिया योजना के तहत 426 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। उत्तर प्रदेश को भी योजना के तहत 438 करोड़ रुपये मिले। विपक्षी दलों का कहना है कि उत्तर प्रदेश से सिर्फ छह ही एथलीट ओलंपिक में भाग लेने गए हैं। वहीं पुरुष हॉकी में दबदबा रखने वाले पंजाब के हिस्से में खेलों के संरचनात्मक विकास के लिये सिर्फ 78 करोड़ रुपये ही आए हैं। विपक्षी दल के राजनेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार ने इस योजना के अंतर्गत धन आवंटन के लिये किन मापदंडों का पालन किया गया, उसे सार्वजनिक करने की जरूरत है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

देश के प्रमुख रईसों में शामिल मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का जलवा 21 साल से बरकरार

मुंबई,06 अगस्त (एजेंसियां)। देश के प्रमुख रईसों में शामिल मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। यह इसका अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड है। फॉर्च्यून ने अपनी वेबसाइट पर 2024 की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि पिछले साल इसका रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर था। ऑयल एंड नेचुरल गैस लिमिटेड (ओएनजीसी)और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मगर ओएनजीसी 22 स्थान फिसलकर नंबर 180 और बीपीसीएल 25 स्थान नीचे जाकर 258वें नंबर पर आ गई हैं। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स ने 66 पायदान की लंबी छलांग मारी है। टाटा ग्रुप की यह कंपनी अब 271वें नंबर पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक 306वें नंबर और गोल्ड एवं डायमंड ज्वेलरी बनाने वाले राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 463वें नंबर पर मौजूद हैं। वालमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर, अमेजन नंबर दो पर पहुंची फॉर्च्यून के अनुसार, अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर रही है। पिछले साल नंबर 4 पर रही अमेजन 2024 की लिस्ट में नंबर 2 पर आ गई है। सऊदी अरामको 2023 में नंबर 2 से गिरकर नंबर 4 पर आ गई है। हालांकि, 121 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ यह लगातार तीसरे साल लिस्ट में सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाली कंपनी बनी हुई है। चीन की सरकारी कंपनी स्टेट ग्रिड लिस्ट में नंबर 3 पर रही है। टॉप 10 में और चीनी कंपनियां भी हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सालाना रैंकिंग है जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों को उनके कुल राजस्व के आधार पर सूचीबद्ध करती है। यह सूची अमेरिकी पत्रिका फॉर्च्यून की ओर से प्रकाशित की जाती है।

पिछले साल का रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लक्ष्य भारत...

पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा चीन, अमेरिका और इंग्लैंड से भी बांग्लादेश के लिए एक अलग ही कहानी तैयार कर माहौल बिगाड़ा जा रहा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जिस तरीके की सूचनाएं आगे बढ़ाई जा रही थीं, उनमें से ज्यादातर लोगों के हैंडल या तो सेना की अंदरूनी जानकारी रखने वाले लोग थे या फिर वह अलग-अलग तरीकों से अंदरूनी जानकारियां जताकर पूरा प्रोपेगेंडा सेट कर रहे थे। अमेरिका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन समेत जापान और हंगरी से बांग्लादेश के भीतर चल रहे पूरे आंदोलन को हवा दी जा रही थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इनमें से बहुत से अकाउंट तो बॉट थे। जबकि कई अकाउंट की तफ्तीश करने पर पता चला है कि इनमें से बहुत से लोग लगातार दक्षिण एशिया के मामलों में पहले से दखल देकर माहौल बिगड़ने की पूरी साजिश रचते आए हैं, उनका पूरा बैकग्राउंड ऐसा ही रहा है। इस आंदोलन की शुरुआत तो आरक्षण को लेकर हुई, लेकिन धीरे-धीरे इसमें विदेशी दखल बढ़ता गया और हालात बदतर होते चले गए।बांग्लादेश में माहौल को तनावपूर्ण करने के लिए जिस तरीके से जमीन पर आंदोलन चलाया जा रहा था, ठीक उसी तरह से सोशल मीडिया पर भी उग्रता नजर आ रही थी। बड़ी साजिश के तहत 17 जुलाई को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर कुछ ऐसे इनपुट तैयार किए गए, जिसके आधार पर बांग्लादेश के भीतर माहौल खराब होने की पूरी नींव रखी गई। बांग्लादेश के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों, जिसमें पाकिस्तान और चीन से कुछ ऐसे हैशटैग तैयार किए गए, जिससे माहौल में गर्मी आई। इसमें बांग्लादेशी स्टूडेंट्स को बचाने के अभियान के साथ-साथ खालिदा जिया को छुड़ाने और शेख हसीना को सत्ता से उतारने जैसे बड़े अभियान भी शामिल थे। खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक आंदोलन के दौरान ऐसे अभियानों को बांग्लादेश की आवाम तक पहुंचाने के लिए जो टारगेट फिक्स किया गया था, वह पर्याप्त माना जा रहा था। 16 जुलाई से लेकर 18 जुलाई के दौरान अलग-अलग माध्यम से तकरीबन 5 करोड़ लोगों तक उस पूरे एजेंडे को पहुंचाया गया, जिसका पूरा खाका चीन और पाकिस्तान जैसे मुल्कों में खींचा गया था।दक्षिण एशिया के मामलों के जानकार और दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवक्ता डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह कहते हैं कि बांग्लादेश में चल रहे आंदोलन की तासीर को अगर आप समझें, तो पता चलता है कि कैसे इसके भीतर साजिश रची जाती रही। उनका कहना है कि शुरुआत तो आरक्षण को लेकर आंदोलन से हुई थी। लेकिन धीरे-धीरे आंदोलन के बीच में जिस तरीके के अन्य मुद्दे प्रवेश करते गए। वह इशारा करते हैं कि इसके पीछे बड़ी साजिश काम कर रही थी। डॉ अभिषेक कहते हैं कि आरक्षण के मुद्दे पर शुरू हुए आंदोलन में धीरे-धीरे शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने की बात शुरू हुई। जब बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे आंदोलन के दौरान शेख हसीना को सत्ता से हटाने की आवाज बुलंद होने लगी। ठीक इसी दौरान खालिदा जिया को भी जेल से रिहा करने की मांग बीच में उठने लगी। विदेशी मामलों के जानकार और भारतीय विदेश सेवा से रिटायर्ड आलोक सिन्हा कहते हैं कि यह बात बिल्कुल सच है कि आरक्षण आंदोलन के दौरान उन सभी मुद्दों को इसमें शामिल किया गया, जिससे बांग्लादेश में अस्थिरता की स्थिति पैदा हो। यही वजह रही कि सिर्फ शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने की आवाज ही नहीं उठी बल्कि खालिदा जिया को हटाने के साथ-साथ बांग्लादेश की नीतियों और बांग्लादेशी सरकार के स्थानीय और विदेशी मामलों पर आंदोलन के दौरान सवाल उठने लगे।रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी आलोक कहते हैं कि जब कोई भी आंदोलन अपने मुख्य मुद्दे से भटक कर उन मुद्दों की ओर चला जाता है, जिससे सरकार की अस्थिरता हो, तो फिर उसके पीछे मंसूबे भी तलाशने पड़ते हैं। उनका कहना है कि जिस तरीके की सूचनाएं लगातार आ रही हैं कि आरक्षण आंदोलन की जमीन पर बांग्लादेश को अस्थिर करने की विदेशी साजिशें रची गईं, वह बहुत हद तक कामयाब होती हुई भी दिख रही हैं। हालांकि इन साजिशों के बदले बांग्लादेश को बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। आगे के जो हालात नजर आ रहे हैं, उसमें फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा है कि बांग्लादेश अपनी बेहतरी के लिए अब बहुत जल्दी कुछ कर सकेगा। बांग्लादेश के हालात पर फिलहाल भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया और दुनिया भर के अलग अलग मुल्क नजर बनाए हुए हैं।

सेंट मार्टिन और बंगाल...

बयान में कहा गया, कृपया खुद का इस्तेमान न होने दें। मैं यह कहने आई हूं कि जो लोग मेरे प्यारे बच्चों की लाशें लाएंगे, उन्हें सजा मिलेगी। शायद आज मैं देश में होती तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संपत्ति नष्ट होती। इसलिए मैंने खुद को हटा लिया। मैं आपकी जीत के साथ आयी थी, आप मेरी ताकत थे, आपने मुझे नहीं चाहा, तो मैं खुद ही चली गयी, इस्तीफा दे दिया। बयान में कहा गया, मेरे (पार्टी के) सहयोगी, जो वहां हैं, हिम्मत नहीं हारेंगे। अवामी लीग बार बार खड़ी हुई है। ये आपने कर दिखाया है। निराश मत होइए। मैं जल्द ही लौटूंगी इंशाअल्लाह। हार मेरी है लेकिन जीत बंगलादेश के लोगों की है। वे लोग जिनके लिए मेरे पिता और मेरे परिवार ने अपनी जान दे दी। मुझे खबर मिली है कि कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है और घरों में तोड़फोड़ और आगज़नी हुई है। बयान में कहा गया, अल्लाह आपकी मदद जरूर करेगा। मैं अपने युवा छात्रों से दोहराना चाहूंगी, मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा। मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उस दिन का पूरा वीडियो देखें। एक दल ने आपको खतरे में डालकर आपका फायदा उठाया है। मुझे विश्वास है कि आप एक दिन इसका एहसास कर पाएंगे। बयान की आखिरी पंक्ति में लिखा है, मेरे देशवासियों, स्वस्थ रहें, मेरे सुनहरे बंगलादेश का ख्याल रखना, जय बांग्ला जय बंगबंधु :शेख हसीना। इस प्रकार से इस बयान में अमेरिका का नाम लिया गया है और सेंट मार्टिन द्वीप एवं बंगाल की खाड़ी में अमेरिकी प्रभुत्व से इंकार करने और एक पार्टी द्वारा युवाओं को भड़काये जाने की बात कही गई है।

सभी दलों ने ...

जयशंकर ने मंगलवार को संसद के दोनों सदनों को बताया कि भारत सरकार बांग्लादेश के अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश में वहां के अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बारे में बांग्लादेश के अधिकारियों से बात कर रहा है। जयशंकर ने कहा, अपने राजनयिक मिशनों के जरिए हम वहां के भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। पड़ोसी देश में इस जटिल और अभी भी लगातार अस्थिर बने हुए हालात को देखते हुए सीमा सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।संसद में दिए गए बयान में विदेश मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने को लेकर भी सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने हसीना के बहुत कम समय के नोटिस पर भारत आने के अनुरोध के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को प्रदर्शनकारी कर्फ्यू के बावजूद ढाका में एकत्र हुए। हमारी समझ यह है कि सुरक्षा संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा देने का फैसला किया। बहुत कम समय के नोटिस पर उन्होंने कुछ समय के लिए भारत आने की मंजूरी मांगी। विदेश मंत्री ने कहा कि हमें बांग्लादेश के अधिकारियों से उड़ान की मंजूरी के लिए अनुरोध मिला। इसके बाद हसीना वह कल शाम दिल्ली पहुंचीं।जयशंकर ने बताया कि अनुमान है कि पड़ोसी देश में 19,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग 9,000 छात्र हैं। हालांकि, ज्यादातर छात्र जुलाई के महीने में ही भारत लौट आए। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने पांच अगस्त को राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हालात को संभालने और अंतरिम सरकार के गठन की बात की। हम अपने राजनयिक मिशनों के माध्यम से बांग्लादेश में भारतीय समुदाय के साथ में हैं। भारत अल्पसंख्यकों की स्थिति के संबंध में भी स्थिति की निगरानी कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के दशकों से गहरे संबंध हैं। वहां के हालात से यहां भी चिंता उत्पन्न हुई है। वहां जून से हालात बिगड़ने शुरु हुए और यह सिलसिला अब तक जारी है। जो कुछ पड़ोसी देश में हुआ, उसका एक सूत्री एजेंडा यह था कि प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा दे दें।

जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि बांग्लादेश के आर्मी चीफ के साथ लगातार संपर्क साधा जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश में जो भी सरकार बनेगी, वह भारत के लोगों को सुरक्षा प्रदान करेगी। अब जानकारी के लिए बता दें कि इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक पहले ही हो चुकी है। सभी पार्टियों को सरकार ने अपना स्टैंड बता दिया है, तमाम नेता भी अभी केंद्र के साथ मजबूती से खड़े दिख रहे हैं। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी कहा है कि वे सरकार का इस मुद्दे पर समर्थन करती हैं।

अभी भारत में...

शेख हसीना लंदन जाने वालीं थीं, लेकिन अब वे अन्य जगहों के बारे में विचार कर रही हैं। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि लंदन में शेख हसीना को किसी भी संभावित जांच के तहत कानूनी सुरक्षा मिलने की संभावना नहीं है।सोमवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने लंदन में कहा कि बांग्लादेश में बीते कुछ सप्ताह से जबरदस्त हिंसा का दौर देखा गया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अभूतपूर्व हिंसा के बीच जान-माल की दुखद हानि देखी है और देश के लोग संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में पूर्ण और स्वतंत्र जांच के हकदार हैं। हसीना की यात्रा योजनाओं में कुछ अड़चन आ गई हैं और वह अगले कुछ दिनों तक भारत में ही रह सकती हैं। उन्होंने स्थिति को गतिशील भी बताया और कहा कि इस मामले में कोई निश्चित रास्ता या स्पष्टता नहीं है। हसीना ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

मणिपुर को...

आउट कैंपेन चला रहे थे। बाल्केनाइजेशन प्लॉट (टुकड़ों में तोड़ने का प्लान) का खुलासा करते हुए उन्होंने बताया कि मणिपुर में हाल ही में जो हिंसक वारदातें हुई हैं, वह दरअसल एक सोची समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि इसका बांग्लादेश से सीधा कनेक्शन है। उन्होंने आशंका जताई कि बांग्लादेश का धार्मिक आधार पर विभाजन हो सकता है। बालकेनाइजेशन प्लॉट का खुलासा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कुछ विदेशी शक्तियां बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ इलाके को काटकर पूर्वी तिमोर जैसा एक नया ईसाई देश बनाने की साजिश रच रहे हैं। म्यांमार का कुकी चिन प्रांत, बांग्लादेश का चटगांव पहाड़ी इलाका और भारत के मिजोरम को मिला कर नया देश बनाने की साजिश रची जा रही है और इसका बेस बंगाल की खाड़ी में होगा। उन्होंने कहा कि म्यांमार का कुकी-चिन इलाका ईसाई बहुल है, इसलिए उन्हें आसानी से बरगलाया जा सकता है। कुकी-चिन नेशनल फ्रंट अलगाववादी संगठन के उग्रवादी ईसाई विद्रोहियों की मदद के लिए म्यांमार सेना से लड़ रहे हैं। यह गुट कई बार बांग्लादेशी सेना पर घातक हमले भी कर चुका है। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेश का कोई हिस्सा कुकी-चिन विद्रोहियों के चलते अशांत है, तो इसके परिणाम दिल्ली में भी महसूस किए जाएंगे। यह पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में हिंसा भड़का सकते हैं और ड्रग माफिया युवाओं को हिंसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उनका दावा है कि शेख हसीना के बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं कर पा रही थीं। इसलिए ईसाई राज्य बनने से भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चिताएं भी पैदा होंगी।

कुकी-चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) मुख्य रूप से बांग्लादेश के सिलहट और चटगांव हिल, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और म्यांमार के चिन राज्य में एक्टिव है। भारत के मणिपुर और मिजोरम राज्यों में, उन्हें कुकी और मिजो के तौर पर जाना जाता है, जबकि म्यांमार में उन्हें चिन के रूप में जाना जाता है। केएनएफ की स्थापना ढाका विश्वविद्यालय से ललित कला स्नातक नाथन बॉम ने 2017 में बावम लोगों के लिए एक स्वतंत्र संप्रभु राज्य बनाने के लिए की थी, जिसमें रंगमती और बंदरबन जिलों के भीतर नौ उपजिले (उप-जिले) शामिल थे। खुद बांग्लादेश पुलिस की आतंकवाद विरोधी इकाई रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने भी माना है कि केएनएफ की रणनीति सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से म्यांमार-बांग्लादेश सीमा पर कुकी-चिन लोगों के लिए स्वायत्तता हासिल करना है। वहीं कुकी-चिन भारत के पूर्वोत्तर और म्यांमार में भी सक्रिय उग्रवादी समूहों का हिस्सा हैं। वहीं चिन राज्य से बड़ी संख्या में कुकी भारत के मिजोरम राज्य में चले गए हैं। इस बीच, भारत के मणिपुर में कुकी और मैतई के बीच जो हिंसक संघर्ष चल रहा है, वह इसी का परिणाम माना जा सकता है। कुकी-चिन अलगाववादी संगठन ने न केवल हिंसा को भड़काया है, बल्कि हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को भी बढ़ावा दिया है। म्यांमार से शरणार्थियों की अवैध एंट्री को देखते हुए भारत ने 1643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है।

गौरतलब है कि अवामी लीग के नेता शुरू से आरोप लगाते रहे हैं कि बाइडन सरकार म्यांमार में इन विद्रोही ताकतों की मदद कर रही है और अमेरिकी प्रशासन ने पहले ही बर्मा अधिनियम पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसके तहत अमेरिकी प्रशासन म्यांमार के विद्रोहियों को गैर-घातक सहायता प्रदान कर रहा है। म्यांमार सरकार ने विद्रोहियों को अमेरिकी सहायता पर आपत्ति जताई है, लेकिन अमेरिका का कहना है कि वह म्यांमार में बढ़ते चीनी प्रभाव को रोकने के लिए विद्रोहियों की मदद कर रहा है।

कोरोना काल में ...

18 माह के डीए का एरियर जारी करने के लिए सरकार से आग्रह किया है। डीए एरियर का मुद्दा पहले भी कई बार उठाया जा चुका है। नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्सन (एनजेसीए) के वरिष्ठ सदस्य एवं अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव सी श्रीकुमार ने बताया, कर्मियों के हितों से जुड़े मुद्दे, जिसमें पुरानी पेंशन बहाली सहित कई दूसरी मांगें शामिल हैं, लगातार उठाए जा रहे हैं। कर्मचारियों ने कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए/डीआर के भुगतान के लिए प्रदर्शन किया है। कैबिनेट सचिव को स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) द्वारा 18 माह के डीए एरियर के भुगतान के लिए लिखा गया था। इस बाबत वित्त मंत्रालय को भी प्रतिवेदन दिया गया। कर्मचारी संगठनों ने इस विषय में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला भी दिया था।

केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए एरियर के भुगतान को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने बजट सत्र में यह बात मानी थी कि डीए की बकाया राशि जारी करने के लिए कई कर्मचारी संगठनों की ओर से आवेदन मिले हैं। हालांकि सरकार ने इस संबंध में कोई ठोस भरोसा देने की बजाए साफ तौर से कह दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में डीए के एरियर को जारी करना व्यावहारिक नहीं है। मतलब, केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 34 हजार करोड़ से अधिक की डीए/डीआर राशि का भुगतान नहीं करेगी। बजट सत्र के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था, अभी भी केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा एफआरबीएम अधिनियम में दर्शाए स्तर से दोगुने से अधिक चल रहा है। ऐसे में डीए/डीआर का एरियर देना संभव नहीं है। सी. श्रीकुमार बताते हैं, सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि ऐसे मामलों में कर्मचारी को छह फीसदी ब्याज के साथ उसका भुगतान करना होता है।केंद्र सरकार ने कोरोनाकाल के दौरान जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने का महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की 3 किस्तें रोक ली थीं। उस वक्त सरकार ने आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात कही थी। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने तब कैबिनेट सचिव के साथ हुई बैठक में इस मुद्दे को उठाया था। कर्मियों को उम्मीद थी कि उन्हें बकाया राशि मिल जाएगी, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। सी. श्रीकुमार के मुताबिक, सरकार के मन में खोट आ चुका है। केंद्र ने 2020 के प्रारंभ में कोविड-19 की आड़ लेकर सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए/डीआर पर रोक लगा दी थी। उस वक्त कर्मियों के 11 फीसदी डीए का भुगतान रोक कर केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपए बचा लिए थे। उसके बाद कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने 18 माह के एरियर के भुगतान को लेकर सरकार को कई तरह के विकल्प सुझाए थे। इनमें एरियर का एकमुश्त भुगतान करना भी शामिल था।कोरोनाकाल के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह घोषणा की थी कि कर्मचारियों को 28 फीसदी के हिसाब से महंगाई भत्ता मिलेगा। उस वक्त उन्होंने एरियर को लेकर कोई बात नहीं कही। केंद्रीय मंत्री की घोषणा का अर्थ यह था कि बढ़े हुए डीए की दर एक जुलाई 2021 से 28 फीसदी मान ली जाए। इसके अनुसार जून 2021 और जुलाई 2021 के बीच डीए में एकाएक 11 फीसदी वृद्धि हो गई, जबकि डेढ़ साल की अवधि में डीए की दरों में कोई वृद्धि दर्ज नहीं की गई। एक जनवरी 2020 से लेकर एक जुलाई 2021 तक डीए/डीआर फ्रीज कर दिया गया था। कोरोना संक्रमण काल में डीए की तीन किस्त (1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020, 1 जनवरी 2021) रोक दी गई थी। इसके बाद सरकार ने जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते को बहाल कर दिया था। तब 18 महीने की बकाया तीन किस्तों का पैसा देने पर सरकार चुप हो गई।

मौका मिला...

बैतूल के एसपी निश्चल झरिया ने बताया कि सीजेआई चंद्रचूड़ के खिलाफ सोशल मीडिया पर अवांछनीय टिप्पणी करने वाले आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उससे पूछताछ की जा रही है।

हिंदू पार्षद...

हतिबंधा में हिंदुओं के 12 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। दिनाजपुर में भी हिंदुओं के कई मकान तोड़े गए हैं। कई मंदिरों पर ही हमला हुआ और इनमें मूर्तियाँ तोड़ी गईं। बांग्लादेश के बड़े तटीय शहर खुलना में भी हिंदुओं के घरों में लूटपाट और तोड़फोड़ हुई।बांग्लादेश के खुलना में भी इस्कॉन मंदिर को भी जला दिया गया, यहां रखी मूर्तियां भी तोड़ दी गईं। इस्लामी कट्टरपंथियों ने इस मंदिर में हिंदू समुदाय के छुपने के बाद हमला किया। शरण लेने वाले यहां से भाग गए लेकिन मूर्तियों को काफी नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा मौलवी बाजार में भी काली मंदिर पर हमला किया गया। इस मंदिर को आग लगा दी गई है। ट्विटर पर डाली गई एक वीडियो में दावा किया गया कि एक हिंदू व्यक्ति को इस्लामी कट्टरपंथियों ने जीवित जला दिया। ठाकुरगांव में भी हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया और मंदिर तोड़े गए।बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के साथ ही लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस दौरान देश में हिंदू मंदिरों, घरों और दुकानों पर हुए हमलों की एक लिस्ट जारी की है। एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल वॉयस ऑफ बांग्लादेशी हिंदू के अनुसार, यह सभी हमले मात्र पांच घंटे के भीतर हो गए। हालांकि, हमलों की असल संख्या इस लिस्ट से कहीं अधिक हो सकती है। इस संस्था द्वारा जारी लिस्ट में 54 हमलों के बारे में बताया गया है।इस लिस्ट के अनुसार, शेरपुर में श्रीबर्दी उपजिला युवा एकता परिषद के अध्यक्ष के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ हुई और लूटपाट भी की गई। इसके अलावा खुलना के रूपसा थाना क्षेत्र के हाईगेट गांव में श्यामल कुमार दास और स्वजन कुमार दास के घर पर हमला हुआ। खुलना शहर के ही टूटपारा में खुलना जिला एकता परिषद के अध्यक्ष बिमन बिहारी अमित और युवा एकता परिषद के अध्यक्ष अनिमेष सरकार रिंकू के घर पर हमला हुआ। डाकोप के आमतली बनिसंता में जयंत गेन के घर और कोयरा के दारपारा में भी अल्पसंख्यकों पर हमला हुआ। उनके घरों में तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। लक्ष्मीपुर में पूजा परिषद के नेता और व्यवसायी दीपक साहा के घर और कार्यालय पर हमला कर तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। कोषोरगंज के कुलियारचर के अगरुपुर गांव में नकुल कुमार और सुहसंत के घरों को जलाया गया। चटगांव के रौज़ान में उज्जल चक्रवर्ती के घर पर हमला और लूटपाट की गई।जसूर के अभयनगर के धोपडी पालपारा गांव में तीन घरों को जला दिया गया। बघारपारा के नारिकेल बरिया में बाबुल साहा के गोदाम समेत 22 दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, केशवपुर, बेचपारा और बरमनपारा में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया। सतखैरा में भी अल्पसंख्यकों की दुकानों को लूटा गया, कोल-ारोआ में जिला एकता परिषद के अध्यक्ष विश्वजीत साधु के घर पर हमला कर लूटपाट की गई। एकता परिषद के केंद्रीय सहायक संगठन सचिव डॉ. सुब्रत घोष के घर पर हमला कर इस्लामी कट्टरपंथियों ने उसे जला दिया।

शैस्तागंज बाजार, हबीगंज में उपजिला एकता परिषद के अध्यक्ष असित बरन दास की दुकान पर हिंसक हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। नरैल के लोहागरा में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ और लूटपाट भी हुई। अब यहां के हिंदू बेघर हैं। बोगरा में हिंसा की कई घटनाएं हुई हैं। बरगोला के तिलपट्टी में अल्पसंख्यकों की 5-7 दुकानों पर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। इसी तरह, दुपचांचिया उपजिला के सहपुकुर गांव में डॉ गौतम कुमार मंडल के घर पर हमला किया गया और लूटपाट की गई।पटुआखाली में कुआकाटा के राधा गोविंद मंदिर पर हमला हुआ और तोड़फोड़ की गई। अनंत मुखर्जी के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट भी हुई। सदर, पंचगढ़ के वार्ड 2 और 3 में अल्पसंख्यकों के घरों को निशाना बनाया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। नोआखली के हटिया के सोनादिया में सहदेव रॉय के घर पर हमला और लूटपाट हुई। ठाकुरगांव के सदर में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। इसके अलावा, पीरगंज के वार्ड 2 में श्मशान मंदिर पर हमला किया गया और उसे इस्लामी कट्टरपन्थियों ने जला दिया।झेनैदाह में भारी हिंसा हुई। यहां चकलापारा नगरपालिका में 10 अल्पसंख्यक परिवारों के घरों पर लगातार हमले, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। कोटचंदपुर में भी अल्पसंख्यकों की दुकानों पर हमला किया गया और लूटपाट की गई। हथुरिया, बेरा थाना और पबना में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला हुआ और यहां भी तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। नेत्रकोना में रामकृष्ण मिशन और सदर में इस्कॉन मंदिर पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। भीड़ ने अल्पसंख्यकों के घरों पर भी हमला किया, तोड़फोड़ की और लूटपाट की। सदर, मुंशीगंज में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई।चांदपुर के फरीदगंज उपजिला में हरिपद दास के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। नारायणगंज के अराईहाजर में राम डॉक्टर के घर पर हमला करने और तोड़फोड़ करने की कोशिश की गई। नेत्रकोना में रामकृष्ण मिशन और सदर में इस्कॉन मंदिर पर हमला हुआ। इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने अल्पसंख्यकों के घरों पर भी हमला किया, तोड़फोड़ की और लूटपाट की। चांदपुर के फरीदगंज उपजिला में हरिपद दास के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई।इस लिस्ट के अलावा सोशल मीडिया पर कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई हैं। इनमें बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर सरकार के खिलाफ हिंसा की आड़ में हमले किए गए हैं। ऐसे कई वीडियो पोस्ट भी किए गए हैं। एक वीडियो में बांग्लादेश के बोगरा जिले के गबताली उपजिला में बामुनिया पालपारा हिंदुओं के घरों पर भीड़ को हमला करते देखा गया। एक अन्य पोस्ट में बांग्लादेश के पिरोजपुर जिले के मथबरिया पुलिस स्टेशन क्षेत्र में संकट में फंसी एक हिंदू लड़की का वीडियो शेयर किया गया। वीडियो में लड़की बांग्ला भाषा में मदद की गुहार लगाती दिख रही है। एक और वीडियो में, चटगांव के नवग्रह बाड़ी स्थित शनि मंदिर को दंगाइयों ने जला दिया। इस्कॉन इंडिया के प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंद दास ने एक पोस्ट में कहा, मुझे मिली जानकारी के अनुसार, मेहरपुर (खुलना डिवीजन) में हमारे एक इस्कॉन केंद्र को भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा देवी की मूर्तियों के साथ जला दिया गया। केंद्र में रहने वाले 3 भक्त किसी तरह भागने में सफल रहे और बच गए।

विसेग्राद 24 द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, इस्लामी कट्टरपंथियों को हिंदुओं के घरों को घेरते और अंदर मौजूद लोगों को धमकाते हुए देखा गया। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, देश के भीतर 27 जगहों पर हिंदू समुदाय के घर हमले की चपेट में आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लालमोनीहाट सदर उपजिला के तेलीपारा गांव और थाना रोड में प्रदीप चंद्र रॉय और मुहिन रॉय के घर में गोदाम और आबादियां की गईं। कालीगंज उपजिला, चंद्रपुर गांव में चार हिंदू परिवारों के घरों पर हमला किया गया। हाथीबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में 12 हिंदू घरों को जला दिया गया, जबकि बांधवगढ़ के सदर उपजिला में कई हिंदू घरों को जला दिया गया। दिनाजपुर में दस हिंदू घरों पर हमला और रेल बाजार में एक मंदिर पर हमला किया गया। खानसामा उपजिला में तीन हिंदू घरों पर हुआ हमला। खुलना में, ओइक्या काउंसिल के नेताओं और अन्य लोगों के घरों में सामान रखा गया। बरिशाल के गौरानादी में भीड़ ने आदिवासी अधिकारी के घर पर हमला कर दिया। इसी समय, बोगुरा, पटुआखली, शेरपुर, नरसिंगडी, किशोरगंज, चटगांव, जोशोर, सतखिरा, हबीगंज और नरैल में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर किसी भी तरह की क्रूरता या अत्याचार नहीं होना चाहिए। इसके लिए पूरे देश को एकजुट होना होगा। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पहली बार पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है और यही भारत की नीति होनी चाहिए। वरना जिस तरह से इस्लामिक कट्टरपंथ दुनिया भर में फैल रहा है और जिस तरह से भारत के पड़ोस में दस्तक दे चुका है, वह देश के लिए खतरनाक हो सकता है। यह एकता आने वाले समय में भी बनी रहनी चाहिए। जो लोग आरक्षण, जाति, धार्मिक कट्टरता के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं, यह ठीक नहीं है। इसलिए भारत की राजनीति मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

सीमा पर पहुंच...

क्योंकि उन्हें स्थानीय उग्रवादी समूहों और अन्य इस्लामिक कट्टरपंथियों से जान का खतरा है। उन्होंने बताया कि बीजीबी के जवानों ने बेरहमी से उन्हें पीटा और उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एक शरणार्थी, रमेश चंद्र दास ने कहा, हमने सोचा था कि भारत हमें शरण देगा, लेकिन हमें बीजीबी के लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा। हमारे पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है।बीएसएफ ने बताया कि वे स्थिति को समझ रहे हैं और उच्चाधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि जब तक बांग्लादेश की सीमा पार कर भारत की सीमा में लोग नहीं आते तब तक बीएसएफ कोई मदद नहीं कर सकती। इस समय हजारों की संख्या में हिंदू शरणार्थी बांग्लादेश की विभिन्न सीमाओं पर फंसे हुए हैं।

बीएसएफ और प. बंगाल...

बीएल और एलआरओ के अधिकारी, हंसखली के सहायक कृषि निदेशक और हंसखली गांव के सभापति/सरपंच, पंचायत के सदस्य शामिल हुए। बीएसएफ की 08 बटालियन में हुई बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई, उनमें सीमा क्षेत्रों में ऊंची-ऊंची फसलों का प्रबंधन, सीमा के पास नागरिकों द्वारा जूट डंपिंग की समस्या, कर्फ्यू के बाद सीमा सड़कों पर नागरिक आवाजाही और बिना बाड़ वाले क्षेत्रों में बाड़ लगाने के लिए भूमि अधिग्रहण शामिल थे। बैठक में सीमा सुरक्षा और सामुदायिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए इन मुद्दों को संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया गया।इसके अलावा 107 बटालियन बीएसएफ की सीमा चौकियों उत्तरपाड़ा और मुस्तफापुर में स्थानीय ग्रामीणों के साथ सीमा समन्वय बैठकें आयोजित की गईं। चर्चा बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और बांग्लादेशी सेना के कार्यभार संभालने के बाद मौजूदा स्थिति पर केंद्रित थी। बीएसएफ ने घुसपैठ और तस्करी की गतिविधियों को रोकने के लिए सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रामीणों को सीमावर्ती क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय सीमा सड़क (आईबीबीआर) पर रात के समय स्वतंत्र रूप से आवाजाही न करने की सलाह दी गई।यह भी निर्णय लिया गया कि बाजार की सभी दुकानें नौ बजे तक बंद हो जानी चाहिए और मस्जिदों से घोषणा की जाएगी कि ग्रामीणों को सीमावर्ती क्षेत्रों से दूर रहना चाहिए। किसानों को निर्देश दिया गया कि वे केवल आवश्यक कार्य के लिए ही गेट का उपयोग करें और उन्हें जरूरत पड़ने पर बीएसएफ से तत्काल सहायता का आश्वासन दिया गया। बीएसएफ ने बल और स्थानीय नागरिक आबादी के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, समुदाय की सुरक्षा और सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

शेख हसीना को ...

उन्होंने बताया कि वे शेख हसीना के लिए एक खास संदेश लेकर आए थे। शायद भारत की खुफिया एजेंसियों को बांग्लादेश में होने वाली उथल-पुथल की पूरी जानकारी मिल चुकी थी और वे आखिरी संदेश पहुंचाने के लिए आए थे। इस बैठक में शेख हसीना को हर सूरत में भारत का पूरा समर्थन मिलने की प्रतिबद्धता जताई थी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपना वायदा निभाया और शेख हसीना के लिए एक सेफ पैसेज भी उपलब्ध कराया और अपने यहां शरण भी दी। सदरुल ने बताया कि बांग्लादेश में जनवरी में आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने आवास पर पार्टी सदस्यों की एक बैठक में खुलासा किया था कि बांग्लादेश के खिलाफ बाल्केनाइजेशन प्लॉट रचा जा रहा है। इस साजिश में कुछ बड़े विदेशी राष्ट्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शेख हसीना ने इस बैठक में खुलासा किया था कि 7 जनवरी, 2024 के चुनावों से पहले एक विदेशी दूत ने उनसे संपर्क किया था, उस दूत ने उन्हें सुझाव दिया था कि अगर वह बांग्लादेश में एक विदेशी सैन्य अड्डे की अनुमति देती हैं, तो वह बिना किसी परेशानी के फिर से चुनाव जीत सकती हैं। हालांकि उन्होंने उस देश का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारा जरूर किया कि वह पश्चिम का बड़ा देश है।सदरुल के मुताबिक पिछले संसदीय चुनाव के दौरान चुनाव उस पश्चिमी देश के राजदूत ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कई तरह की रणनीतियां आजमाईं, लेकिन वे असफल रहे। चुनाव से ठीक दो माह पहले, 28 अक्टूबर 2023 को, मियां अराफी नाम का एक शख्स, जो खुद को उस पश्चिमी देश के राष्ट्रपति का एडवाइजर बताता है, वह हिंसक झड़प के तुरंत बाद ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यालय में गया और कार्यकर्ताओं को विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाया। 7 जनवरी 2024 के चुनाव से पहले, उस पश्चिमी देश के राजदूत और विपक्षी पार्टी बीएनपी के बीच कई बैठकें हुईं। बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने और चुनाव टालने की की धमकियां दी गईं। लेकिन शेख हसीना की दृढ़ता के आगे वे फेल हो गए। वह बताते हैं कि उन्होंने बांग्लादेश पर क्वॉड गठबंधन में शामिल होने का दबाव बनाया और सेंट मार्टिन द्वीप को पट्टे पर देने का प्रस्ताव रखा। लेकिन बांग्लादेश ने इन प्रस्तावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। यहां तक जून 2023 में, बांग्लादेश ने अवामी लीग और 14-पक्षीय गठबंधन की बैठक में इस प्रस्ताव की खुलकर निंदा भी की। उन्होंने कहा कि नौसैनिक अड्डा बनने से बांग्लादेश की संप्रभुता खतरे में पड़ेगी और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता पर भी इसका असर पड़ेगा।

बांग्लादेश का दावा है कि अमेरिका रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेंट मार्टिन द्वीप पर एक सैन्य अड्डा स्थापित करना चाहता है, जो एक छोटा सा द्वीप है और बांग्लादेश का सबसे दक्षिणी हिस्सा है। यह कॉक्स बाजार-टेकनाफ प्रायद्वीप के सिरे से लगभग नौ किलोमीटर दक्षिण में है। चेरा द्वीप नामक एक और छोटा सा द्वीप है, जो उच्च ज्वार के समय अलग हो जाता है। बंगाली में सेंट मार्टिन द्वीप को नारिकेल जिन्जीरा के नाम से जाना जाता है और बंगाली में इसका अर्थ नारियल द्वीप है और यहां मूंगा की चट्टानें हैं। बता दें कि अमेरिका बीजिंग और मॉस्को के साथ ढाका के घनिष्ठ संबंधों को लेकर चिंतित है। अगर अमेरिका को बांग्लादेश में सैन्य अड्डा मिल जाता है, तो भारत का महत्व भी कम हो जाएगा। अमेरिका जानता है कि भारत एक बड़ा देश है और उसके पास मजबूत सैन्य और आर्थिक नीतियां भी हैं, इसलिए उसे ज्यादा धमकाया नहीं जा सकता। इसलिए वह ढाका पर अमेरिका को सैन्य अड्डा देने के लिए दबाव डालना चाहता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 07 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डिजिटल युग में जनसंपर्क के बढ़ते महत्व पर मंत्री उत्तम रेड्डी ने प्रकाश डाला

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस पर पीआर अग्रणी डॉ. सी.वी. नरसिम्हा रेड्डी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आज के डिजिटल परिदृश्य में जनसंपर्क (पीआर) की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर और डॉ. सीवीएन फाउंडेशन द्वारा टूरिज्म प्लाजा, बेगमपेट में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के सिंचाई, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कैप्टन रेड्डी ने सूचना प्रसार की परिवर्तनकारी प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि पीआर पेशेवर अब वास्तविक और भ्रामक दोनों प्रकार की सूचनाओं की बाढ़ से निपटने में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। कैप्टन रेड्डी ने कहा कि सूचना की दुनिया कल्पना से परे बदल रही है। फर्जी समाचारों सहित सामग्री के इस समुद्र में पीआर पेशेवरों को उद्योग की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अपने कौशल को लगातार परिष्कृत

करना चाहिए।भारत सरकार के कंसोर्टियम ऑफ एजुकेशनल कम्युनिकेशन के निदेशक प्रोफेसर जगत भूषण नड्डा ने पीआर में गुणवत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि पीआर व्यवसायी कॉरपोरेट्स, पीएसयू, सरकारों और गैर सरकारी संगठनों में अभिन्न अंग हैं। एक समृद्ध पीआर पाठ्यक्रम और क्षेत्र में आगे का शोध आवश्यक है। प्रो.नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में पीआर की महत्वपूर्ण भूमिका और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने में इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने की, जिन्होंने पीआर चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने पेशेवर मानकों को बढ़ाने पर संगठन के फोकस पर जोर दिया और और भविष्य में डॉ. सी.वी.नरसिम्हा रेड्डी के स्थायी प्रभाव को स्वीकार किया। राष्ट्रीय पीआर शिक्षा दिवस पर प्रतिष्ठित पुरस्कारों की का वितरण भी हुआ। चौ. श्रीनिवास राव, उप महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद को वर्ष-2024 का डॉ. सी-वीएन-पीआरएसआई सर्वश्रेष्ठ पीआर प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त हुआ। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. टी रवि को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जूरी प्रशस्ति से सम्मानित किया गया। विजाग में द पायनियर के ब्यूरो चीफ जव्वादी लक्ष्मण राव को पीआर वॉयस लिटरेरी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के सोलह उत्कृष्ट छात्रों को योग्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और तीन समर्पित परामर्शदात-ाओं के साथ तीन सम्मानित शिक्षकों को जनसंपर्क को आगे बढ़ाने में उनके असाधारण प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट पीआर शिक्षकों, अकादमिक परामर्शदाताओं और छात्रों को सम्मानित करते हुए पीआर शिक्षा में उत्कृष्टता को भी मान्यता दी गई। समारोह के दौरान सीवीएन पब्लिक रिलेशंस फाउंडेशन की अध्यक्ष सी रमा देवी द्वारा लिखित नई पुस्तक रामनीया ग्रापकालू का विमोचन भी किया गया। डॉ. अजीत पाठक ने डॉ. सी.वी. नरसिम्हा रेड्डी को श्रद्धांजलि देते हुए पीआर के क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति के रूप में, उनके नवीन विचारों और उनकी निरंतर प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन पीआर वॉयस के संपादक वाई. बाबजी और उस्मानिया विश्वविद्यालय में एजुकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर (ईएमआरसी) के निदेशक पी. रघुपति सहित उल्लेखनीय हस्तियों के संबोधन के साथ हुआ।

इंदिरम्मा आवास योजना में सभी पात्र लाभार्थियों को रखा जाएगा : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सरकार अगले पांच वर्षों में राज्य के सभी पात्र लाभार्थियों को इंदिराम्मा आवास परियोजना के अंतर्गत घर देने के लिए समर्पित है।हुजूरनगर में रामास्वामी गुट्टा में आज एक हाउसिंग कॉलोनी का दौरा करने के बाद श्री रेड्डी ने मीडिया से बातचीत की और आवास क्षेत्र की दस वर्षों की उपेक्षा के लिए पूर्व बीआरएस शासन की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि टू बीएचके घर के प्रस्ताव को लेकर जो उत्साह दिखाया गया था वह एक जुमला और झूठा वादा निकला। उन्होंने के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पूर्व सरकार पर बेघरों को धोखा देने और हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए आवास परियोजनाओं को रोकने का आरोप लगाया, जो कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान

शुरू की गई थीं।श्री रेड्डी ने उल्लेख किया कि हुजूरनगर शहर में 2,160 इकाइयों के साथ इंदिराम्मा आवास परियोजना 2013-14 में शुरू की गई थी जब वह कांग्रेस सरकार में आवास मंत्री थे। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार ने परियोजना को 10 वर्षों तक रोक कर रखा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद परियोजनाओं को पुनर्जीवित किया और कार्यों को तेजी से किया गया और अब वे निर्माण के एक उन्नत चरण में हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले तीन महीनों में बेघर लोगों को 2,160 घर सौंप दिए जाएंगे।

इंदिराम्मा आवास योजना में अल्पसंख्यकों, एससी, एसटी, बीसी को प्राथमिकता दी जाती है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में न्यूनतम 3,500 आवासों पर, 22,000 करोड़ रुपये की लागत से कुल 4.5 लाख आवास बनाने का योजना है। इन 400 वर्ग फुट के घरों में एक रसोईघर, एक बाथरूम और एक आरसीसी छत होगी। इस वित्तीय वर्ष में आवास पहल के लिए 7,740 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। घर निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता पात्र भूमि मालिकों को दी जाएगी जबकि एससी और एसटी से संबंधित समुदायों को 6 लाख रुपये मिलेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) जैसी केंद्रीय आवास योजनाओं में तेलंगाना की उपेक्षा करने के लिए केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीआरएस और भाजपा के विपरीत, कांग्रेस पर्याप्त बजट आवंटन और लक्ष्यों के लिए स्पष्ट समय सीमा निर्धारित करने के साथ लोगों से किए गए वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बीआईएस हैदराबाद शाखा ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ सफल मानक संवाद आयोजित किया

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मानक ब्यूरो, राष्ट्रीय मानक निकाय, हैदराबाद शाखा कार्यालय ने मानक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न बीआईएस लाइसेंसधारी उद्योगों के लगभग 50 उद्योग प्रतिनिधि कर्मियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योगों को उनके लाइसेंस के डिजिटल संचालन के बारे में अपडेट करना था, जिससे उत्पाद खंडों में उच्च गुणवत्ता वाले मानक सुनिश्चित हो सके।पी वी श्रीकांत, निदेशक और प्रमुख/वैज्ञानिक-ई ने उद्योग प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और मानक संवाद पहल की शुरुआत की। उन्होंने उद्योग के साथ प्रभावी संचार के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से जुड़ने और मानक ऑनलाइन और बीआईएस केयर ऐप सहित बीआईएस के डिजिटल प्लेटफॉर्म के परिचालन पहलुओं के बारे में किसी भी चिंता को आवाज़ देने के लिए प्रोत्साहित किया।संयुक्त निदेशक /वैज्ञानिक-डी श्रीमती टी सुजाता ने मनको ऑनलाइन पोर्टल पर एक व्यापक प्रस्तुति दी, जिसमें इसकी कार्यक्षमताओं और लाइसेंसधारियों के लिए उपलब्ध डिजिटल समाधानों का विवरण दिया गया। उन्होंने बीआईएस केयर ऐप के बारे में भी जानकारी दी और परीक्षण अनुरोध निर्माण, नवीनीकरण और समावेशन की प्रक्रिया के बारे में बताया। सत्र में बीआईएस अनुरूपता मूल्यांकन योजना के नियम और शर्तें, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का कार्यान्वयन, अनुरूपता मूल्यांकन योजनाओं में हाल के विकास और सुचारू लाइसेंसिंग संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए उत्पाद गैर-अनुरूपता दिशानिर्देशों पर अपडेट भी शामिल थे।

उपस्थित लोगों ने पहल की सराहना की और बीआईएस के साथ भविष्य के संचार के लिए मानक संवाद को एक मूल्यवान अवसर पाया। सभी उपस्थित लोगों को दिशा-निर्देश और अनुरूपता मूल्यांकन डेटा युक्त डिजिटल किट वितरित किए गए और प्रासंगिक जानकारी से भरे पेन ड्राइव भी प्रदान किए गए। मानक संवाद कार्यक्रम ने उद्योगों के साथ जुड़ने और यह सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया कि वे अपने उत्पाद खंडों में उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए सुसज्जित हैं। खुले संचार और ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करके, बीआईएस का उद्देश्य भारतीय उद्योगों में गुणवत्ता और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्थान महावीर इंटरनेशनल ने 4 जुलाई को अपने स्थापना के 50वें स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केन्द्र ने चेयरमैन वीर विनोद संचेती के सानिध्य में व रीजन-10 सेक्रेटरी वीर शीलकुमार जैन आदि की उपस्थिति में महावीर इंटरनेशनल के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर हिंदी महाविद्यालय, विद्यानगर में 103 पौधे लगाए गए एवं उनकी देखरेख करने का संकल्प भी लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में कॉलेज के स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर चेयरमैन ने एनवायरमेंट, पॉल्यूशन फ्री पर विवेचन दिया और सभी का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम में वीर अनिल बोहरा, वीर अशोक खींचा, वीरा अर्चना नाहटा, वीरा साधना सिसोदिया, वीरा गीता बंबोली, वीरा दीपाली

बड़ेरा, हिन्दी महाविद्यालय अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर मुंदडा, प्रिंसिपल डा. बाला कुमारी व अन्य ने भाग लिया। इस प्रकल्प की कुल लागत तकरीबन 18000 रुपए रही। जिसमे विभिन्न प्रकार के फलदार एवं फूलों के पौधों का रोपण किया गया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की सैर भव्य रूप से आयोजित

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद 14 खेड़ा 7 खेड़ा कोलर बाघाना की होली की सैर रविवार 04 अगस्त को आई माता मंदिर पेद्दाशापुर तांडा, शमशाबाद में समाज के चौधरी रमेश उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसकी जिम्मेदारी 14 खेड़ा 7 खेड़ा कोलर बाघाना युवा समिति के युवाओं को दी गई। युवा समिति ने सहर्ष इस जिम्मेदारी को स्वीकार किया। समिति द्वारा बसों की व्यवस्था श्री रामनाथ आश्रम बेगम बाजार से रखी गई। जहां समिति के सदस्यों ने संत श्री सेवाराम महाराज से आशीर्वाद ले कर बसों का प्रस्थान प्रारंभ करवाया। जिसमे 7 बसों में समाज की महिलाओं बच्चों और पुरुषों को आई माता मंदिर ले जाया गया। अन्य समाज बंधु अपनी अपनी सुविधानुसार अपने निजी वाहनों पर वहा पहुंचे। जहा ढ़ोल नगाड़े से सभी का स्वागत किया गया। सुबह नाश्ता, दोपहर में हाई टी, एवं दिनभर चाय कॉफी, स्नैक्स की व्यवस्था समिति द्वारा की गई। बच्चो के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, ऊंट, घोड़े के सवारी की व्यवस्था की गई। महिला समिति द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद, डांस प्रोग्राम, गरबा एवं बच्चो के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिता रखे गए। तंबोला के टिकट की जो राशि महिला समिति को प्राप्त हुई उसे गौ माता की सेवा हेतु गौशाला में दान स्वरूप दी गई। पुरुष वर्ग के लिए सामूहिक डांडिया, कबड्डी और कई अन्य कार्यक्रम रखे गए जहां बालको, युवाओं, पुरुषों एवं समाज के बुजुर्ग हर वर्ग ने लाभ उठाया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को समाज के बुजुर्गो द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए तत्पश्चात समाज के चौधरी रमेश उपाध्याय का मंच पर बुलाकर युवा समिति द्वारा पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया और सैर में उपस्थित सभी गांवों के गणमान्य बुजुर्गो का भी युवा समिति ने मंच पर बुला कर सम्मान किया। शाम 5.31 को श्रृंग ऋषि महाराज की पूजा एवं भव्य आरती की गई तत्पश्चात प्रसादी प्रारंभ की गई। इस अवसर पर युवा समिति में सभी को इस सैर में सम्मिलित हो कर इसे भव्यता प्रदान करने के लिए। समाज के चौधरी साहब, समाज के वरिष्ठ गण, महिला समिति एवं समस्त समाज का आभार प्रकट किया।

श्री सिखवाल ब्राहमण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण मास के तीसरे सोमवार को श्री रामदरबार पंचायती बाडा स्थित विजयशंकर शिवालय पर प.वासुदेव तिवाडी द्वारा विधिवत मन्त्रोचार के साथ अभिषेक करते स्वजाति बंधु। तत्पश्चात अलंकृत डीप श्रृंगार व भजन व रात्री में 12-11 मिनट पर आरती व फलाहारी प्रसाद का आनन्द भक्तों ने लिया।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की कांवड़ यात्रा भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मैंढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में प्रतिवर्ष निकलने वाली 24वीं कांवड यात्रा का आयोजन रविवार दि. 4 अगस्त को युवा समिति द्वारा किया गया ।

सुबह 9.00 बजे निकली कांवड़ यात्रा के अल्पाहार के लाभार्थी देवकीनंदन पवनकुमार पंकजजी कडेल थे । स्थानीय विधायक टी. राजासिंह ने पूजा के पश्चात पहली कांवड़ सौंपी। तत्पश्चात समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ व वरिष्ठ समाज सेवी टीपू किंकान द्वारा भोलेनाथ की पूजा कर झंडी दिखाकर कांवड को रवाना किया। अतिथि टी. राजासिंह का सम्मान समाज सेवी टीपू किकान व मार्गदर्शक श्रवणकुमार आसट ने किया। गौलीगुड़ा भवन से झूमते नाचते कांवडिये मौजमजाही मार्केट पहूंचे जहां बद्रीनारायण विजयकुमार जालू परिवार द्वारा स्वागत एंव जलपान का कार्यक्रम रखा गया। तत्पश्चात अबिड्स होते हुए यात्रा गनफाउंड्री पहुंची जहां रामदेव जीतेंद्र जालू परिवार की और से स्वागत एंव जलपान का कार्यक्रम रखा गया । इसके पश्चात सिकन्दराबाद पहुंचने पर अशोक कुमार गोविन्द कडेल परिवार द्वारा स्वागत किया गया। इस प्रकार पहले पड़ाव के लिए यात्रा सिकन्दराबाद स्थित सिखवाल समाज भवन पहूंची जहाँ सतीश कुमार सागरमल विशाल माहोर द्वारा दोपहर भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई । भोजन के पश्चात पैटनी सेंटर होते हुए कांवड़ यात्रा हरिहरा कला भवन पहुंची, जहां युवा समिति संयोजक आशीष परवाल, शुभम सुगंध, विक्रम परवाल, हिमालय सुगंध, कार्तिक खिप्पल, अभिषेक कडेल, कमलकिशोर मांडण, यश बाबेलिया द्वारा स्वागत किया गया ।

भोले बाबा के भजनों पर नाचते गाते कांवडिये महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी हनुमान मन्दिर पहूंचे । जहाँ शिव भण्डारे का आयोजन समस्त मायछ परिवार, सिकन्दराबाद की ओर से किया गया एंव नन्दकिशोर व्यास एंव पार्टी द्वारा जागरण में सुमधुर भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ, मार्गदर्शक टीपूजी किंकान, गोपाल बल्दवा, जुगलबिहारी आसट, श्रवणकुमार आसट, श्रीमती सरोज देवी सुगन्ध, मोण्डा मार्केट पार्षद श्रीमती कोंट्टम दीपिका एंव अन्यों का सम्मान मुख्य संयोजक पूनमचन्द मायछ, सह संयोजक प्रदीप मांडण, युवा समिति संयोजक विनित मायछ, विशाल माहोर, मनोज कुमार देवाल, आशीष मायछ, आकाश मायछ, विक्रांत बबेलिया, हर्षित कडेल , संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद कडेल व कोषाध्यक्ष युगलकिशोर कडेल एंव अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया । सुन्दर और भव्य कार्यक्रम के आयोजन से प्रसन्न होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ ने सभी कार्यकर्ताओं एंव पदाधिकारियों का शॉल ओढाकर सम्मान किया एंव मुक्तकंठ से प्रशंसा की ।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद के सदस्यों ने सावन की सैर में कई मंदिरों के किए दर्शन

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा आयोजित श्रावणमास के उपलक्ष्य में सावन की सैर के रूप में गोल्डन शिवालया मंदिर, नागीरेड्डीपल्ली, श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर, कुलपाक एवं स्वर्नागिरी मंदिर, भुवनगिरी जैसे पवित्र स्थानों का दर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित मनीष सुत्रावे राष्ट्रीय मंत्री, डॉ. प्रशान्त नीमकर पूर्व गर्वनर, मोहन राव देवतराज गर्वनर, प्रवीण पतंगे अध्यक्ष, अर्चना एम. बासुतकर मंत्राणी, अश्विनी पतंगे प्रोजक्ट सर्विस ,घनश्याम पतंगे कोषाध्यक्ष भावसार महिलाओं द्वारा हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम किया गया।

हैदराबाद कई हिंदू पवित्र स्थानों का घर है जो भक्तों के लिए बहुत महत्व रखते हैं। हैदराबाद में ये हिंदू पवित्र स्थान भक्तों को अपनी आस्था से जुड़ने, आशीर्वाद लेने और शहरों की हलचल भरी जिंदगी के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव करने का मौका देते हैं।

ये स्थान न केवल आध्यात्मिक अन्वेषण के लिए एक मंच प्रदान करते हैं बल्कि विभिन्न विश्वासों वाले लोगों के बीच एकता की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। इन पवित्र स्थलों की यात्रा आस्था की स्थायी शक्ति और आत्मज्ञान की खोज की याद दिलाती है।

श्रावण मास के सोमवार के उपलक्ष्य में डोंगरे जी महाराज गोशाला इंजपुर मे विशेष पूजा महारुद्र अभिषेक अर्चना करते हुए गोशाला के सदस्य व पूजा करते हुए पंडित गणेश जोशी वा भक्तगण।

डॉ. संगीता रेड्डी ने सुब्रमण्यम यादवल्ली की पहली पुस्तक 'द रेजिलिएंट पाथ' लॉन्च की

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अपोलो अस्पताल के लोकप्रिय घरेलू सीईओ सुब्रमण्यम यादवल्ली की पहली किताब मद रेजिलिएंट पाथफका मंगलवार, दि. 6 अगस्त, 2024 को एक बुक लॉन्च इवेंट में अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संगीता रेड्डी ने लॉन्च किया। उक्त कार्यक्रम में शहर के कई जाने-माने गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, डॉक्टर और कई अन्य लोग शामिल थे।

पुस्तक लॉन्च करते हुए डॉ. संगीता रेड्डी ने कहा, सुब्रमण्यम ने अपने शानदार कॉरियर में कई काम किए हैं और यह उनकी गहरी लगन और उनके सीखने को साझा करने का एक बेहतरीन प्रमाण है, क्योंकि दूसरों को आपके जैसा अच्छा करने के लिए प्रेरित करने की अंतिम क्षमता, अपनी यात्रा को लिखना है। मेरा मानना है कि यह पुस्तक एक दिलचस्प संयोजन होने जा रही है, क्योंकि वह खुद एक दिलचस्प किरदार हैं। एक पेशेवर के रूप में वे सबसे अलग हैं, वे अनुशासित, जानकार और सक्षम हैं, जिसे वे भक्ति में अपने विश्वास की इस अनूठी प्रवृत्ति के साथ जोड़ते हैं।

पेशेवर ज्ञान के साथ भक्ति का संयोजन भारतीय पेशेवरों की एक अनूठी विशेषता है। शायद यही एक कारण है कि हमारे इतने सारे पेशेवर वैश्विक पहचान बना रहे हैं और इसका श्रेय उनकी परवरिश को भी दिया जा सकता है।

इस अवसर पर लेखक सुब्रमण्यम यादवल्ली ने कहा कि मेरी किताब एक डायग्नोस्टिक्स सेंटर में वार्ड बॉय से लेकर कई चुनौतियों को पार करते हुए मेरे पद तक पहुँचने की यात्रा का वर्णन करती है।

व्यक्तिगत उपाख्यानों और प्रतिबिंबों के साथ, मेरी किताब महत्वाकांक्षी प्रबंधकों के लिए बाधाओं को दूर करने, अवसरों को जब्त करने और सफलता की ओर अपना रास्ता तय करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करती है। इस पुस्तक में मैंने वही लिखा है जो जीवन ने मुझे सिखाया है, यह पुस्तक मेरे व्यक्तिगत और व्यावसायिक अनुभवों, सीखे गए सबक, चुनौतियों पर काबू पाने और पिछले चालीस वर्षों में प्राप्त अंतर्दृष्टि का समापन है। यह लचीलापन, अनुकूलनशीलता और कालातीत ज्ञान की शक्ति को चित्रित करता है जिसने मुझे वार्ड बॉय से सीईओ बनने की मेरी यात्रा में मार्गदर्शन किया है।

तेयुप हैदराबाद ने बैंगलोर दक्षिणांचल युवा सम्मेलन में सहभागिता की

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में बैंगलोर में आयोजित दक्षिणांचल अधिवेशन में तेयुप हैदराबाद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा के नेतृत्व में 22 युवकों का प्रतिनिधिमण्डल अधिवेशन में सहभागिता दर्ज करवाई। आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल से लगभग 40 परिषदों ने इस अधिवेशन में भाग लिया ।तेयुप ने जुलाई महीने में निरंतर रक्तदान के साथ फिटयुवा हिट युवा का आयोजन भी किया और इसी क्रम में शानदार संख्या में युवकों ने दक्षिणांचल सम्मेलन में अपनी सहभागिता बैंगलोर में दर्ज कराई। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने शानदार उपस्तिथि के लिए तेयुप हैदराबाद की भूरी भूरी प्रशंसा की।इस यात्रा में उपाध्यक्ष मनीष पटावरी, मंत्री अनिल दुगड़, सह मंत्री जिनेंद्र सेठिया व सौरभ भंडारी, कोषाध्यक्ष आशीष दक, संगठन मंत्री जिनेन्द्र बैद के साथ पूर्व अध्यक्ष प्रवीण श्यामसूखा, अभातेयुप से राहुल श्यामसूखा एवम टीपीएफ दक्षिण अध्यक्ष मोहित बैद ने भी यात्रा में सहभागी बने। संगठन मंत्री जिनेंद बैद एवम यात्रा संयोजक राहुल गोलछा व चेतन मरलेचा के साथ आलोक नाहटा ने व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग दिया। तेयुप कार्यकर्ताओं में जैन संस्कारक ललित लुनिया, रक्तवीर मनोज जैन, विनय पारख, राहुल भदानी, श्रेणिक गोलछा, अरिहंत गुजरानी, रोबिन बैद, महिपाल भोजक, नीरज सुराणा ने अपने श्रम का नियोजन कर यात्रा को सफल बनाने में सहयोग दिया। आयोजक परिषद के द्वारा तेयुप हैदराबाद का मोमेंटो के द्वारा सम्मान किया गया एवम जुलाई माह मे परिषद द्वारा किए गए कार्यक्रमों की राष्ट्रीय पधाधिकारियो ने खूब तारीफ की एवम शुभकामना प्रेषित की।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी उद्घाटित

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी मंगलवार दि. 6 अगस्त को हाईटेक सिटी, माधापुर स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में प्रारंभ हुई। इसमें देश भर के 359 फैशन डिज़ाइनर नवीनतम कलेक्शन के साथ हिस्सा लेर हे हैं।

एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित कार्यक्रम में हाईलाइफ के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एबे डॉमिनिक व अभिनेत्री मालविका शर्मा, श्रावंती चोकारुपू, प्रीति सुंदर, बीपाशा कांक्षा ग्रोवर (मिस टीन चार्म इंडिया-2024), उर्मिला चौहान (मिस इंडिया-तेलंगाना-2023) एवं शहर की फ़ैशन की दुनिया से जुड़े कई चेहरे मौजूद थे।

एबे डॉमिनिक ने बताया कि देश के प्रमुख डिजाइनर फ़ैशन परिधान, आभूषण, सहायक उपकरण सहित शानदार और आकर्षक संग्रह के साथ हाईलाइफ़ प्रदर्शनी में भाग लेर हे हैं। प्रदर्शनी उत्सव, शादियों और मौसम के अनुरूप परिधानों के लिए आकर्षण का केंद्र है। संयोजक ने कहा कि हाईलाइफ़ प्रदर्शनी देश के प्रमुख शशहरों में सबसे अधिक पसंद की जाने वाले ब्रांड के रूप में उभरी है। विशेष रूप से फ़ैशन-लाइफ़स्टाइल-स्टाइल, लक्जरी और वेडिंग शॉपिंग के गंतव्य स्थल के रूप में लोग इसे काफी पसंद रक रहे हैं। लाइफ स्टाइल से जुड़े उत्पाद भी व्यापक विकल्प के साथ मौजूद हैं। डिजाइनर अपने नये कलेक्शन को हाईलाइफ में पेश करने के लिए ललयित रहते हैं, क्योंकि उन्हें यहाँ फ़ैशनप्रेमियों का अच्छा प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी 8 अगस्त, 2024 तक जारी रहेगी।

आयोजकों के अनुसार, यह फैशन ग्लैमर और लाइफ स्टाइल की अपनी तरह की सबसे बड़ी और रोमांचक लक्जरी फैशन प्रदर्शनी है। प्रदर्शनी में रचनात्मक फैशन परिधान, नवीनतम जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुएँ, दुल्हनों के परिधान, एक्सासरीज़ और आभूषण विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे।

देश के प्रमुख फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह प्रदर्शनी का हिस्सा होंगे। फैशन की दुनिया में नये रुझान को देखने और अपनी पसंद की वस्तुओं को विभिन्न विकल्पों के साथ प्राप्त करने के लिए प्रदर्शनी महत्वपूर्ण गंतव्य स्थल होगी ।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर नामपल्ली स्टेशन पर श्रावण मास के सोमवार को कमलकिशोर उपाध्याय परिवार द्वारा महा रुद्राभिषेक व प्रसादी का आयोजन किया गा। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों के साथ नारायणलाल उपाध्याय, रामदेव नागला, दामोदर जोशी, शतवीर उपाध्याय, लखन तिवाडी व अन्य।

प्रजावाणी कार्यक्रम में 465 आवेदन प्राप्त हुए

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 465 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 117, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 45, विद्युत विभाग से संबंधित 31, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 39, अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित 58 तथा अन्य विभागों से संबंधित 175 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, लोक प्रशासन विशेष अधिकारी दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं।

एनएमडीसी लिमिटेड में आयोजित की गई अंतर उपक्रम हिंदी वाक प्रतियोगिता

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं के क्रम में मंगलवार को एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद ने अंतर उपक्रम हिंदी वाक् प्रतियोगिता

का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता हिंदीभाषी वर्ग के प्रतिभागियों के लिए प्रदूषण नियंत्रण में री-साइक्लिंग का योगदान एवं अन्य भाषा वर्ग के प्रतिभागियों के लिए ई-गेमिंग का समाज पर प्रभाव विषय पर पृथक रूप से आयोजित की गई। प्रतियोगिता में हैदराबाद-सिकंदराबाद स्थित विभिन्न उपक्रमों के 38 कार्मिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मंचासीन अतिथियों एवं नराकास की कोर कमेटी के सदस्यों, विभिन्न उपक्रमों से आए हिंदी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि आज की यह प्रतियोगिता राजभाषा प्रयोग के प्रति हैदराबाद-सिकंदराबाद के उपक्रमों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने प्रतियोगिता के विषयों के महत्व को रेखांकित किया। तत्पश्चात प्रतियोगिता के निर्णायकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए एनएमडीसी में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच में मुख्य अतिथि के रूप में एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) प्रदीप सक्सेना उपस्थित थे। इनके साथ ही मंच में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा), ईसीआईएल एवं सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद-सिकंदराबाद एवं प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. ज्ञानमोटे, हिंदी अधिकारी, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी एवं रवि रंजन, राजभाषा अधिकारी, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण, हैदराबाद भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अपने सारगर्भित संबोधन में मुख्य अतिथि प्रदीप सक्सेना ने कहा कि एनएमडीसी केवल कंपनी के स्तर पर ही नहीं, बल्कि नगर एवं राष्ट्र स्तर पर भी राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासशील है। इसके लिए कंपनी समय-समय पर हिंदी प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन करती रहती है।

उन्होंने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा हिंदी के विकास के लिए किए जा रहे सम्मिलित प्रयासों की प्रशंसा की तथा प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नराकास द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों में एनएमडीसी की ओर पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

तत्पश्चात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सदस्य सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने नराकास की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी तथा राजभाषा के क्षेत्र में एनएमडीसी के योगदान की सराहना करते हुए इसे नगर एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त हो रहे पुरस्कारों के लिए बधाई दी।

प्रतियोगिता के अंत में निर्णायकगण डॉ. ज्ञानमोटे एवं रवि रंजन ने प्रतियोगिता के आयोजन पर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं विजेताओं के नामों की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन देवाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री फोजिया, प्रशिक्षु ने सहयोग किया।

सिखवाल समाज 14 खेड़ा, 7 खेड़ा कोलर, बगाना द्वारा सावन की सेल 11 अगस्त को निश्चित की गई है। आई माता मंदिर पेद्दा शापुर टांडा शमशाबाद। उपस्थित समाज बंधु गोविंद प्रसाद पंडिया, राम जी एसके, रामजी उपाध्याय, कन्हैया लाल उपाध्याय, हरि उपाध्याय, लक्ष्मी नारायण व्यास, शिवप्रसाद नागला, शेषमल जी कायत,सतनारायण व्यास आदि उपस्थित रहे।

बिहार में सरकारी खरीद में स्थानीय कंपनियों को मिलेगी प्राथमिकता

पटना, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर का सृजन करने के उद्देश्य से राज्य में समग्र रूप से वस्तुओं एवं सेवाओं में स्थानीय कंपनियों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है।

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने मंगलवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य में समग्र रूप से वस्तुओं की खरीद एवं सेवाओं में स्थानीय कंपनियों को प्राथमिकता देने के लिए 'बिहार खरीद अधिमानता नीति, 2024' को मंजूरी दी गई है। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि इस नीति के तहत बिहार में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं में अब राज्य की कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य की वैसी कंपनियां, जो न्यूनतम दर से 15 प्रतिशत की मार्जिन में निविदा डालती हैं उन्हें एलवन दर पर 25 प्रतिशत का ऑर्डर दिया जाएगा। इस नीति में स्थानीय कंपनियों और सेवा प्रदाताओं को परिभाषित किया गया है।

अपर मुख्य सचिव ने शर्तों का उल्लेख करते हुए बताया कि टेंडर होने के दिन से कम से कम एक साल पहले कंपनी स्थापित हुई हो, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान किया गया हो और कंपनी में कम से कम 50 प्रतिशत कर्मचारी बिहार के हों। उन्होंने कहा कि इस नीति से बिहार में कार्यरत कंपनियों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता मिलेगी।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल नगरपालिका संख्या म.नं.3-6-145/9/1/1, 3-6-145/9/1/2 और 3-6-145/9/1/3, प्रशासनिक 350 वर्ग गज, प्लॉट नं. 8, कुल 4700 वर्ग फीट क्षेत्रफल पर स्थित (जी+2 मंजिल) निर्मित हिमायतनगर, परिसर की दीवार के भीतर, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य को उसके वैध मालिक श्री विनय वर्मा पुत्र स्व. डॉ. आनंद राज वर्मा से मूल्यवान बिक्री पर खरीदना चाहते हैं। ऐसे सभी व्यक्ति जो उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भाग में बिक्री, उपहार, किरायेदारी के दावों या किसी और तरह का कोई हित या अधिकार का दावा रखते हों, उन्हें एतद्वारा इसे इस तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर नीचे दिये गये पते पर अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में लाना होगा, अन्यथा ऐसे किसी दावे को किसी संदर्भ के बिना इस बिक्री व्यवहार को पूरा कर लिया जाएगा, और यदि कोई आपत्ति रहती हो तो भी उसे स्वेच्छा से छोड़ दिया गया माना जाएगा।

हस्ता/-
अक्षत सांघी और प्रणिता सांघी
एडवोकेट्स
फ्लैट नंबर 302, वंश टावर्स, तीसरी मंजिल, महेश नगर कॉलोनी,
चिराग अली लेन, हैदराबाद-500 001

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की सावन की सैर कार्यक्रम के अंतर्गत शाखा के सदस्यों ने एक दिवसीय नागर्जुन सागर का भ्रमण किया। रविवार, 4 अगस्त को हैदरगुडा स्थित बीकानेर मिठाई वाला प्रतिष्ठान के समीप महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयकार के पश्चात तेलंगाना राज्य के पर्यटन विभाग के प्रबंधक (मार्केटिंग) के.अंजी रेड्डी और नीलम-राकेश राशिवासिया दंपत्ति (सदस्य-दोमलगुडा शाखा) ने दो विशेष बसों में सवार लगभग 70 लोगों को हेतु हरि झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्य अतिथि अंजी रेड्डी ने शाखा की सैर के अंतर्गत नागर्जुन सागर भ्रमण को एक अच्छा कदम करार देते हुए बताया कि इस एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम में लोग सावन माह के विशेष मौसम का आनंद लेने के साथ ही विश्व स्तरीय 3 प्रमुख स्थलों बुद्धवनम, नागार्जुन बांध और कोंडा संग्रहालय का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। नीलम-राकेश राशिवासिया दंपति ने सैर के सभी भ्रमणकर्ताओं को आनंदमयी यात्रा हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। डॉ. दिलीप पंसारी के संयोजन में संपन्न इस सैर की शुरुआत के समय अतिथियों का स्वागत शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, सहसचिव प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, परामर्दता गिरधारी लाल गुप्त, विजय अग्रवाल और नेहा अग्रवाल ने किया।

भ्रमणकर्ताओं हेतु सुबह के नाश्ते, दोपहर के भोजन, सायंकालीन चाय-अल्पाहार और बीकानेर वाला में रात्रि भोजन के अतिरिक्त समय-समय पर अन्य व्यंजनों की व्यवस्था की गई जिनका लोगों ने खूब लुफ्त उठाया। समय-समय पर निकाले गए विभिन्न भाग्यशाली पुरस्कारों के विजेता सीमा मनीष अग्रवाल, आराध्या अग्रवाल, नितिन तुलस्यान, पवन कुमार तुलस्यान, कृष्ण अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, कोमल तुलस्यान और दिनेश पंसारी रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेश अग्रवाल शाखा सचिव, दिनेश पंसारी, अक्षय अग्रवाल क्लिनिक संयोजक, विकास अग्रवाल एवं अन्य का सराहनीय सहयोग रहा। इस सैर कार्यक्रम में निरंजन पंसारी, अरुण रूंगटा, रतन केडिया, वी के गर्ग, ईशांत गोयल, रितेश झुनझुनवाला, श्याम लाल अग्रवाल और अन्य सपरिवार उपस्थित थे।

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,593.07
-166.33 -0.21% ↓
एनएसई :23,992.55
-63.05 (-0.26%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 70,980/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 81,450/-
(प्रति किलोग्राम)

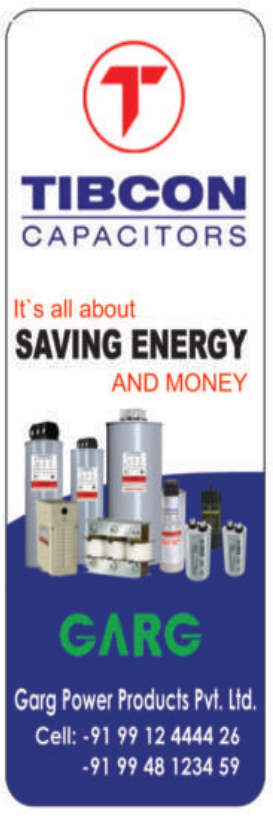

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 26°

देश भर में मनाई गई करपात्री महाराज की जयंती

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

महान संत स्वामी करपात्री जी महाराज की जयन्ती मंगलवार को देशभर में धूमधाम से मनाई गई।

मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी में सिविल लाइंस स्थिति शंकराचार्य मार्ग में भारतवर्षीय धर्म संघ के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ज्योतिष पीठ के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी माधवाश्रम जी महाराज के परम शिष्य जगदुरु स्वामी देवादित्यनंद सरस्वती जी महाराज ने करपात्री जी महाराज के व्यक्तित्व और समाज के लिए उनके योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके महान कार्यों को देखते हुए ही उन्हें धर्मसम्राट की उपाधि प्रदान की गई थी।

मुस्लिम जंग पुल स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में फलों से श्रृंगार किया गया। रुद्राभिषेक पूजन में महन्त चेतन गिरी, सुनील कुमार पाण्डेय, विनय पांडेय, उमेश पांडेय, आनन्द विनोद पोरवाल, लक्ष्मण बागड़ी, अनिल, पवन, छोटू, संतोष शर्मा, लाला दुर्गेश अहीर, पवन अहीर, जितेन्द्र गिरी, अमर सिंह, रोशन सिंह, तुषार सिंह, बापू अभिषेक, संतोष गिरी, प्रियांशु पाण्डेय।

हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका

झज्जर। जिले के कच्चा बेरी रोड पर खेतों में व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। व्यक्ति की हत्या कर शव झाड़ियों में छिपाया गया था। मृतक के माथे और गले पर चोट के निशान हैं। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकौड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME
I, GONGATI LAKSHMI Devi Legally Spouse of Service NO :- 6494502X, HAV/ASH, Name:- GONGATI NARAYANA Reddy, UNIT: 554 ASCBN, C/O 56APO, H.NO:- 1-85, VILL:- Reddypalle, POST:- RAMAPURAM, TEH:- KALASAPADU. DIST : -CUDDAPAH, STATE:- ANDHRA PRADESH, PIN:-516217 Changed my name from **C LAKSHMI DEVI** to **GONGATI LAKSHMI DEVI** W/O HAV/ASH GONGATI NARAYANA Reddy Adhaar card No:- 9411 5631 0842 Affidavit Signed by Advocate and NOTARY P. Raveendranath, B.com, B.L on 06/08/24

CHANGE OF NAME
I, SUBBU LAKSHMI is legally dependent Mother of Service No. JC- 776762N, Rank: SUB/M TECH ELECT 'B' VEH, Name: M GOBI, Unit: 2 TRG BN, 1 EME CENTER, SECUNDERABAD, Residing at H.NO. 6/160, MIDDLE STREET, Vill: OTTANATHAM, PO: OTTANATHAM, Dist: THOOTHUKUDI, State: TAMIL NADU, Pin: 628302,I have Changed my name from **SUBBU LAKSHMI** to **SUBBULAKSHMI MURUGAN** my name is **SUBBULAKSHMI MURUGAN**. My Date of Birth 08-06-1959, G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME
I, SUSHILA KUMARI, is legally Wedded Wife of Service No. 3204427N, Rank: HAV, Name: PURKHA RAM SINWAR, Unit: 18 JAT REGT C/o 56 APO, PIN: 911218, residing at Vill: NATHUSAR, PO: PANCHU, Teh: NOKHA, Dist: BIKANER, State: RAJASTHAN, Pin:334804, I have Changed my name from **SUSHILA KUMARI** to **SHUSHILA** my date of birth 13-07-1995,Affidavit Signed by Advocate and Notary B. Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME
I, Service No. 10329992A GDSM Jegan U of 125 InfBn (TA)The Guards, C/o.56 APO hereby declare that my mother name is to be changed from **U MANJULA** to **MANJULA UTHARAKUMAR** for all purposes.

CHANGE OF NAME
I, R MURUGAN is legally dependent Father of Service No. JC- 776762N, Rank: SUB/M TECH ELECT 'B' VEH, Name: M GOBI, Unit: 2 TRG BN, 1 EME CENTER, Secunderabad, Residing at H.NO. 6/160, MIDDLE STREET, Vill: OTTANATHAM, PO: OTTANATHAM, Dist: THOOTHUKUDI, State: TAMIL NADU, Pin:628302,I have Changed my name from **R MURUGAN** to **MURUGAN RAMASUBBAIYA**, My Date of Birth is 10-04-1953, Affidavit Signed by Advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I, G.KANTHI KIRAN spous of Service No.287957F Ex.SGT GOLLABOINA JOSEPH KANTHI KUMAR, R/o.1-24-642, Venkatapuram, Maruthi Nagar, Road No.5, Alwal, Secunderabad-500015 have changed my name and DOB from **G.KANTHI KIRAN**, DOB:**20-5-1960** to **YENNAKULA KANTHI KIRAN**, DOB:**25-5-1960** vide affidavit dt:6-8-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I. No JC-770483M Sub (Hony Lt) M Venkataramana Reddy, R/o H.No-763-1,Vankamaddivaripalli, Vill & PO-Ganugachinta, District - Chittoor,PIN-517214 State-Andhra Pradesh, have changed my mother name from RAJAMA to *M RAJAMMA* add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad dt 06/08/2024.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No-17004727F HAV Ghanshyam Chauhan, R/o Vill-Badahara Babu, PO-Laxmiganj Tehsil -Kaptanganj, PS-Ramkota, Dist-Kushinagar, State-Uttar Pradesh, PIN-274306, have changed my Father name from SRI JAG MOHAN to JAGMOHAN CHAUHAN date of birth from 22/11/1966 to 01/07/1962 add in my service documents Before Notary G Ramchander dated 06/08/2024.

CHANGE OF NAME
I. No JC-770483M Sub (Hony Lt) M Venkataramana Reddy, R/o H.No-763-1,Vankamaddivaripalli, Vill & PO-Ganugachinta, District - Chittoor,PIN-517214 State-Andhra Pradesh, have changed my Daughter name from *M SANJANA* to *M SANJANA REDDY* add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad dt 06/08/2024.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No-17004727F HAV Ghanshyam Chauhan, R/o Vill-Badahara Babu, PO-Laxmiganj Tehsil -Kaptanganj, PS-Ramkota, Dist-Kushinagar, State-Uttar Pradesh, PIN-274306, have changed my Mother name from SRIMATI VINDRAVATI to BINDRAWATI DEVI date of birth from 22/11/1967 to 01/01/1972 add in my service documents Before Notary G Ramchander dated 06/08/2024.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date ..... Drawn .....
Name of the Executive .....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक **शुभ लाभ** वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए **8688868345** पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

बाढ़ का पानी छोड़ने के लिए नागार्जुन सागर के 22 गेट खोले गए

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अपस्ट्रीम से भारी प्रवाह जारी रहने के कारण, तेलंगाना में कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) के 12 और क्रेस्ट गेटों को डाउनस्ट्रीम में पानी छोड़ने के लिए उठा लिया गया है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने और अधिक गेट खोलने का फैसला किया क्योंकि श्रीशैलम परियोजना और नदी के अन्य क्षेत्रों से भारी प्रवाह के बाद जल स्तर लगभग पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) तक पहुंच गया था।

नलगोंडा जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी और नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) के मुख्य अभियंता नागेश्वर राव ने सोमवार को शुरुआत में तीन द्वार खोले। जैसे-जैसे आमद बढ़ती गई, बाद में सात और गेट हटा दिए गए। सोमवार रात पानी का प्रवाह 3.55 लाख क्यूसेक तक पहुंचने पर अधिकारियों ने और गेट खोल दिए। पानी को नीचे की ओर छोड़ने के लिए कुल 22 गेटों को पांच फीट तक ऊपर उठाया गया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि बिजली उत्पादन और बाईं एवं दाईं नहरों के लिए 1.96 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मंगलवार को एनएसपी में प्रवाह 3.54 लाख क्यूसेक था जबकि बहिर्प्रवाह 3.14 लाख क्यूसेक था। जलाशय में वर्तमान जल स्तर 585.40 फीट है जबकि पूर्ण जलाशय का स्तर 590 फीट है। एनएसपी के पास 312.5 टीएमसी की पूरी क्षमता के मुकाबले 298.58 टीएमसी का भंडारण है।

देश के प्रमुख बांधों में से एक एनएसपी के गेट दो साल के अंतराल के बाद खोल दिए गए हैं। जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश और नदी के ऊपरी हिस्से से बड़े पैमाने पर प्रवाह के कारण, एनएसपी के तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों में 18 लाख एकड़ के विशाल अयाकट में साल भर की फसल की छुट्टी और पानी की कमी समाप्त हो गई। क्रेस्ट गेटों को उठाने से पहले, जिला प्रशासन के साथ समन्वय में अधिकारियों ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी किया और उन्हें नदी में प्रवेश करने से पहले अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी।

तेलंगाना के नलगोंडा जिले और आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में नदी के किनारे के गांवों को पहले से ही अलर्ट पर रखा गया है और मछुआरों को नदी में न जाने की सलाह दी गई है।

इस बीच, एनएसपी के गेटों को हटाए जाने के बाद डाउनस्ट्रीम पुलिचथे इंटाला परियोजना को भी भारी प्रवाह प्राप्त हो रहा है। आंध्र प्रदेश में स्थित परियोजना में जल स्तर 175 फीट के एफआरएल के मुकाबले 142.71 फीट तक पहुंच गया है। परियोजना में अंतर्वाह 74,443 क्यूसेक था जबकि बहिर्वाह 25,676 क्यूसेक था। पुलिचिंतला में भंडारण 45.77 टीएमसी की पूरी क्षमता के मुकाबले 10.65 टीएमसी है। इस बीच, तेलंगाना के निज़ामाबाद जिले में गोदावरी नदी पर श्रीराम सागर परियोजना को भी नदी के ऊपरी हिस्से से भारी मात्रा में प्रवाह प्राप्त हो रहा है। मंगलवार दोपहर को परियोजना में जल स्तर 1,091 फीट एफआरएल के मुकाबले 1080.30 फीट था। जबकि श्रीराम सागर की कुल क्षमता 80.5 टीएमसी है, मंगलवार को जल भंडारण 45.75 टीएमसी था।

सीएम रेवंत रेड्डी 14 अगस्त को तीसरे चरण की ऋण माफी की घोषणा करेंगे

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तीसरे चरण की ऋण माफी की घोषणा 14 अगस्त को की जाएगी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी गोदावरी जल छोड़ने के बाद 2 लाख रुपए तक के बकाया फसल ऋण वाले 11.50 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित करने वाली ऋण माफी की औपचारिक घोषणा करेंगे। कृषि मंत्री थुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कृषि अधिकारी हर किसान तक पहुंचेंगे और ऋण माफी के कार्यान्वयन न होने से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में उनकी मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि पहले चरण में करीब 17000 किसानों की कर्जमाफी पर विचार को लेकर दिक्कतें आई थीं। ऐसे लगभग 10,000 खातों के संबंध में सामने आए तकनीकी मुद्दों का समाधान किया गया और छूट राशि जमा की गई। दूसरे चरण में लगभग 30,000 खातों को इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था। एक बार तीसरे चरण की छूट लागू हो जाने के बाद, ऐसे सभी मुद्दों की जांच की जाएगी और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि छूट की राशि अंततः खातों में जमा हो रही है। कृषि विभाग यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेगा कि छूट का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे।

रायथु भरोसा के कार्यान्वयन पर, मंत्री ने कहा कि सरकार अभी भी लाभार्थियों की पात्रता पर निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए हितधारकों और समाज के विभिन्न वर्गों की राय लेने की प्रक्रिया में है। सहायता के कार्यान्वयन के लिए किरायेदार किसानों और भूमि मालिक किसानों के संबंध में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में निश्चित रूप से कुछ देरी होगी और सरकार इस प्रक्रिया में गंभीरता से शामिल है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की लागत पर फसल बीमा योजना को लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। केएलआईएस के तहत मेडीगड्डा बैराज से पंपिंग परिचालन फिर से शुरू करने की गुंजाइश से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीएसए का अंतिम फैसला मान्य होगा।

तेलंगाना में अगले 48 घंटे में भारी बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भद्राद्रि कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, रंगारेड्डी, नागरकुर्नूल जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को दैनिक मौसम रिपोर्ट यह जानकारी दी। उसने बताया कि बुधवार को राज्य के आदिलाबाद, कोमारामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, महबूबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। अगले 24 घंटों में तेलंगाना के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को

राज्य के आदिलाबाद, कोमारामभीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगितल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिले में यही स्थिति रहने का अनुमान है। अगले सात दिनों में तेलंगाना के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

अगले तीन दिन में राज्य के कुछ स्थानों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतत हवाएं चलने का अनुमान है। तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के खम्मम में कुछ स्थानों, महबूबाबाद में कुछ स्थानों पर और जोगुलाम्बा गडवाल जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान तेलंगाना में कई स्थानों पर बारिश हुई।

आलमपुर विधायक गिरफ्तार बीआरएस ने की कड़ी निंदा

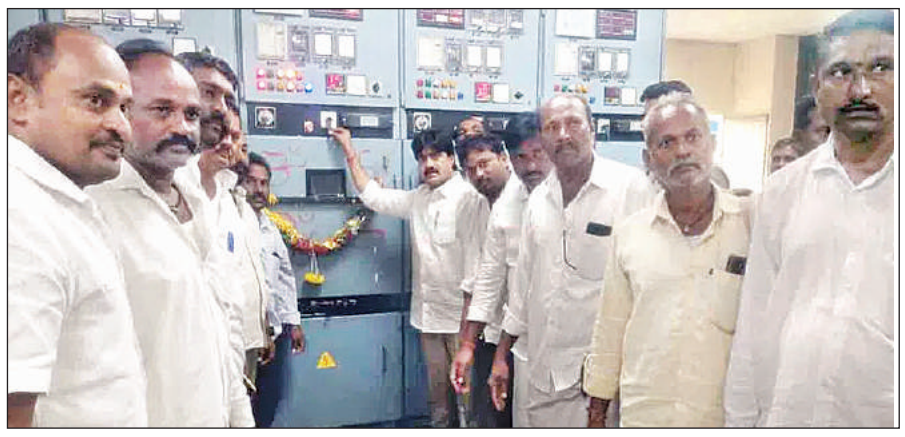

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

थुम्मिला लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस) से पानी छोड़ने को लेकर बीआरएस विधायक विजयुडु और पूर्व कांग्रेस विधायक एसए संपत कुमार के बीच तीखी बहस के बाद मंगलवार को आलमपुर निर्वाचन क्षेत्र के राजोली मंडल में विधायक विजयुडु को गिरफ्तार कर लिया गया। बीआरएस ने घटना की कड़ी निंदा की और राज्य सरकार से प्रोटोकॉल का पालन करने और हंगामे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया।

अधिकारियों ने पंपिंग मोटरों को चालू करने और थुम्मिला एलआईएस से पानी छोड़ने के लिए आयोजित समारोह के लिए विजयुडु और संपत कुमार दोनों को आमंत्रित किया था। विधायक विजयुडु पहले पहुंचे, अधिकारियों ने उन्हें पूर्व विधायक संपत कुमार का इंतजार करने की सलाह दी। हालांकि विजयुडु ने पूर्व विधायक की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया और संपत कुमार के आने से पहले पानी छोड़ कर मोटरें चालू कर दीं। बाद में, वह पानी का आगमन देखने के लिए आरडीएस (रजोलीबंदा डायवर्जन योजना) नहर पर पहुंचे, लेकिन यह देखकर हैरान रह गए कि पानी छोड़ने के लगभग तीन घंटे बाद भी नहर में पानी नहीं पहुंचा। पूछताछ करने पर उन्हें पता चला कि उनके जाने के तुरंत बाद संपत कुमार कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और गुस्से में पंप बंद कर दिया, यह कहते हुए कि उनके बिना मोटर चालू नहीं की जानी चाहिए थी। इस कार्रवाई से आरडीएस नहर में पानी का प्रवाह रुक गया।

पानी रोके जाने से नाराज विजयुडु अपने समर्थकों और किसानों के साथ थुम्मिला एलआईएस में लौट आए और सड़क अवरुद्ध कर धरना दिया। उन्होंने कहा कि समय पर बारिश नहीं होने के कारण आलमपुर निर्वाचन क्षेत्र में कई फसलें पहले ही प्रभावित हो चुकी हैं और कांग्रेस नेताओं ने सिंचाई का पानी रोककर समस्या को और बढ़ा दिया है। जैसे ही स्थिति बढ़ी, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और विजयुडु और उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया, जिससे तनाव पैदा हो गया।

विजयुडु की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने स्थानीय विधायक का अपमान करने वाले जिला अधिकारियों के आचरण की निंदा की। उन्होंने मुख्य सचिव ए शांति कुमारी से उन कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित करने पर जोर देने के कारण के बारे में सवाल किया, जिन्हें लोगों ने सभी आधिकारिक बैठकों और कार्यक्रमों में अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा प्रजा पालना (लोगों का शासन) जहां हमारे जन प्रतिनिधियों को हर दिन अपमानित किया जाता है। क्या निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपमानित करने के लिए तेलंगाना में प्रोटोकॉल को फिर से परिभाषित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद विधानसभा, बुद्ध नगर डिवीजन, पारसीगुट्टा में अपने फंड (एमपी लैड्स) से निर्मित दो मंजिला सामुदायिक हॉल का उद्घाटन किया।

केटीआर ने तेलंगाना के आईटी निर्यात में खतरनाक गिरावट पर चिंता जताई

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने मंगलवार को तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी निर्यात में खतरनाक गिरावट पर चिंता व्यक्त की।

पूर्व आईटी और उद्योग मंत्री ने कांग्रेस सरकार से आईटी और आईटीईएस क्षेत्र को प्राथमिकता देने और नीति की निरंतरता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एक्स पर अपनी पोस्ट में केटीआर ने उल्लेख किया कि पिछले 6-7 वर्षों में आईटी नौकरियों के सृजन और आईटी निर्यात में वृद्धि के मामले में राज्य ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पोस्ट में कहा सरकार द्वारा जारी नवीनतम रुझानों को देखने का मौका मिला। तेलंगाना के आईटी निर्यात में चिंताजनक गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि तेलंगाना में सृजित नई आईटी नौकरियां 2022-23 की तुलना में एक तिहाई तक गिर गई हैं। केटीआर ने बताया कि 2022-23 के दौरान आईटी निर्यात में 57,706 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई, जबकि 2023-24 के दौरान वृद्धि केवल 26,948 करोड़ रुपये थी। इसी तरह, 2022-23 में 1,27,594 नौकरियां पैदा हुईं जबकि 2023-24 में केवल 40,285 नई नौकरियां पैदा हुईं। यह कहते हुए कि आईटी क्षेत्र एक महत्वपूर्ण इंजन है जो हैदराबाद शहर और तेलंगाना राज्य के विकास को बढ़ावा देता है, केटीआर ने दावा किया कि बीआरएस के कार्यकाल के दौरान, इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई, कई अग्रणी नीतियों और टीएसआईपीएएसएस एकल-खिड़की पहल के लिए धन्यवाद।

उन्होंने कहा मैं कांग्रेस सरकार से आईटी और आईटीईएस क्षेत्र को प्राथमिकता देने और नीति की निरंतरता सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। मौजूदा निवेशकों को समर्थन देने की जरूरत है और नए निवेश को आकर्षित किया जाना चाहिए। युवा उद्यमियों और स्टार्टअप को हर तरह से समर्थन दिया जाना चाहिए। बुनियादी ढांचे का निरंतर उन्नयन और सख्त रखरखाव राज्य में आईटी क्षेत्र के विकास को बनाए रखने में कानून और व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कांग्रेस सरकार को इन दो क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जो उनके सत्ता संभालने के बाद से पीछे छूट गए हैं।

गौरतलब है कि शनिवार को राज्य के आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा था कि एक साल में जब भारतीय आईटी/आईटीईएस क्षेत्र में समग्र विकास में मंदी देखी गई इसके बावजूद तेलंगाना 11.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा। उन्होंने कहा 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तेलंगाना का कुल आईटी क्षेत्र का निर्यात 2,68,233 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत वृद्धि 3.3 प्रतिशत से काफी अधिक है। जून 2024 अंत तक राज्य का आईटी निर्यात बढ़कर 2,69,958 करोड़ रुपये हो गया। मंत्री ने कहा, यह क्षेत्र अब लगभग 9,46,285 आईटी पेशेवरों का समर्थन करता है, वित्त वर्ष 24 में 40,570 नौकरियों की शुद्ध वृद्धि के साथ, रोजगार में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.